CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 26°C
न्यूनतम : 23°C

नई दिल्ली, शुक्रवार 11 जुलाई 2025 राष्ट्रीय संस्करण: वर्ष 23 अंक 99 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com आषाढ़ शुक्ल पक्ष 15 विक्रमी सम्वत् 2082 15 मुहर्रम 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

मुख्यमंत्री योगी ने सनातन धर्म को भारत की आत्मा बताया पेज 2

भारतीय महिला टीम ने रचा इतिहास इंग्लैंड में जीती सीरीज खेल टाइम्स

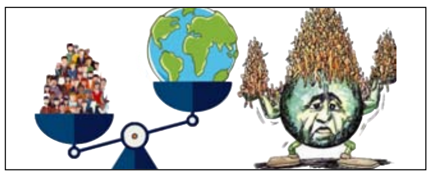

विकास की रफ्तार पर बोझ है बढ़ती जनसंख्या सम्पादकीय

अमेरिका की टैरिफ नीति से भारत को फायदा, रिपोर्ट में दावा पेज 12

पूरे देश में मानसून का कहर जारी

दिल्ली-NCR में बाढ़ जैसे हालात

गुरुग्राम में गाड़ियां तैरी, घरों में घुसा पानी व रुद्रप्रयाग में पहाड़ टूटा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बारिश जारी है। बुधवार शाम हुई बारिश के बाद दिल्ली और गुरुग्राम की सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात हैं। गाड़ियां पानी में तैरती नजर आईं। कई इलाकों में लोग तक पानी में डूब गए। घरों में पानी भर गया है। वहीं उत्तराखंड में बारिश के चलते कई जगहों में लैंडस्लाइड हुई है।

रुद्रप्रयाग में बद्रीनाथ रोड पर पहाड़ टूट गया। दिल्ली और गुरुग्राम में गुरुवार को बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार शाम हुई तेज बारिश के बाद शहर की अधिकतर सड़कों पर पानी भर गया। गुरुग्राम सेक्टर 6 में शीतला माता मंदिर के पास गाड़ियां पानी में तैरती नजर आईं। लोग तक पानी में डूब गए। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे के नरसिंहपुर के नजदीक सर्विस लेन पर 2 फुट तक पानी जमा हो गया।

बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद कर रही सेना

नई दिल्ली। भारतीय सेना बाढ़ से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान में नागरिक प्रशासन की मदद कर रही है। सेना की ओर से गुरुवार को बताया गया कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में हाल ही में आई बाढ़ के बाद स्थानीय प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत और बचाव अभियान में सेना की टुकड़ियां राज्य आपदा मोचन बल , राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर मदद कर रही हैं। सेना ने थुनाग, बग्सियाड और पंडोह सहित प्रमुख स्थानों पर टुकड़ियां तैनात की हैं, जो आवश्यक आपूर्ति जारी रखने के लिए महत्वपूर्ण पहुंच मार्गों को खोल रही है। इसके अलावा थुनाग में चिकित्सा सहायता और राहत सामग्री के वितरण में भी मदद की जा रही है।

बाढ़ प्रभावित छह राज्यों के लिए एक हजार करोड़ से अधिक की राशि मंजूर

■ **सभी तरह की रसद सहायता प्रदान करना केन्द्र की प्राथमिकता**

नई दिल्ली। केन्द्र ने बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित राज्यों असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, केरल और उत्तराखंड के लिए 1,066.80 करोड़ रुपये की राशि जारी करने की मंजूरी दी है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार हर स्थिति में राज्यों के साथ दृढ़ता से खड़ी है।

केंद्र सरकार ने बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, केरल और उत्तराखंड राज्यों के लिए एसडीआरएफ के अंतर्गत केंद्रीय हिस्से के रूप में 1066.80 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस वर्ष 19 राज्यों को एसडीआरएफ और एनडीआरएफ निधि से 8000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई है। वित्तीय सहायता के अलावा आपदा के समय राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, सेना और वायुसेना की तैनाती सहित सभी तरह की रसद सहायता प्रदान करना केन्द्र की प्राथमिकता रही है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि छह बाढ़ प्रभावित राज्यों में से असम को 3750.60 करोड़ रुपये, मणिपुर को 29.20 करोड़, मेघालय को 30.40 करोड़, मिजोरम को 22.80 करोड़, केरल को 153.20 करोड़ और उत्तराखंड को 455.60 करोड़ रुपये राज्य आपदा मोचन निधि से केन्द्रीय हिस्से के रूप में दिए गए हैं।

उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर दिल्ली हाईकोर्ट की रोक

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ **कार्यवाही बहुत उत्साहजनक है, हम अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं: मौलाना अरशद मदनी**

नई दिल्ली। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष, मौलाना अरशद मदनी ने गुरुवार को अदालत की कार्यवाही का स्वागत किया और संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हहम अंतिम निर्णय का इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन दिनभर की सुनवाई के बाद जो नतीजा सामने आया, वह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आपत्तिजनक दृश्य हटाए जाने के बावजूद फिल्म में अब भी ऐसा सीन मौजूद है, जो हमारे समाज में नफरत का ज़हर फैला सकता है।

मौलाना मदनी ने आगे कहा कि फिल्म की स्क्रीनिंग पर स्टे और अदालत के अन्य आदेशों ने संविधान की सर्वोच्चता को मज़बूत किया है। यह एक स्पष्ट संदेश भी देता है कि कला और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कोई भी व्यक्ति संवैधानिक और नैतिक सीमाओं का उल्लंघन नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में कुछ और आपत्तिजनक फ़िल्में भी बनी हैं, लेकिन वे इतनी घिनौनी नहीं थीं। इस फ़िल्म में एक हत्या की घटना की आड़ में एक पूरे समुदाय को इस तरह कठघरे में खड़ा किया गया है, मानो वे अपराधी हों। इसीलिए हमने इस मामले को अदालत में ले जाने का फ़ैसला किया। हमें खुशी है कि हमारी कोशिशें कामयाब रहीं, और हमें पूरा विश्वास है कि इंशाल्लाह अंतिम फ़ैसला भी हमारे पक्ष में ही होगा। यह फ़ैसला सिर्फ़ फिल्म पर रोक नहीं है, बल्कि सांप्रदायिक तत्वों के इरादों और एजेंडे पर एक रोक है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे वकीलों, विशेषकर देश के सबसे प्रतिष्ठित वकीलों में से एक, कपिल - शेष पृष्ठ दो पर

गुरुग्राम में टेनिस खिलाड़ी राधिका की हत्या, पिता ने बेटी को मारी गोली

गुरुग्राम। गुरुग्राम में गुरुवार को बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया। यहां सुशांत लोक फेस-2 में टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। राधिका की उम्र महज 24 साल थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक राधिका के पिता पर ही गोली मारने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि राधिका के पिता सोशल मीडिया पर बेटी द्वारा रील बनाने से नाराज थे। जांच में यह बात सामने आई है कि पिता ने बेटी के ऊपर पांच बार फायरिंग की थी, जिसमें से तीन गोली राधिका को लगी है। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही हत्या में जिस हथियार का इस्तेमाल किया गया है वो भी बरामद कर लिया है।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर रोक नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर गुरुवार को कोई अंतरिम स्थगन आदेश जारी न करते हुए चुनाव आयोग को 21 जुलाई तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही, आयोग से कहा कि वह मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र को स्वीकार्य दस्तावेजों के रूप में अनुमति देने पर विचार करे। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने कांग्रेस समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से दायर याचिका पर यह निर्देश दिया।

छांगुर बाबा के नेटवर्क का पता लगाएगी यूपी एटीएस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने गुरुवार को धर्मांतरण के आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को सात दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी। अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि यूपी एटीएस ने छांगुर बाबा और उसकी मुख्य सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को सात दिन की रिमांड पर लिया है। उनसे उनके गिरोह के नेटवर्क, पैसों के लेन-देन और उनकी अवैध संपत्तियों के बारे में पूछताछ की जाएगी।

कोयंबटूर धमाके का मुख्य आरोपी 29 साल बाद गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने 1998 के कोयंबटूर सिलसिलेवार बम विस्फोटों और हत्या के मामलों में 29 साल से फरार मुख्य आरोपी को कर्नाटक के विजयपुरा जिले से गिरफ्तार कर लिया। तमिलनाडु एटीएस ने विशिष्ट और खुफिया जानकारी के आधार पर कोयंबटूर बम विस्फोट और प्रदेश में सांप्रदायिक हत्याओं के मामलों के मुख्य आरोपी सादिक उर्फ टेलर राजा उर्फ शाहजहां शेख को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली- एनसीआर में भूकंप के झटके लगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ **4.4 तीव्रता, हरियाणा के झज्जर में था केंद्र, छह महीने के दौरान तीसरी बार भूकंप आया**

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में था। यहां रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.4 थी। इसकी वजह से दिल्ली और एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

हरियाणा के जींद और बहादुरगढ़ के अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के इलाकों में भी 10 सेकंड तक झटके महसूस किए गए। बीते छह महीने में दिल्ली और एनसीआर में तीसरी बार भूकंप आया है। इससे पहले 19 अप्रैल और 17 फरवरी को भी भूकंप आया था। अफगानिस्तान में 19 अप्रैल की दोपहर 12.17 बजे रिक्टर स्केल पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका असर जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर तक महसूस किया गया था। जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ था। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलाजी (एनएससी) के मुताबिक, भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी महसूस किया गया। श्रीनगर में एक व्यक्ति ने बताया कि मैं दफ्तर में था, तभी मेरी कुर्सी हिली। कुछ इलाकों से लोगों को घरों और ऑफिस से बाहर भागते देखा गया।

स्कूलों के विलय के खिलाफ एक और याचिका हुई खारिज

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने प्रदेश के प्राथमिक स्कूलों के विलय के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका को गुरुवार को शुरुआती सुनवाई के बाद खारिज कर दिया है। याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर आपत्ति उठाई गई कि मामले में उठाए गए मुद्दे पहले ही सीतापुर के 51 बच्चों की याचिका में एकल पीठ ने निर्णीत कर दिए हैं। ऐसे में समान मुद्दों को लेकर दाखिल यह याचिका सुनवाई को ग्रहण करने योग्य नहीं है। सरकार की इस आपत्ति पर गौर कर कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता ज्योति राजपूत की जनहित याचिका पर दिया। इसमें राज्य सरकार के स्कूलों के विलय या दो स्कूलों को जोड़ने के राज्य सरकार के बीती 16 जून के आदेश को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया गया था।

गुजरात का महिसागर पुल हादसा

नदी से 17 शव मिले, दो की तलाश जारी

अहमदाबाद, वार्ता

गुजरात में वडोदरा व आणंद को जोड़ने वाला पुल टूटने के बाद महिसागर नदी से 17 शव निकाले जा चुके हैं।

एनडीआरएफ को गुरुवार सुबह 2 और दोपहर में एक और शाम को एक शव मिला, जबकि 13 बॉडी बुधवार को ही बरामद हो चुकी थीं। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है। अभी भी 2 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनकी तलाश जारी है। महिसागर नदी पर बना ब्रिज बुधवार सुबह टूट गया था। चलते ट्रैफिक के बीच पुल टूट जाने से दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा नदी में गिर गए थे। एक टैंकर टूटे सिरे पर फंस गया था। 45 साल पुराना यह ब्रिज दक्षिण गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता था। इसके टूटने से भरूच, सूरत, नवसारी, तापी और वलसाड से सौराष्ट्र पहुंचना मुश्किल हो गया है। अब इसके लिए अहमदाबाद होकर जाना होगा।

तीन बच्चों की हत्यारी मां को फांसी व प्रेमी को उम्रकैद सुनाई

औरैया। उप्र में औरैया जिले की एक अदालत ने प्रेम प्रसंग के चक्कर में अपने तीन मासूम बच्चों की नदी में डुबो कर हत्या करने वाली मां को फांसी की सजा सुनाई है, जबकि उसके प्रेमी को आजीवन कारावास के लिए दंडित किया गया है। घटना 27 जून 2024 की सुबह करीब 5 बजे की थी। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले के फफूंद थाना क्षेत्र के गांव अटा बरूआ निवासी प्रियंका(27) की शादी इटावा के बसरेहर निवासी अवनीश से हुई थी। जिससे चार बच्चे हैं। दो साल पहले पति अवनीश की करंट लगने से मौत हो गई। इसके बाद प्रियंका अपने चचेरे देवर औरैया निवासी आशीष के साथ पत्नी के रूप में साथ रहने लगी। 27 जुलाई 2024 की सुबह करीब 5 बजे -शेष पृष्ठ दो पर

थरूर ने कुरेदे इमरजेंसी के घाव, नसबंदी को बताया 'इतिहास का काला अध्याय'

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ **कांग्रेस सांसद ने कहा: इससे सबक लेना जरूरी, नसबंदी अभियान मनमाना और क्रूर फैसला था**

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक आर्टिकिल में लिखा कि इमरजेंसी को सिर्फ भारतीय इतिहास के काले अध्याय के रूप में याद नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इससे सबक लेना जरूरी है। उन्होंने नसबंदी अभियान को मनमाना और क्रूर फैसला बताया।

थरूर ने मलयालम भाषा के अखबार 'दीपिका' में प्रकाशित आर्टिकल लिखा है। यह गुरुवार को प्रकाशित हुआ है। उन्होंने लिखा कि अनुशासन और व्यवस्था के लिए उठाए गए कदम कई बार ऐसी क्रूरता में बदल जाते हैं, जिन्हें किसी तरह उचित नहीं कहा जा सकता। 50 साल पहले 25 जून, 1975 को तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई थी। यह 21 मार्च, 1977 तक लागू रही थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने कई सख्त फैसले लिए थे। माना फैसला था। थरूर ने लिखा कि इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी का जबरन नसबंदी अभियान चलाने का फैसला क्रूरता का उदाहरण बन गया। गरीब ग्रामीण इलाकों में टारगेट पूरा करने के लिए हिंसा और दबाव का सहारा लिया गया। नई दिल्ली जैसे शहरों में बेरहमी से झुग्गियां तोड़ी गईं। हजारों लोग बेघर हो गए। उनकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए शशि थरूर ने अपने आर्टिकल में लिखा कि लोकतंत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह एक बहुमूल्य विरासत है, जिसे लगातार संरक्षित करना जरूरी है। सत्ता को सेंट्रलाइज करने, असहमति को दबाने और संविधान को दरकिनार करने का असंतोष कई रूपों में फिर सामने आ सकता है। अक्सर ऐसे एक्शन को देशहित या स्थिरता के नाम पर उचित ठहराया जाता है। इस अर्थ में इमरजेंसी एक चेतावनी के रूप में खड़ा है। लोकतंत्र के संरक्षकों को हमेशा सतर्क रहना होगा। थरूर ने 23 जून को द हिंदू में पब्लिश एक आर्टिकल में लिखा था कि मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा वैश्विक मंच पर भारत के लिए प्रमुख संपत्ति बनी हुई है, लेकिन उन्हें और ज्यादा सपोर्ट मिलना चाहिए।

निमिषा की फांसी पर रोक की अर्जी, SC 14 को करेगा सुनवाई

■ **नर्स निमिषा को यमन में 16 जुलाई को दी जानी है फांसी**

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय हत्या के एक मामले में केरल निवासी नर्स निमिषा प्रिया की यमन में 16 जुलाई को निर्धारित फांसी की सजा पर रोक और उसकी रिहाई के लिए केंद्र सरकार को कूटनीतिक प्रयास करने का निर्देश देने की मांग संबंधी एक याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करेगी।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की आंशिक कार्य दिवस पीठ ने 'सेव निमिषा प्रिया एक्शन काउंसिल' नामक एक संगठन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रागेंथ बसंत के शीघ्र सुनवाई के अनुरोध के बाद संबंधित याचिका को (14 जुलाई के लिए) सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। अधिवक्ता बसंत ने 'विशेष उल्लेख' के दौरान अदालत से यह अनुरोध किया था। वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष दलील दी कि शरीयत कानून के अनुसार, अगर पीड़ितों के रिश्तेदार 'खूंबहा' स्वीकार करने को तैयार हों, तो किसी व्यक्ति को रिहा किया जा सकता है। खूंबहा का मतलब है कि पीड़ित परिवार को मुआवजे का प्रस्ताव दिया जाए और वे इसे लेने को तैयार हों, तो अभियुक्त की सजा माफ की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी अस्पतालों में बदइंतजामी, मरीज नर्सिंग होम में जाने को विवश: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के चरमराने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकारी अस्पतालों में बदइंतजामी और बदहाली की वजह से मरीज प्राइवेट अस्पतालों में इलाज करवाने को मजबूर हो रहे है। यादव ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह पटरी से उतर गई हैं। उप मुख्यमंत्री की नजर अपने विभाग के बजाय मुख्यमंत्री की कुर्सी पर होने की वजह से हर तरफ मनमानी और बदहाली दिखाई दे रही है। अचरज तो यह है कि उनकी सरकार में बिना खून निकाले रिपोर्ट देने का तरीका भी खोज लिया गया है। कानपुर में दो सीएमओ एक कुर्सी पर झगड़ पड़े, तो पुलिस बुलानी पड़ गई। डीसीएम साहब अपनी नाकामी छुपाने के लिए छापेबाजी करके बैठ जाते है। असर कुछ होता नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों डिप्टी साहब गोंडा के मेडिकल कॉलेज गए जहां हर तरफ अव्यवस्था थी।

किसानों को 25 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार खेती में उर्वरकों के सही इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए अब तक 25 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसानों में बांट चुकी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार शाम को यहां आयोजित 16वें एग्रीकल्चर लीडरशिप सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को किफायती दामों पर उर्वरक मुहैया कराने के लिए पर्याप्त सब्सिडी देने के साथ साथ सही वक्त पर उर्वरक आपूर्ति कराना सुनिश्चित किया है।

अवैध धर्मांतरण के खिलाफ चलता रहा है सरकार का डंडा

लखनऊ, वार्ता

■ छांगुर बाबा के खिलाफ पुलिस कार्रवाई उत्तर प्रदेश के लिए कोई नई बात नहीं है

अवैध धर्मांतरण के आरोप जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ पुलिस कार्रवाई उत्तर प्रदेश के लिए कोई नई बात नहीं है।

योगी सरकार के सत्ता में आने के बाद अवैध धर्मांतरण के खिलाफ समय समय पर एक्शन होता रहा है। इस दौरान पुलिस, एसटीएफ और एटीएस दो दर्जन से अधिक अवैध धर्मांतरण गिरोहों के सरगना और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार सलाखों के पीछे धकेल चुकी है। वहीं अभियोजन विभाग द्वारा कोर्ट में प्रभावी पैरवी, वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर पिछले आठ वर्षों में अवैध धर्मांतरण में लिप्त 16 आरोपियों को सजा दिलाई गई। इनमें से 12 आरोपियों को आजीवन कारावास और 4 आरोपियों को 10 वर्ष के कारावास की सजा दिलाई गई। इसके साथ ही कोर्ट द्वारा आरोपियों पर अर्थदंड भी लगाया गया। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा ने गुरुवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेशभर में धार्मिक-सामाजिक एकता बनाए रखने और जनसंख्या संतुलन को बिगाड़ने वाली साजिशों को विफल करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अवैध धर्मांतरण के सरगनाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है।

उन्होंने बताया कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश भर में अवैध धर्मांतरण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेला गया है। यह आरोपी उत्तर प्रदेश के साथ दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात और हरियाणा में भी सक्रिय थे। इनका मकसद बहुसंख्यक आबादी में धार्मिक असंतुलन पैदा कर देश की जनसांख्यिकी को बदलना और शांति को भंग करना था। यह लोग गिरोह के संचालन के लिए इस्लामिक दावा सेंटर जैसे केंद्रों का उपयोग करते थे, जहां गरीब, असहाय, दिव्यांग और समाज के हाशिए पर खड़े लोगों को बहला-फुसलाकर, नौकरी, इलाज, शादी और पैसे के लालच से अवैध धर्मांतरण कराया जाता था।

छांगुर बाबा एक हफ्ते की पुलिस रिमांड पर एटीएस के हवाले

लखनऊ। अवैध धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी साथी नीतू उर्फ नसरीन को उत्तर प्रदेश पुलिस का आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) रिमांड पर लेकर गिरोह की गतिविधियों और फंडिंग के बारे में पड़ताल करेगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अवैध धर्मान्तरण के आरोप में एटीएस ने पिछली पांच जुलाई को जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और नीतू उर्फ नसरीन को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस महानिदेशक ने धर्मांतरण के इस गिरोह के पूरे नेटवर्क, रैकेट, वित्तीय स्रोत एवं अन्य सभी तथ्यों की गहन जानकारी के लिए निर्देशित किया गया था। उन्होंने बताया कि यूपी एटीएस ने एनआईए कोर्ट से दस से 16 जुलाई तक दोनों आरोपियों का पुलिस कस्टडी रिमाण्ड प्राप्त किया गया है।

पंचायत चुनाव: 512 ग्राम पंचायतें समाप्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों के लिए पंचायतों का परिसीमन पूरा हो गया है और 512 ग्राम पंचायतें समाप्त कर दी गई हैं, जबकि 11 नई ग्राम पंचायतें बनाई गई हैं।

अधिकृत सूत्रों ने बताया कि समाप्त की गई ग्राम पंचायतों में सबसे अधिक संख्या देवरिया, आजमगढ़ और प्रतापगढ़ जिलों की है। 2021 के पंचायत चुनावों में 58,195 ग्राम प्रधान चुने गए थे, लेकिन राज्य में अगले पंचायत चुनावों में यह संख्या घटकर 57,694 ग्राम प्रधान रह गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में अगले साल अप्रैल-मई में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की तैयारियां ग्राम पंचायतों के परिसीमन के साथ शुरू हो गई हैं। लेकिन पंचायती राज विभाग सीटों का आरक्षण तय नहीं करेगा। प्रदेश सरकार ने अगले साल मई में होने वाले ग्राम पंचायत चुनावों के लिए एक शासनादेश (जीओ) जारी कर ग्राम पंचायतों के परिसीमन को अनिवार्य बना दिया है। नगरीय क्षेत्र के विस्तार के कारण देवरिया में 64, आजमगढ़ में 49 और प्रतापगढ़ में 46 ग्राम पंचायतें समाप्त कर दी गई हैं। इसके अलावा अलीगढ़ में 16, अंबेडकरनगर में 3, अमरोहा में 21 और अयोध्या जिलों में 22 ग्राम पंचायतें समाप्त हो गई हैं। बहराइच में कुल चार ग्राम पंचायतें समाप्त हो गई हैं, जबकि ज़िले में दो नए राजस्व गांव बनाए गए हैं। बलरामपुर और बाराबंकी में 7-7, बरेली और बुलंदशहर में 5-5, चित्रकूट में 3, एटा में 6, इटावा में 2, फर्रुखाबाद में 14, फतेहपुर में 19, गौतमबुद्धनगर में 6, गाजियाबाद में 19, गोंडा और गोरखपुर में 22-22, हरदोई में 14, हाथरस में एक, जौनपुर में 6, खीरी में एक, कुशीनगर में 23, लखनऊ में 3, मथुरा में 9, मऊ में 26, मुजफ्फरनगर में 11, रायबरेली में 8, संतकबीरनगर में 24, शाहजहांपुर में एक, सीतापुर में 11, सोनभद्र में 8-8 व उन्नाव में 4 नई ग्राम पंचायतें समाप्त कर दी गईं।

कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच होगी कांवड़ यात्रा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। पवित्र श्रावण मास में होने वाली कांवड़ यात्रा के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस ने सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किए है। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा ने कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं सकुशल सम्पन्न कराए जाने के लिए सभी जिलों के प्रमुखों को निर्देशित किया है।

कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए मुख्य कांवड़ मार्ग एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर कुल 29 हजार 454 सीसीटीवी कैमरे, 395 ड्रोन, 1845 जल सेवा केन्द्र, 829 चिकित्सा शिविरों, 1222 पुलिस सहायता केन्द्र/कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित सम्पन्न कराए जाने की जिम्मेदारी 587 राजपत्रित अधिकारी, 2040 निरीक्षक, 13,520 उपनिरीक्षक, 39,965 मुख्य आरक्षी/आरक्षी, 1,486 महिला उपनिरीक्षक, 8,541 महिला मुख्य आरक्षी/आरक्षी, 50 कम्पनी केन्द्रीय पुलिस बल/पीएसी एवं 1,424 होमगाड्र्स की होगी। इसके लिए विशेष बलों जैसे आएएफ, क्यूआरटी एवं एंटी टेरर स्क्वाड पुलिस बल की तैनाती भी की गई है।

कांवड़ यात्रा मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जाएगी, जबकि मुख्यालय स्तर पर भी 24 घंटे नजर रखी जाएगी। सोशल मीडिया सेन्टर डीजीपी मुख्यालय में एक आठ सदस्यीय टीम का गठन किया गया है, जो 24 घण्टे सतर्क रहकर कांवड़ यात्रा से सम्बन्धित सोशल मीडिया पर प्राप्त होने वाली सभी इनपुट को सम्बन्धित जिले को प्रेषित कर भ्रामक खबरों का खंडन, अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही एवं तथ्यात्मक जानकारी सोशल मीडिया पर डलवाना सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म को भारत की आत्मा बताया

राम विरोधियों की दुर्गति तय है: योगी

गोरखपुर, वार्ता

■ कहा: लोहिया के विचार से इतर आज के समाजवादी रामभक्तों पर गोली चलाते हैं

सनातन धर्म को भारत की आत्मा बताते हुए गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि प्रखर समाजवादी डा. राममनोहर लोहिया के विचार से इतर आज के समाजवादी रामभक्तों पर गोली चलाते हैं।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि डा. लोहिया के वर्तमान चेले भले ही उनकी बात न मानते हों, लेकिन यह बात तय है कि जो राम विरोधी है, उसकी दुर्गति होनी ही है। डा. लोहिया कहते थे कि भारत में जब तक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लीला पुरुषोत्तम मुरलीधर भगवान श्रीकृष्ण और देवों के देव भगवान शंकर की पूजा होती रहेगी तब तक दुनिया में कोई माई का लाल भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगा और यह सच भी है भगवान श्रीराम, प्रभु श्रीकृष्ण और देवाधिदेव महादेव शंकर के बिना भारत का पत्ता भी नहीं हिल सकता है।

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर में चार जुलाई से चल रही श्रीरामकथा के विश्राम सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि श्रीराम कथा और देवी-देवताओं से जुड़ीं अन्य कथाएं भारतीय संस्कार का हिस्सा हैं। उन्होंने रामायण मेलों की शुरुआत करने वाले डा. राम मनोहर लोहिया का उल्लेख कर सनातन धर्म पर सवाल उठाने वालों को आईना दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डा. लोहिया, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर समाजवादी और कांग्रेस के प्रखर विरोधी थे।

आजादी के बाद जब भारतीयों की एकजुटता को लेकर कुछ लोगों ने शंका जताई थी तब उन्होंने जवाब दिया था कि राम, कृष्ण और शंकर की पूजा होने तक भारत की एकजुटता का प्रश्न ही खड़ा नहीं होता। उन्होंने कहा कि उच्चकुल में पैदा होने के बावजूद मारीच की दुर्गति सबको पता है। उसका जन्म मनुष्य रूप में होता है, जबकि पशु रूप में मारा जाता है। उन्होंने कहा कि राम को भजते-भजते हनुमान जी भी पूज्य हो गए। अनपढ़ व्यक्ति भी हनुमान चालीसा जानता है, उसका पाठ करता है। श्रीराम, श्रीकृष्ण, भगवान शंकर और उनसे जुड़ी कथाएं हमारी आस्था की प्रतीक हैं, हमारी विरासत हैं। सुसभ्य संस्कृति की उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। इनके संरक्षण और उन्नयन में योगदान देना हर भारतीय का कर्तव्य होना चाहिए। राम, कृष्ण और शिव सनातन धर्म के प्रतीक हैं।

गुरु पूर्णिमा पर योगी ने किया महायोगी गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन

गोरखपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गुरुवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का नाथपंथ की परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, योगिराज बाबा गंभीरनाथ समेत नाथपंथ के सभी गुरुजनों का भी विधि विधान से पूजन-अर्चन कर श्रद्धा निवेदित की और लोक कल्याण के पथ पर मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा का विशेष अनुष्ठान प्रातः काल 5 बजे से ही प्रारंभ हो गया और सामूहिक आरती के साथ अनुष्ठान की पूर्णता हुई। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी देशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

सेंसेक्स 83190.28
निफ्टी 25355.25

सोना रु. 97195
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 107690
प्रति किलो

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट

मुंबई, वार्ता

■ तेज बिकवाली के चलते सेंसेक्स 345.80 अंक, निफ्टी 120.85 अंक नीचे

स्थानीय शेयर बाजारों में गुरुवार को बिकवाली का दबाव बढ़ने से लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई और प्रमुख शेयर सूचकांक 0.27 प्रतिशत से 0.47 प्रतिशत टूट गए।

विश्लेषकों के अनुसार कंपनियों के पहली तिमाही के वित्तीय नतीजों को जारी किए जाने की शुरुआत से पहले बाजार में सतर्कता का रुख बढ़ा हुआ था। बुधवार को बाजार दिन भर सीमित दायरे में घट बढ़ के बाद कारोबार के आखिरी दौर में तेज बिकवाली के दबाव में टूट कर बंद हुआ था। बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 345.80 अंक (0.41प्रतिशत) गिर कर 83,190.28 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी.50 भी 120.85 अंक (0.47 प्रतिशत) घट कर 25355.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में 24 शेयर घाटे में रहे और छह में लाभ हुआ।

मारुति सबसे अधिक 1.36 प्रतिशत लाभ पर बंद हुआ। टाटा स्टील (1.04), बजाज फाइनेंस (0.72), बजाज फाइनेंशियल सर्विसेज (0.65), ट्रेंट (0.4) और टाटा मोटर्स भी (0.38 प्रतिशत) लाभ में रहे। घाटे में रहे शेयरों में भारती एयरटेल का भाव 2.62 प्रतिशत टूटा, जबकि एक्सिस बैंक में सबसे कम 0.02 प्रतिशत का घाटा रहा। एशियन पेंट, इन्फोसिस, बीईएल, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक., टीसीएस, भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन, आईसीआईसीआईसीआई आई बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में घाटा हुआ। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस 0.27 प्रतिशत और निफ्टी बैंक 0.45 प्रतिशत घाटे में रहा। निफ्टी मिडकैप और स्मालकैप क्रमश 0.30 प्रतिशत और 0.27 प्रतिशत घट कर बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के अनुसंधान प्रमुख, विनोद नायर ने बाजार की स्थिति पर संक्षिप्त टिप्पणी में कहा, 'टीसीएस के पहली तिमाही के नतीजों से पहले इस सीजन में आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) और वित्त क्षेत्रों की धीमी शुरुआत की आशंका के चलते निवेशकों का रुझान सतर्क बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस बीच मिड-कैप और स्मॉ-कैप शेयरों में गिरावट का रुझान सीमित रहा। यह लार्ज-कैप शेयरों की तुलना में इन खंडों में निवेशक बेहतर आय परिदृश्य की उम्मीद कर रहे हैं। नायर की राय में यह निवेशकों की प्रतीक्षा और निगरानी की रणनीति को दर्शाता है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में सुधार

मुंबई। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को दिन में मजबूती के साथ करीब 23 पैसे के तेज सुधार के साथ 85.5780 के स्तर पर चल रहा था। बुधवार को विनियम दर प्रति डॉलर 85.7979 रुपए के दायरे में थी। स्थानीय शेयर बाजारों में नरमी का रुख जारी रहने के बावजूद डॉलर के अन्य प्रमुख मुद्राओं के समक्ष कमजोर पड़ने से रुपए को बल मिला। डॉलर सूचकांक दिन में 0.19 प्रतिशत गिर कर 97.37 पर चल रहा था। डॉलर सूचकांक छह प्रमुख मुद्राओं के भारांक पर आधारित है और डॉलर की तुलनात्मक मजबूती को इंगित करता है। बाजार को उम्मीद है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बाजूद रुपया आने वाले दिनों में डॉलर के मुकाबले 85.30 से 85.90 के दायरे में रहेगा। आज अन्य प्रमुख मुद्राओं का भाव इस प्रकार रहा: ब्रिटेन पौंड 116.5025 रुपए, यूरो 100.4709 रुपए और जापानी एन (प्रति सैकड़ा) 58.5200 रुपए।

यूपी में फॉरेस्ट कार्बन स्टॉक वृद्धि की दर राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी

लखनऊ, वार्ता

पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण वृद्धि के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहे उत्तर प्रदेश में हरित आवरण और फॉरेस्ट कार्बन स्टॉक में भी राष्ट्रीय औसत से तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है।

भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून की वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 तक यूपी के वन क्षेत्रों के बाहर वृक्षावरण में 3.72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय औसत 3.41 प्रतिशत से अधिक है। इसके अलावा, फॉरेस्ट कार्बन स्टॉक में 2.46 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो कि राष्ट्रीय औसत 1.13 प्रतिशत से लगभग दोगुनी है। जिस आधार पर लगभग 72 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के अवशोषण का अनुमान है, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान है। पौधरोपण महा अभियान ने इस वर्ष उत्तर प्रदेश में 'एक पेड़ मां के नाम 2-0' थीम के तहत 37.21 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। पिछले आठ वर्षों से प्रदेश में चल रहे पौध रोपण महाभियान के तहत अब तक 240 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। वन विभाग की ओर से जारी की गई वर्ष 2021-22 से लेकर 2024-25 तक रोपित किए गए पौधों की जीवितता लगभग 86.67 प्रतिशत दर्ज हैं। साथ ही इस अभियान के चलते प्रदेश में हरित आवरण और फॉरेस्ट कार्बन स्टॉक में भी राष्ट्रीय औसत से तीव्र वृद्धि दर्ज की गई है। वन विभाग ने पौधरोपण की जीवितता सुनिश्चित करने के लिए विशेष मॉनिटरिंग और मूल्यांकन व्यवस्था की है। वन विभाग की अनुश्रवण शाखा की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021-22 में पौधों की जीवितता 76.87 प्रतिशत, 2022-23 में 83.73 प्रतिशत, 2023-24 में 90.04 प्रतिशत और 2024-25 में हुए सर्वेक्षण के अनुसार 96.06 प्रतिशत दर्ज की गई है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

उदयपुर फाइल्स....

सिब्बल ने अदालत को सफलतापूर्वक यह बताया की यह फिल्म देश के बहुलवादी समाज के लिए कितनी खतरनाक हो सकती है। मौलाना मदनी ने यह भी कहा कि इस फिल्म के बारे में लिया गया फैसला भविष्य के लिए भी एक नज़ीर माना जाएगा और अन्य फिल्म निर्माताओं को भी एक बड़ा सबक मिलेगा, जो फिरकापरस्त ताकतों को खुश करने की नापाक मंशा से ऐसी फिल्में बनाकर देश की शांति, एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं।

तीन बच्चों की... प्रियंका अपने चारों बच्चों सोनू (9), माधव (6), आदित्य (4) व मंगल (2) को साथ लेकर घर से निकल पड़ी और ऑटो करके केशमपुर में सेंगर नदी के घाट पर पहुंच गई। जहां से प्रियंका ने अपनी ताई गीता को फोन करके कहा की वह मरने जा रही है और फोन काट दिया। ताई गीता प्रियंका को तलाशने औरैया गई, लेकिन प्रियंका घर पर नहीं मिली। इधर प्रियंका ने चारों बच्चों को कुछ नशीला पदार्थ खिलाकर नदी में डूबो दिया। मगर ग्रामीणों को आते देख वह वहां से भाग गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और ग्रामीणों ने नौ साल के सोनू को बाहर निकाला, जो जीवित था। जिसने पुलिस को नाम पता और घटनाक्रम बताया। इस पर परिजनों को सूचना दी गई। गोताखोर को बुलाकर नदी से छह साल के आदित्य और चार साल के माधव के शव को बाहर निकाल लिया। जबकि दो वर्ष के मंगल का शव करीब दो घंटे बाद मिला था। पुलिस ने बच्चों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पुलिस ने प्रियंका के सगे देवर मनीष की तहरीर पर प्रियंका एवं उसके प्रेमी (चचेरे देवर) आशीष उर्फ डैनी के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न मामलों में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की और 20 दिन में दोनों आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल ली। जिसके बाद मामला एडीजे थर्ड सैफ अहमद की कोर्ट में चला। जहां पर सात लोगों सोनू (जीवित बचा पुत्र), मनीष वादी मुकदमा (मृतकों का चाचा), दिनेश (एफआईआर व जीड लेखक), शकील खान (आदित्य व माधव का पंचनामा भरा), सौरभ कुमार (मृतको का पीएम कराया), हरीश कुमार (मंगल का पंचनामा भरा) व एसआई भूपेंद्र सिंह (पर्याप्त साक्ष्य संकलन के साथ आरोपियों के खिलाफ धारा 302, 307 व 120बी में 20 दिन के अंदर आरोप पत्र दाखिल किया) की गवाही के बाद 9 माह 14 दिन बाद आरोपी मां प्रियंका को फांसी एवं उसके प्रेमी चचेरे देवर आशीष उर्फ डैनी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वादी को ओर जिला शासकीय अधिवक्ता अभिषेक मिश्र आदि ने पैरवी की। जिला शासकीय अधिवक्ता अभिषेक मिश्रा ने बताया कि कोर्ट ने इसे क्रूरतम से क्रूरतम अपराध माना है। सजा दिलाने में एडीजीसी उमेश राजपूत ने कड़ी से कड़ी सजा की पैरवी की थी।

नदी किनारों पर होगा बहुआयामी विकास कार्य: यूपी सरकार

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर हर नदी को उसके स्रोत से लेकर अंतिम संगम बिंदु तक चिन्हित किया जाएगा और संबंधित सभी जनपदों को संयुक्त कार्ययोजना बनाकर जरूरी कदम उठाने होंगे। इसका उद्देश्य सिर्फ नदी को फिर से प्रवाहित करना नहीं, बल्कि जल गुणवत्ता, जल उपलब्धता और जैव विविधता को टिकाऊ तरीके से संरक्षित करना भी है।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर सभी जनपदों और विभागों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया है। निर्देशों के तहत नदियों की जलधारा को सुगम बनाने के लिए डिसिल्टेशन (गाद निकासी), चैनलाइजेशन, कोर्स करेक्शन जैसे तकनीकी उपाय किए जाएंगे। साथ ही अतिक्रमण मुक्त क्षेत्र विकसित कर वहां सघन वृक्षारोपण कराना भी अनिवार्य होगा। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार की यह पहल उत्तर प्रदेश की नदियों को 'जीवित धरोहर' के रूप में संरक्षित करने की दिशा में एक नए युग की शुरुआत है। यह मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा बन सकता है। उदाहरण के रूप में देखा जाए तो कोई नदी किसी जनपद से निकलकर अपने संगम क्षेत्र तक जितने भी जनपदों से होकर निकलेगी उन सभी पर नदी पुनरुद्धार का दायित्व होगा। हर जिले को अपने हिस्से में आने वाले नदी के क्षेत्र की सफाई, जलधारा पुनर्स्थापन और जलस्रोतों के संरक्षण के लिए कार्ययोजना तैयार करनी होगी। उसके पुनरुद्धार में संबंधित जिलों को मिलकर संरक्षणात्मक कार्य, जैसे तालाबों का जीर्णोद्धार, कैचमेंट क्षेत्र में चेक डैम और वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट बनाना होगा। नदी से जुड़ी तालाब श्रृंखलाएं भी चिन्हित कर संरक्षित की जाएंगी। निर्देशों के क्रम में संबंधित जिलों की प्रशासनिक इकाइयों द्वारा संयुक्त कार्ययोजना बनाई जाएगी। गाद निकालने (डिसिल्टेशन) और नदी की दिशा सुधारने (कोर्स करेक्शन) के लिए उच्च तकनीकी हस्तक्षेप होगा। नदी किनारों पर सघन वृक्षारोपण और कैचमेंट क्षेत्र में भूमि जल संरक्षण की योजनाएं लागू होंगी। चेक डैम, रिचार्ज पिट्स और जल संग्रहण ढांचे बनाए जाएंगे। इसके साथ ही तालाबों और पारंपरिक जलस्रोतों का संरक्षण एवं किनारों पर पौधारोपण अनिवार्य होगा।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

डबल मर्डरः आरोपी को हल्द्वानी से दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के सिविल लाइंस स्थिति युवती और छह माह की मासूम की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपी निखिल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को हल्द्वानी से दबोचा है, वो नेपाल भागने की फिराक में था। आरोपी ने हत्या की वजह भी बताई है।

सहमति से संबंध में रह रही युवती का गर्भपात कराना और चरित्र पर शक दोहरे हत्याकांड की वजह बना। मजनू का टीला इलाके में मंगलवार दोपहर सोनम उर्फ सोनल आर्य (२२) और छह माह की मासूम यशिका की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने खुलासा कर दिया।

वारदात के २४ घंटे के भीतर पुलिस ने सोनम के लिवइन पार्टनर निखिल को उत्तराखंड के हल्द्वानी से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नेपाल भागने की फिराक में था। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि सोनम उससे शादी नहीं करना चाहती थी। इस बीच सोनम गर्भवती हो गई। उसने गर्भपात कराने से मना किया और शादी की बात की, लेकिन सोनम तैयार नहीं हुई। इस बीच सोनम ने अपनी सहेली लक्ष्मी के पति दुर्गेश की मदद से गर्भपात करवा दिया। उसे लगने लगा कि सोनम अब दुर्गेश से नजदीकियां भी बढ़ा रही है। कई बार उसने दोनों को चौट करते पकड़ा था। उसने सोनम को दुर्गेश से दूर रहने के लिए कहा। लेकिन वह नहीं मान रही थी। झगड़ा इस कदर बढ़ा कि सोनम ने निखिल को छोड़ दिया और वह लक्ष्मी और दुर्गेश के घर आ गई।

आरोपी ने बताया कि मंगलवार दोपहर को वह दुर्गेश के घर सोनम से बातचीत करने पहुंचा था। सोनम से वहां रहने के लिए मना कर रहा था। सोनम के मना करने पर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। उसने सोनम की गला रेतकर हत्या कर दी। बाद में उसने दुर्गेश से बदला लेने के लिए उसकी छह माह की बच्ची को भी मौत के घाट उतार दिया। वारदात में इस्तेमाल सर्जिकल ब्लेड भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने बुधवार को सोनम और मासूम यशिका का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया है।

उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि सबसे पहले वजीराबाद में रहने वाले आरोपी निखिल के पिता और भाई से पूछताछ की गई। हल्द्वानी पहुंचने पर पुलिस ने उसके दोस्तों से पूछताछ की तो पता चला कि आरोपी अपने दोस्तों से रुपये मांग रहा है। वह नेपाल भागने की फिराक में है। एक दोस्त ने जानकारी दी कि आरोपी टंकपुर के पास बनबसा बॉर्डर से निकलेगा। टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी की लोकेशन का पता कर पुलिस ने हल्द्वानी से आरोपी को दबोच लिया।

निखिल मूलरूप से अल्मोड़ा का रहने वाला है जबकि सोनम नैनीताल की रहने वाली है। वर्ष २०२३ में एक कार्यक्रम के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए। दोनों एक साथ हल्द्वानी में रहने लगे। सोनम गर्भवती हुई और बिना शादी के उसने एक बच्चे को जन्म दिया।

सामाज के डर से दोनों बच्चे को अपनाना नहीं चाहते थे। दोनों ने सहमति से दो लाख रुपये में किसी परिवार को अपना बच्चा बेच दिया। इसके बाद दोनों दिल्ली के वजीराबाद आ गए। कुछ समय यहां लिवइन में रहने के बाद यह मजनू का टीला शिफ्ट हो गए निखिल ने रेस्तरां में काम करना शुरू कर दिया। निखिल के माता-पिता के बीच तलाक हो चुका था। निखिल की मां ने अल्मोड़ा में दूसरी शादी कर ली थी। पिता दिल्ली के वजीराबाद आ गया और ड्राइफ्रूट काम का शुरू कर दिया।

सरकारी स्कूलों की सभी कक्षाओं में अनिवार्य होगा अंग्रेजी सेक्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। सरकारी स्कूलों की सभी कक्षाओं में बच्चे अब अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई करते दिखाई देंगे। शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ से सभी कक्षाओं के लिए अंग्रेजी माध्यम का सेक्शन अनिवार्य होगा।

शिक्षा निदेशालय ने सरकारी स्कूल प्रमुखों को सभी कक्षाओं में कम से कम एक सेक्शन अंग्रेजी माध्यम के रूप में संचालित करने के लिए निर्देशित किया है। यह व्यवस्था शैक्षणिक सत्र २०२५-२६ से ही लागू होगी। क्षेत्रीय भाषाओं को छोड़कर सभी विषय अंग्रेजी में पढ़ाए जाएंगे। इसमें दाखिला छात्रों की इच्छा और योग्यता के अनुसार किया जाएगा। सर्वोदय स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम में कक्षाएं चलती हैं। अब शिक्षा निदेशालय ने इस सत्र से सभी कक्षाओं के लिए एक अंग्रेजी माध्यम में सेक्शन को अनिवार्य किया है।

निदेशालय का मानना है कि अंग्रेजी माध्यम में सेक्शन होना आवश्यक है। ऐसे में स्कूल प्रमुखों को निर्देश जारी कर कहा गया है कि प्रत्येक कक्षा में कम से कम एक सेक्शन अंग्रेजी माध्यम के रूप में नामित किया जाना चाहिए। स्कूल इस सेक्शन के लिए पर्याप्त शिक्षण अधिगम सामग्री अंग्रेजी में उपलब्ध कराएंगे। निदेशालय ने सभी जिला और क्षेत्रीय अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे इसके कार्यान्वयन की निगरानी करें। जहां भी आवश्यक हो, स्कूलों को आवश्यक सहायता प्रदान करें। निदेशालय ने दिशा-निर्देशों में वर्ष २०१४, व २०१८ में दिए गए निर्देशों का हवाला दिया है। वर्ष २०१४ में सभी स्कूल प्रमुखों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि सत्र २०१४-१५ से कक्षा पांचवीं में अंग्रेजी माध्यम का कम से कम एक सेक्शन शुरू किया जाएगा और अंग्रेजी माध्यम वाले सेक्शन में सामाजिक विज्ञान के लिए शिक्षण माध्यम अंग्रेजी होगा। निर्देशों के बाद निदेशालय ने पाया कि कुछ सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जहां कक्षा छठी के लिए कोई अंग्रेजी माध्यम सेक्शन नहीं है।

भारी बारिश के बावजूद जलभराव नहींः सत्या शर्मा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह,स्थायी समिति की अध्यक्षा सत्या शर्मा एवं नेता सदन प्रवेश वाही ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम की मुख्य विपक्षी पार्टी आम आदमी पार्टी ने आज सदन की बैठक में बार बार व्यवधान डाल कर दिल्ली की जनता की भलाई के कामों को रोकने की भरपूर कोशिश की।

सरदार राजा इकबाल सिंह ने कहा कि महीने में एक बार होने वाली सदन की बैठक जन सरोकार से जुड़े मुद्दे उठाने का एक अच्छा अवसर होती है लेकिन आम आदमी पार्टी और जनता की भलाई का दूर दूर तक कोई नाता नहीं है। आम आदमी के पार्षदों का बार बार सदन की बैठक में व्यवधान उत्पन्न करना दर्शाता है कि आप पार्टी का एकमात्र कार्य नकारात्मक राजनीति है।

स्थायी समिति की अध्यक्षा सत्या शर्मा ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी सदन की बैठक चलाने के पक्ष में नहीं थी। उन्होंने कहा कि मिंटो रोड पर कल की बारिश से पानी नहीं भरा था जहां सबसे पहले पानी भरता था और आम आदमी पार्टी की बौखलाहट साफ दिखाई दे रही थी जिसकी वजह से आम आदमी पार्टी ने सदन की बैठक नहीं चलने दी। सत्या शर्मा ने कहा कि दिल्ली में हुई भारी बारिश के बावजूद भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। उन्होंने कहा कि दिल्ली नगर निगम का प्रशासन जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

एक नजर

दो लापता किशोरियों को परिवार से मिलवाया

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने ऑपरेशन मिलाप के तहत लापता दो किशोरियों को सकुशल तलाशकर उनके परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल २५ फरवरी को बवाना इलाके से एक किशोरी लापता हुई थी। इंस्पेक्टर विरेन्द्र कुमार के निर्देशन में पुलिस टीम ने किशोरी के परिजनों,रिश्तेदारों और जानकारों से पूछताछ की। कई संदिग्ध फोन को सर्वलांस पर लगाया गया। ह्यूमैन सॉर्स की सहायता ली गई। काफी मशक्कत के बाद पीडिघ्ता को सेलाकुई, उत्तराखंड से सकुशल तलाशकर उसके परिजनों को सौंप दिया गया। जाँच से पता चला कि पीडिघ्ता का अपहरण लगभग १९-२० वर्ष की आयु के एक संदिग्ध ने किया था, जिसकी मुलाकात पीडिघ्ता से दिल्ली की एक फैक्ट्री में काम करने के दौरान हुई थी। संदिग्ध द्वारा बार-बार मोबाइल फोन और सिम कार्ड बदलने के कारण पीडिघ्ता का पता लगाने में देरी हो रही थी। जबकि पिछले साल २५ अगस्त से हैदरपुर से लापता एक किशोरी को एसीपी अशोक शर्मा की देखरेख में इंस्पेक्टर मुकेश के नेतृत्व में पुलिस टीम ने काफी मशक्कत के बाद आदर्श नगर रेलवे स्टेशन के पास से सकुशल बरामद किया गया। पूछताछ करने पर पता चला कि वह स्वेच्छा से अपना घर छोडकर गई थी क्योंकि उसके पड़ोस के एक लडके के साथ संबंध थे। कथित तौर पर, उसके परिवार की कठोर प्रतिक्रियाओं ने उसे भागने पर मजबूर कर दिया था।

विक्रांत मैसी की 'व्हाइट' कोलंबिया में होगी शूट

नई दिल्ली। विक्रांत मैसी अब एक बेहद खास और चुनौतीपूर्ण किरदार में नजर आने वाले हैं। वो आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की बायोपिक 'व्हाइट' में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ आनंद और महावीर जैन कर रहे हैं, जबकि निर्देशन मंटू बासी के हाथों में है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट की तैयारी पिछले एक साल से चल रही है और अब मेकर्स अगस्त २०२५ में इसकी शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। हाल ही में यह खुलासा हुआ है कि फिल्म के लिए 'नारकोस' जैसी इंटरनेशनल वेब सीरीज की प्रोडक्शन टीम को भी साथ जोड़ा गया है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म का प्लॉट श्री श्री रविशंकर के जीवन से जुड़ा जरूर है, लेकिन इसकी पृष्ठभूमि कोलंबिया के 52 साल पुराने सिविल वॉर पर आधारित होगी। टीम असली लोकेशनों पर शूटिंग करेगी और उसी अनुभवी क्रू के साथ काम करेगी जिसने 'नारकोस' जैसी ग्लोबली हिट सीरीज पर काम किया है। 'व्हाइट' को पूरी तरह इंटरनेशनल टच देने की कोशिश की जा रही है। फिल्म के लगभग 90% हिस्से की शूटिंग कोलंबिया में होगी और इसे एक ही शेड्यूल में पूरा करने की प्लानिंग है। बाकी बचे हिस्सों की शूटिंग मुंबई के स्टूडियो में होगी। क्रू में शामिल टेक्निकल और प्रोडक्शन टीमें पहले भी इंटरनेशनल लेवल के प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकी हैं, जिससे यह प्रोजेक्ट ग्लोबल स्केल पर खरा उतर सके।

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन समेत 10 नेता बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पिछले साल अप्रैल २०२४ में चुनाव आयोग के बाहर विरोध प्रदर्शन के मामले में टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन समेत सभी १० लोगों को बरी कर दिया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने आरोप मुक्त करने का आदेश पारित किया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने आरोप मुक्त करने का आदेश पारित किया। इससे पहले १३ मई को राउज एवेन्यू कोर्ट ने डेरेक ओ ब्रायन, सागरिका घोष और साकेत गोखले सहित १० टीएमसी नेताओं को जमानत दे दी थी। अदालत ने ८ अप्रैल, २०२४ को चुनाव आयोग के बाहर विरोध प्रदर्शन से संबंधित मामले में टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, डोला सेन, साकेत गोखले, सागरिका घोष, विवेक गुप्ता, अर्पिता घोष, डॉ. शांतनु सेन, अबीर रंजन बिस्वास, सुदीप राहा को समन जारी किया था। इन सभी पर चुनाव आयोग के प्रदर्शन करने और धारा १४४ का उल्लंघन करने का आरोप था। बता दें कि पुलिस ने आरोप लगाया था कि पिछले वर्ष ८ अप्रैल को आरोपियों ने भारतीय चुनाव आयोग के मुख्य द्वार के बाहर एकत्र हुए और बिना किसी अपेक्षित अनुमति के तथा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा १४४ लागू होने के बावजूद हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

विधानसभा में संगोष्ठी आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा ने आज "१९११-१९४६ के पूर्व- स्वतंत्रता भारत की संसदीय प्रणालियाँ और स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय प्रतिनिधियों की भूमिका" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस संगोष्ठी में देश के प्रतिष्ठित विद्वानों, शिक्षाविदों एवं सार्वजनिक बुद्धिजीवियों ने भाग लिया और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को सुदृढ़ बनाने वाली विधायी परंपराओं तथा वैचारिक आधारों पर संवाद किया। औपनिवेशिक प्रतिबंधों के बीच भी भारतीय विधायकों ने जिस राजनीतिक परिपक्वता और नैतिक स्पष्टता का परिचय दिया, वह स्वतंत्र भारत की संसदीय नींव बन गई।" मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व सांसद, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के पूर्व अध्यक्ष तथा रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी के उपाध्यक्ष विनय सहस्रबुद्धे ने अपने संबोधन में आज यह बात कही।

उन्होंने आगे कहा कि भारत की लोकतांत्रिक चेतना किसी उपनिवेशी व्यवस्था की देन नहीं, बल्कि इसकी जड़ें भारत की हजारों वर्ष पुरानी संवाद, असहमति और विमर्श की परंपरा में हैं। उन्होंने विठ्ठलभाई पटेल और भगत सिंह जैसे नेताओं के योगदान का स्मरण करते हुए संस्थागत जवाबदेही और लोकतांत्रिक आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। राम बहादुर राय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष, ने दिल्ली विधानसभा के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि प्रारंभिक संसदीय इतिहास को पुनः स्मरण करना हमारे लोकतांत्रिक मानस को समृद्ध करता है। लाल- बाल- पाल की वैचारिक त्रयी के साथ अरविंदो के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, "उनकी चेतना की अग्नि लंदन तक पहुंचीख्रयह हमारी स्वतंत्रता की वैश्विक प्रतिध्वनि थी।" श्री राय ने पंडित मदन मोहन मालवीय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी ६ फरवरी १९१९ को रॉलेट एक्ट के विरोध में दी गई ५ घंटे की ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख किया।

मिंटो ब्रिज के नीचे नहीं भरा पानी

नई दिल्ली। दिल्ली की बारिश हो और मिंटो ब्रिज के नीचे कई फुट पानी न भरा हो ऐसा हो नहीं सकता। लेकिन इस बार दिल्ली के लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने बुधवार को राजधानी के सबसे प्रसिद्ध मानसून जाम - मिंटो ब्रिज अंडरपास - से एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिससे पता चला कि वहाँ कोई जलभराव नहीं था। मंत्री प्रवेश वर्मा का यह औचक निरीक्षण बुधवार शाम दिल्ली में हुई भारी बारिश के बाद हुआ। उनके कार्यालय द्वारा साझा किए गए वीडियो में, वर्मा अंडरपास से गुजरते यातायात को दिखा रहे हैं। वह वीडियो में कहते हैं कि दिल्ली में मानसून का स्वागत है।

एससीडीएल करेगी करियर ग्रोथ पर सेमिनार

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। सिम्बायोसिस सेंटर फॉर डिस्टेंस लर्निंग (एससीडीएल)अपनी सिल्वर जुबली पर नई दिल्ली में करियर ग्रोथ पर सेमिनार व अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन करेगी। इस दौरान करियर मेंटर अंकुर वारीकू का एक्सक्लूसिव सेमिनार आयोजित किया जाएगाख् जिसमें वह करियर बनाने के लिए जरूरी बातें और अपनी सलाह साझा करेंगे। इसके अलावा एचआर और बिजनेस समुदाय के लोगों को सम्मानित किया जाएगा। सेमिनार में एससीडीएल के पुराने छात्र, नए छात्र, उद्योग जगत के लीडर्स और खास मेहमान शामिल होंगे, और सीखने, नेटवर्किंग और सम्मान पाने का मौका मिलेगा। अंकूर वारीकू का यह प्रेरणादायक सेशन इस बात पर होगा कि एक सार्थक करियर बनाने के लिए क्या-क्या जरूरी है। वह बदलती दुनिया में प्रासंगिक बने रहने के तरीके और खुद को लगातार बेहतर बनाने की रणनीतियां बताएंगे। साथ ही अपने व्युक्तिगत और पेशेवर लक्ष्यों को एक दिशा में लेकर एक संतुष्टिपूर्ण सफर तय करने के टिप्स भी देंगे।

दिल्ली विधानसभा में संसदीय प्रणालियाँ व स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय प्रतिनिधियों की भूमिका विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते विस अध्यक्ष बिजेंद्र गुप्ता।

टैलेंट हंट में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल में फरीदाबाद टैलेंट हंट का आयोजन किया। इस अवसर पर फरीदाबाद, पलवल और होडल के 235 बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान बच्चों ने अपनी विभिन्न प्रतिभाओं को सबके समक्ष प्रस्तुत किया। 6 जुलाई को इसका गैंड फिनाले आयोजित किया गया। इसमें 51 बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी। मशहूर म्यूजिशियन विक्की सहारिआ, राजकुमार गुप्ता भरतनाट्यम डांसर और मौशमी साहू क्लासिकल एंड भरतनाट्यम डांसर ने बच्चों की प्रतिभा को जज किया।

इस अवसर पर एशियन अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर व चेयरमैन पद्मश्री डॉ. एन.के. पांडे और उनकी अर्धांगिनी पद्मा पांडे, एशियन अस्पताल के डायरेक्टर अनुपम पांडेय, नेहा पांडेय, डॉ. प्रशांत पांडे, डॉ स्मृति पांडे और शैलेश झा ने सभी बच्चों को पुरस्कृत किया। इस प्रतियोगिता में 6 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों को प्रथम श्रेणी में, 9 से 11 वर्ष के बच्चों को दूसरी श्रेणी में, 12 से 15 वर्ष के बच्चों को तीसरी श्रेणी में और 16 से 19 साल के बच्चों को चौथी श्रेणी में रखा गया। इनमें से 51 बच्चों को ग्रैंड फिनाले के लिए चयनित किया गया। नन्हें प्रतिभागियों ने बड़ी ही सुंदरता से डांस, गाने, और गिटार प्ले किया। इसके अलावा अपनी प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न संदेश भी दिए।

मजलिस पार्क में एंकाउंटर कर धरा बदमाश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। मजलिस पार्क इलाके में बीती रात नॉर्थ वेस्ट एएटीएस पुलिस ने जहांगीरपुरी इलाके में फायरिंग और हत्या की कोशिश की वारदात में वांछित बदमाश नितिन उर्फ चोर के बाएं पैर में गोली मारकर उसे काबू किया। जबकि उसकी गोली से पुलिसकर्मी बाल बाल बच गया।

पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से पिस्टल,दो कारतूस के खोल ,बाइक व फोन बरामद किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जहांगीरपुरी इलाके में दबदबा बनाने के लिए आरोपी ने पीड़ित पर हमला किया था। बीते चार जुलाई को जहांगीरपुरी इलाके में मोहम्मद अजहरुद्दीन को बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया था। जिसको चाकू के कई वार कर रखे थे। पता चला कि वारदात वाली जगह पर आरोपियों ने फायरिंग भी की थी। पीड़ित मो. अजहरुद्दीन से पता चला कि कि शाम करीब पौने सात बजे, वह और उसका दोस्त ताहिर संडे बाजार रोड, ई-ब्लॉक, जहांगीर पुरी के पास समोसे खाने जा रहे थे। गली नंबर ८०० में मोटरसाइकिल पर इंतजार करते हुए, ताहिर समोसे खरीदने के लिए आगे बढ़ा।

अचानक, गली नंबर ७०० के पास एक संकरी गली से चार लडके आए। उनमें से दो की पहचान ई-ब्लॉक, जहांगीर पुरी के रहने वाले शिवम उर्फ लड्डू उर्फ मोनू (एक देसी पिस्तौल के साथ) और नितिन उर्फ चोर (चाकू के साथ) के रूप में हुई। दो अज्ञात थे, लेकिन टकराव पर उनकी पहचान की जा सकती है। बिना किसी उकसावे के, नितिन ने उसपर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके दाहिने हाथ और बाएं जांघ पर कई चोटें आईं। जब उसने भागने की कोशिश की, तो शिवम ने गोली चला दी और चारों ने उसे जान से मारने की धमकी देते हुए उसका पीछा किया था। पुलिस ने मामला दर्ज किया। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिनसे नितिन उर्फ चोर के बारे में भी पता चला। बीती रात एएटीएस को आरोपी नितिन उर्फ चोर के मजलिस पार्क इलाके में आने की जानकारी मिली थी। एसीपी रणजीत ढाका की देखरेख में इंस्पेक्टर जितेन्द्र तिवारी के निर्देशन में पुलिस एसआई रवि सैनी, एसआई आकाशदीप, एएसआई किरण पाल, विनोद कुमार, हेड कांस्टेबल प्रदीप,परविंदर, परवीन, कमल, कांस्टेबल शुभम और महिला कांस्टेबल डॉली को आरोपी को पकडने का जिम्मा सौंपा गया। रात करीब तीन बजकर पचास मिनट पर पुलिस टीम ने मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के पास शाह आलम बैंड मार्ग पर घेराबंदी की। बाइक आते हुए आरोपी को रुकने का इशारा किया। भागने की कोशिश में आरोपी ने पुलिस टीम पर अचानक से फायरिंग शुरू कर दी।

बैटल ऑफ गलवान में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

नई दिल्ली। फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर बड़ा ऐलान सामने आया है। डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने बताया है कि इस मैच अवेटेड वॉर ड्रामा फिल्म में चित्रांगदा सिंह को सलमान खान के अपोजिट फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। भारत-चीन बॉर्डर पर हुई सच्ची घटनाओं पर आधारित यह फिल्म पहली बार होगी जब सलमान और चित्रांगदा एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। बैटल ऑफ गलवान' में चित्रांगदा सिंह की एंट्री को लेकर डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने खुशी जाहिर करते हुए कहा' कि उनका टैलेंट और स्क्रीन प्रेजेंस इस किरदार के लिए एकदम परफेक्ट है। अपूर्व ने कहा, मैं हमेशा से चित्रांगदा के साथ काम करना चाहता था, खासकर जब मैंने उन्हें शहजारों खघ्वाहिशें ऐसीश और शबॉब बिस्वासश में देखा। हमें बेहद खुशी है कि वो 'बैटल ऑफ गलवान' की कास्ट का हिस्सा बन रही हैं। वह अपने किरदार में एक अनोखा मेल लेकर आती हैं ख्र एक तरफ फेमिनाइन साइड और दूसरी तरफ मजबूती, जो सलमान सर के गंभीर लेकिन शांत पर्सनेलिटी के साथ शानदार तालमेल बिठाएगी।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 109-110, प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎011-41509401-2
फैक्सः 011-41509403
मुख्यालय मोबाइल 9720007290
R.N.I. NoDEL.HIN./2002/8501
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

भारत माँ के चार सिपाही
हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई
देश को मज़बूत बनाना है तो
भाईचारा मज़बूत बनाएं

फैसल कुरैशी

भाई मेहरबान
अध्यक्षः भाईचारा समिति
दिल्लीप्रदेश 9810024415

'रन फॉर ग्रीन गाजियाबाद' मैराथन 'ग्रीनाथॉन' का 27 जुलाई को जीडीए करेगा आयोजन

27 जुलाई को जीडीए के साथ दौड़ेगा गाजियाबाद

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। प्रदेश सरकार के द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में लगातार उठाए जा रहे कदमों के बीच पर्यावरण के प्रति लोगों मे जागरूकता लाने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण 27 जुलाई को मैराथन का आयोजन करेगा। 28 जुलाई को चूंकि विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस है, इसको ध्यान मे रखते हुए एक दिन पहले मैराथन 'ग्रीनाथॉन' की थींम 'रन फॉर ग्रीन गाजियाबाद' रखा गया है। इस मैराथन से प्रत्येक उम्र के लोग जुडे सकें इसके लिए इसे चार अलग श्रेणियों में रखा गया है, अर्थात 21.1 किलो मीटर,10 किलो मीटर, 5 और 3 किलो मीटर फन रन।

इस मैराथन की शुरुआत सिटी फारेस्ट से की जाएगी, एलीवेटेड रोड होते हुए मार्ग तय किया गया है। इस दिवस पर हिंडन नदी के किनारे वृक्ष भी लगाए जाएंगे। मैराथन में हिस्सा लेने वालों को टी शर्ट, मैडल तथा सार्टिफिकेट भी उपलब्ध कराए जाएंगे। प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने बताया कि पिछले कुछ समय में एनसीआर में वायु प्रदूषण की समस्या बढ रही है।

ऐसे में महसूस किया कि समय की सबसे बड़ी आवश्यकता पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की है, इसी का देखते हुए प्राधिकरण के द्वारा मैराथन के आयोजन का निर्णय लिया गया है, ताकि समाज के हर वर्ग की इसमें भागेदारी सुनिश्चित हो सकें।

उन्होंने जोर दिया कि इस मैराथन में किसी भी संस्था, आरडब्लूए एवं दूसरे संगठनों के द्वारा भी भागेदारी सुनिश्चित की जा सकती है। प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने बताया कि इस मैराथन में विजेताओं को नगद धनराशि से भी सम्मानित किया जाएगा, 21.1 किलो मीटर मैराथन में विजेता महिला एवं पुरुषों को 21 हजार की धनराषि से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ साथ प्रथम रनर को 11 हजार एवं द्वितीय रनर को 5100 रूपए एवं 10 किलो मीटर की मैराथन में विजेता महिला एवं पुरुषों को 11 हजार एवं प्रथम रनर को 5100 और द्वितीय रनर को 3100 एवं 5 किलो मीटर की मैराथन में विजेता महिला एवं पुरुषों को 5100 तथा प्रथम रनर को 3100 और द्वितीय रनर को 2100 नगद धनराशि से सम्मानित किया जाएगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिन पर दी बधाई व शुभकामनाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। देश के केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के जन्मदिन पर उनके निवास पर पहुंचकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दी। अधिवक्ता सरदार सिंह भाटी पूर्व डिप्टी मेयर, पार्षद रवि भाटी, पार्षद कालीचरण पहलवान, सोमनाथ चौहान, मुकेश, शहजाद एवं अन्य कार्यकर्ताओ को राजनाथ सिंह का आर्शीवाद प्राप्त किया तथा सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

सीएचसी मोदीनगर में क्षय रोगियों के पोषण व सहयोग के लिए गोद लेने का कार्यक्रम सम्पन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

मोदीनगर। मोदीनगर साम. ुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्थित टीबी इकाई में आज एक विशेष गोद लेने कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य क्षय रोगियों को पोषण सहायता एवं सामा. जिक सहयोग प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 50 क्षय रोगियों को विभिन्न संस्थाओं एवं व्यक्तियों द्वारा गोद लिया गया।

30 क्षय रोगियों को 'माँ अनुपी छोटी देवी सेवा फाउंडेशन' द्वारा गोद लिया गया, 10 क्षय रोगियों को श्रीमती सुमन चौधरी द्वारा, 5 क्षय रोगियों को

डॉ. दिनेश कुमार द्वारा व 5 क्षय रोगियों को डॉ. ऋतु कुमार द्वारा गोद लिया गया।

कार्यक्रम के दौरान गोद लेने वाले सभी व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया एवं उन्हें क्षय रोगियों के स्वास्थ्य, पोषण एवं उपचार संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें 15 लोगो ने रक्तदान किया। इस अवसर पर डॉ दिनेश, डॉ विक्रांत, करनपाल, राकेश, दिनेश व अन्य लोग उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा के उत्सव पर डॉ. पवन सिन्हा 'गुरुजी' ने साधकों को किया संबोधित

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। हिसाली गाँव में डॉ. पवन सिन्हा 'गुरुजी' के दिव्य सान्निध्य में बड़े हर्षोल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाया गया। गुरु-शिष्य परंपरा का यह उत्सव गुरुपूर्णिमा सनातन संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है और प्रत्येक अषाढ़ मास की पूर्णिमा को व्यास (गुरु) पूर्णिमा के रूप में मनाने की परम्परा रही है। इस दिन गुरु की पूजा का विधान है, क्योंकि गुरु बिन ज्ञान नहीं और गुरु हमारे जीवन के समस्त अंधकार को दूर कर सौभाग्य तथा श्री का प्रकाश फैलाते हैं। जीवन के इस महोत्सव का शुभारम्भ करते हुए परमपूज्य डॉ. पवन सिन्हा 'गुरुजी', डॉ. कविता अस्थाना और गुरुपुत्र आस्तिक सिन्हा अस्थाना ने गुरुमहाराज कुटीर में गुरुमहाराज स्वामी रामकृष्ण परमहंस, शारदा देवी और स्वामी विवेकानन्द जी का तिलक वंदन किया और अपने भाव सुमन अर्पित किए। देश भर से आए साधकों ने भजन और वाद्य यंत्रों के मधुर संगीत पर नृत्य भी किया। गुरुपूर्णिमा के इस शुभ दिवस एवं श्रावण माह के आरंभ पर युवा अभ्युदय मिशन द्वारा प्रकृति को समर्पित 'धरासेवा- शिवसेवा' का भी शुभारंभ हुआ जिसमें गुरुजी, गुरुमाँ एवं गुरु परिवार के सभी सदस्यों ने फलदार एवं छायादार वृक्षारोपण भी किया। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी देश के अलग-अलग हिस्सों में समस्त आश्रम परिवार, साधकगणों ने वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया।

मोदी कॉलेज में पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

मोदीनगर। डॉ के के मोदी कॉलेज के एन सी सी कैडेट, स्काउट एवं छात्रों ने विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण के लिए जीवनशैली का अनुकरण करने का संदेश दिया। इस दौरान जामुन, इमली, आँवला, अमरूद, नीम, अर्जुन, सीसम अशोक आदि विभिन्न प्रजातियों के 156 पौधे लगाये गए। इस अवसर पर कॉलेज प्रधानाचार्य डॉ सतीश चन्द अग्रवाल, 35 यू पी वाहिनी एन सी सी मोदीनगर के कमान अधिकारी कर्नल पी के सिंह, आर के सिंह, एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर, लेफ्टीनेंट राजीव जांगिड़, राजीव सिंह, सूबेदार मेजर नरध्वज थापा हवलदार पंकज छेत्री ,एन सी सी कैडेट शिवाशु यादव, पुस्कर, श्याम, यश बैसोया, निकुंज शर्मा, ध्रूव चौधरी, एवं छात्रों का विशेष योगदान रहा।

लोकप्रिय अस्पताल के प्रबंधक डॉ. अविनाश शर्मा को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर लोकप्रिय अस्पताल के प्रबंधक डॉ. अविनाश शर्मा को उनके परम शिष्य राकेश कुमार प्रजापति डॉ. लाल, पैथलैब ने चुन्नी सोल और शील्ड देकर सम्मानित किया और उनका शुभ आशीर्वाद लिया उन्होंने सूक्ष्म शब्दों में उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए अपना आशीर्वाद दिया। इस शुभ अवसर पर उनका स्टाफ भी उपस्थित रहा इसके साथ-साथ परम मित्र डॉक्टर सुभाष तोमर मुकेश प्रजापति अमित बरनवाल उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया।

संगठन विस्तार व दिशा निर्धारण पर हुआ व्यापक संवाद

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। नंदग्राम स्थित एसबीएन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल की एक बैठक का आयोजन किया गया। जहा पर आगामी कार्यक्रमों, विस्तार योजनाओं और नई नियुक्तियों को लेकर दिशा- निर्देश देना था। अध्यक्षता सेवादल जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा ने की पश्चिम जोन उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अनिल देव त्यागी ने सेवादल के संगठन को पश्चिम उत्तर प्रदेश मे और मजबूत करने के दिशा निर्देश दिए।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रभारी अरविंद पाल ने संगठन के विस्तार और कार्यशैली को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। पश्चिम जोन उत्तर प्रदेश

कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड अध्यक्ष ऋषभ राणा भी उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सेवादल के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर यंग ब्रिगेड के महानगर अध्यक्ष भरत गुप्ता जी ने अरविंद पाल का भव्य स्वागत किया। बैठक में प्रमुख रूप से तरुन रावत महासचिव, पुष्पा रावत पूर्व कांग्रेस मेयर कैंडिडेट, दानिश सैफी, प्रेम प्रकाश चीनी, कादर मलिक, सैयद वली हसन, एन. के. यादव मोहम्मद इमरान, कपिल गुप्ता, यती माहेश्वरी, लेखराज त्यागी सहित कई समर्पित कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

बीमा पॉलिसी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच दबोचे

गाजियाबाद। साइबर क्राइम टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बीमा कंपनियों के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक बड़े साइबर फ्रॉड गैंग का खुलासा कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस गैंग ने देश के विभिन्न राज्यों में 44 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी को अंजाम दिया है। इस मामले का खुलासा करते हुए आज गुरुवार को पुलिस ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में रवि प्रताप, विकास कुमार, नवीन प्रताप, अनुज और गुंजन शामिल हैं। ये लोग खुद को बीमा कंपनियों के लोकपाल अधिकारी बताकर लोगों को फोन करते और पॉलिसी में अधिक लाभ दिलाने का झूठा लालच देकर उनके खातों से बड़ी रकम ट्रांसफर करवा लेते थे। पुलिस ने बताया कि इस गैंग का मुख्य कॉलर अनुज था, जो केवल 7वीं कक्षा तक पढ़ा हुआ है और जालौन का रहने वाला है। वह लोगों को बीमा में मुनाफा, बिटकॉइन खरीदने, ऑनलाइन टास्क पूरे कर पैसे कमाने और होटल बुकिंग जैसे झूठे बहाने देकर फ्रॉड करता था। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इन आरोपियों ने 24 अक्टूबर 2024 से 8 जून 2025 के बीच गाजियाबाद निवासी महीपाल बिष्ट से बीमा पॉलिसी में मुनाफा दिलाने के नाम पर 36 लाख रुपये की ठगी की। यहीं नहीं हैदराबाद निवासी नरसिम्हा से ऑनलाइन टास्क के बहाने 8 लाख रुपये और तमिलनाडु के वी. सर्वनन से होटल बुकिंग के नाम पर 35 हजार रुपये की ठगी की गई।

ब्राह्मण युवक- युवती परिचय सम्मेलन 13 जुलाई को

गाजियाबाद। दुर्गा वाशिंग पावडर के चेयरमैन प्रेमचंद गुप्ता ने बताया कि अगला ब्राह्मण युवक- युवती परिचय सम्मेलन 13 जुलाई दिन रविवार को होगा साथ ही उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि ज्यादा से ज्यादा फॉर्म भरवाए, जिससे कि रिश्ते ज्यादा से ज्यादा हो सके।

जीवन में गुरु का विशेष स्थान होता है: बीके शर्मा हनुमान

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने श्रीमत्परमहंस ब्रह्मनिष्ठ जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्लेडश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर के पीठाधीश्वर अनंत विभूषित महंत नारायण गिरी महाराज, अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चक्रपाणि महाराज के पावन सानिध्य में आशीर्वाद प्राप्त कर अपने आप को गौरवान्वित महसूस किया। बीके शर्मा हनुमान ने बताया की शास्त्रों के मुताबिक इस तिथि पर महाभारत के रचयिता वेद व्यास का जन्म हुआ था। इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दिन

गुरुजनों की उपासना और उनके प्रति आभार व्यक्त करने का विधान है। इसलिए इसी उपलक्ष्य में स्कूल, कॉलेज समेत सभी शैक्षणिक संस्थानों पर गुरुजनों को सम्मानित किया जाता है। दरअसल, हम सभी के जीवन में गुरु का विशेष स्थान होता है। इन्हीं के जरिए व्यक्ति जीवन जीने की कला और लक्ष्यों को पूरा करने का मार्गदर्शन पाता है। इसके अलावा गुरुजनों की सहायता से समय की अहमियत और कठिन समय की पीड़ा समझ आती हैं। यही नहीं गुरु ही सदैव हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। इसलिए उनके प्रति प्रेम, लगाव और सम्मान व्यक्त करने के लिए आज का दिन यानी गुरु पूर्णिमा का पर्व बेहद खास है।

अजीत राम की याद में आदरंजलि कार्यक्रम आयोजित

गाजियाबाद। बामसेफ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कांशीराम साहेब के निकट सहयोगी अजीत राम के लिए भारतीय लोकतांत्रिक समाज महासंघ के कार्यालय-213, माता कॉलोनी विजयनगर में आदरंजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अजीत राम का 8 जुलाई 2025 को लुधियाना के एक अस्पताल में लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया था। अजीत राम आजीवन एक निडर, कुशल संगठक, बेबाक एवं कर्तव्य के प्रति फुले अम्बेडकरी आंदोलन को समर्पित ईमानदार कार्यकर्त्ता रहे। आप बामसेफ के वालंटियर्स फोर्स के कमांडर, बामसेफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष, राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पदों पर एवं बामसेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे।

नेत्र शिविर व हीमोग्लोबिन टेस्ट शिविर का किया गया आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। भारत विकास परिषद मुख्य शाखा द्वारा सूरज प्रकाश (भारत विकास परिषद के संस्थापक) की जयंती पर सेवा पखवाड़े के अंतर्गत कुसुम गोयल डॉ. संतोष सरस्वती विद्या मंदिर राजनगर में 14 वर्ष से छोटे 318 बच्चों की आँखों का टैस्ट करवाया गया तथा बिस्कुट के पैकेट दिये व 14 वर्ष से बड़ी और 12वीं तक की 100 बालिकाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण किया गया व गुड़ चने का वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन साधना विश्नोई विकास मित्र शाखा महिला सहभागिता व देवेन्द्र विश्नोई शाखा सदस्य ने

किया। जिसमें मुख्य अतिथि इंदु वार्ष्णेय विकास रत्न क्षेत्रीय संयोजक महिला सहभागिता व पी. सी.गुप्ता विकास मित्र प्रान्तीय वित्त सचिव उपस्थित रहे। उन्होंने अपने अनुभव से महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। शाखा अध्यक्ष अक्षय भारद्वाज विकास मित्र व शाखा के अन्य सदस्यों की भी उपस्थिति रही।

मातृभूमि सेवा संघ ने चलाया भारतीय तिरंगा संरक्षण अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

मोदीनगर। मातृभूमि सेवा संघ मोदीनगर के पदाधिकारियों द्वारा बिशोखर रोड़ पर क्षतिग्रस्त तिरंगा को विभिन्न घरों एवं भवनों से उतारकर नियमानुसार डिस्पोज किया गया तथा सभी लोगों से तिरंगे के मान सम्मान के लिए विनम्र अपील भी की। ज्ञात हो कि मातृभूमि सेवा संघ लंबे समय से तिरंगे संरक्षण अभियान चला कर लोगों को जागरूक कर रहा है। इस संबंध में संगठन ने भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी से लेकर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री तक से नियम बनाने के लिए उपजिलाधिकारी के माध्यम से कई बार ज्ञापन भी दिया है। इस अभियान में विकास भारतीय, मोहित सोनी, नीरज शर्मा, खुशाल नेगी उपस्थित रहे।

सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में करियर दिशा-संधान कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

गाजियाबाद। करियर में सफलता केवल इच्छाशक्ति से नहीं, बल्कि सही योजना, मार्गदर्शन और जानकारी से संभव होती है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल में आज एक भव्य करियर दिशा-संधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गाजियाबाद-एनसीआर के विभिन्न विद्यालयों से 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय की प्रबंधन समिति की गरिमामयी उपस्थिति में रिबन काटकर हुआ। इस विशेष अवसर पर विशिष्ट अतिथि सीए (डॉ.) जी.एस. ग्रेवाल एवं अन्य माननीय अतिथिगण चितरंजन

चटोपाध्याय (मेम्बर काउंसिल ICMAI), सीए विभोर जिंदल एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की भी उपस्थिति रही।

विद्यालय के 30 से अधिक भूतपूर्व विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित करियर दिशा-संधान कार्यक्रम में 59 स्टॉल्स पर विभिन्न शैक्षणिक कोर्सेज के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। हर आवश्यक जानकारी को 'कोर्स, कॉलेज/यूनिवर्सिटी और संबन्धित एग्जाम' इन मुख्य भागों में विभाजित किया गया।

इनसे संबन्धित सरकारी व निजी संस्थानों की जानकारी, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आदि विषयों की व्यापक जानक. ारी प्रदान की गई। यह आयोजन पूरी तरह से सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा ही संचालित किया गया, जो इसे विशेष बनाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत न केवल विभिन्न निजी विद्यालयों अपितु सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठन 'सेवाभारती सेवाधाम' आदि संस्थानों के विद्यार्थी भी लाभान्वित हुए। विशिष्ट अतिथि सीए (डॉ.) जी.एस. ग्रेवाल ने शिक्षकों एवं छात्रों के प्रयास और उनके समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा की। यह करियर दिशा-संधान कार्यक्रम नि:संदेह छात्रों को उनके भविष्य की दिशा निर्धारित करने में अत्यंत लाभप्रद सिद्ध होगा। सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु ऐसे आयोजनों के माध्यम से सदैव अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

संबंध विच्छेद

मैं गीता देवी पत्नी राम अवतार निवासी- संगम विहार बी ब्लॉक म. नं- 272, लोनी थाना- लोनी बॉर्डर जिला- गाजियाबाद अपने पुत्र दीपक कुमार व पुत्रवधु खुशबू को गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखलकर सम्बन्ध विच्छेद करती हूँ। भविष्य में अपने कृत्यों के ये स्वयं जिम्मेदार होंगे।

संबंध विच्छेद

सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल मुस्ताक अहमद निवासी लोकप्रिय विहार खोड़ा कॉलोनी गाजियाबाद ने अपने पुत्र इरफान अहमद को उसके गलत आचरण के चलते अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में उसके प्रति मेरे मुवक्किल का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा।
रमेश कुमार एडवोकेट।

जलभराव पर मुख्यमंत्री ने जताई चिंता, अफसरों को दिए सख्त निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में बुधवार की शाम आई तेज बारिश के कारण विभिन्न इलाकों में हुए जलभराव पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नाराजगी और चिंता व्युक्त की है। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए किए हैं कि जलभराव रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि दिल्लीवासियों को मानसून के मौसम में परेशानी का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर संतोष व्युक्त किया कि भारी बारिश के बावजूद मिंटो रोड व आईटीओ चौराहे पर इस बार जलभराव नहीं हुआ। उन्होंने अफसरों को कहा कि इसी तरह की कार्यकुशलता उन्हें पूरी दिल्ली में दिखानी होगी। जलभराव व उससे उपजी परेशानी के निदान के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब के साथ पीडब्ल्यूडी, सिंचाई-बाढ़ नियंत्रण् विभाग व जलभराव के निपटारे से जुड़े विभागों के आला अफसरों के साथ विशेष बैठक बुलाई और कहा कि जलभराव के मसले में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों को बारिश के दौरान तुरंत व प्रभावी उपाय करने होंगे, ताकि जलभराव से उपजी परेशानियों पर समय रहते काबू पाया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़कों के किनारे बनी उन नालियों की तुरंत और निरंतर जांच करें, जिनसे पानी निकलकर सड़क का जलभराव खत्म करता है। जहां भी वे बंद या अवरुद्ध हों, वहां उन्हें तुरंत साफ करवाया जाए। उन्होंने छोटे नालों व नालियों की सफाई पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पानी के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कचरा प्रबंधन को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए और कहा सड़क किनारे, गलियों और नालों में पड़ा कूड़ा-कचरा जलभराव की स्थिति पैदा करता है। इन्हें लगातार हटाया जाए तो जलभराव पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह भी निर्देश दिए कि मॉनसून के दौरान जिन दिनों बारिश के आसार नहीं होते हैं, उन दिनों में भी वरिष्ठ अधिकारी उन् स्थलों का दौरा करें, जहां जलभराव की समस्या रहती है। वे इन इलाकों की सफाई करवाएं, वहां पानी की निकासी को चेक करें और उन बाधाओं को दूर करें जो जलभराव का कारण बन सकती हैं। अधिकारी जमीनी कार्रवाई को गति दे।

बांग्लादेशी दिन में मांगते थे भीखर, रात को करते थे वारदात , सात पकड़े गए

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस के विदेशी प्रकोष्ठ ने आपराधिक गतिविधियों में शामिल 7 बांग्लादेशियों को पकड़ा है। ये आरोपी दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे थे। ये रात को आपराधिक वारदात करते थे और दिन में भीख मांगते थे। इनके कब्जे से प्रतिबंधित आईएमओ एप से लैस ५ स्मार्ट फोन जब्त किए गए हैं।

इनकी पहचान फोइसल (१९) पुत्र ऐनुद्दीन, संजना (२६) पुत्र रतन मिया, फारिया पुत्र दिलवर ट्रांसजेंडर (२२), एमडी. रूही (२१) पुत्र एम.डी मनन, तोहा (२०) पुत्र इदरीश, लिटन उर्फ निखिल (३४) पुत्र इब्राहीम उर्फ आशु और अलाम. ीन (३३) पुत्र अकबर के रूप में हुई है।

एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड पर लगाया 50 हजार का जुर्माना

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली के होटलों की ओर से अवैध रूप से भूजल निकालने के मामले में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को सुनवाई से बचना भारी पड़ा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने डीजेबी पर ५०,००० हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही, आदेश दिया कि बोर्ड एक सप्ताह के अंदर जुर्माना एनजीटी बार एसोसिएशन के सचिव के पास जमा करेगा।

एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एनजीटी बार एसोसिएशन इस जुर्माना राशि का उपयोग दो महीने के अंदर बार रूम में रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण से संबंधित पुस्तकें खरीदने के लिए करेगा। यही नहीं, इसकी रसीद एनजीटी के महापंजीयक के पास जमा की जाएगी। पीठ में विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए सेंथिल वेल भी शामिल रहे। मामले की अगली सुनवाई १२ अगस्त को होगी। अदालत ने यह सख्त लहजा अपने पिछले आदेश की अवहेलना के लिए अपनाया है। दरअसल, २८ फरवरी, २०२४ को मामले में प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया था। ऐसे में मामले की सुनवाई बार-बार टलती रही और प्रतिवादियों को समय दिया गया। ऐसे में आवेदक शैलेश सिंह ने नया आवेदन दायर कर दिया, जो एनजीटी के पिछले आदेश के अनुपालन से जुड़ा है।

वहीं, २६ मार्च, २०२५ को सुनवाई के दौरान डीजेबी ने टालने की मांग करते हुए कहा कि उनके वकील किसी कारणवश मौजूद नहीं हो सकते। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने सुनवाई ७ जुलाई तक के लिए टाल दी।

आवेदक ने अदालत से गुहार लगाते हुए एक नई याचिका दायर की। इसमें उन्होंने अदालत से निवेदन किया कि भूजल के अवैध दोहन के चलते पर्यावरणीय क्षति के जोखिम के आधार पर जल्दी सुनवाई की मांग की। ऐसे में ७ जुलाई को सुनवाई के दौरान डीजेबी ने एक बार फिर अदालत को बताया कि उनके वकील मौजूद नहीं है।

कई अन्य देशों ने भी पुराने वाहनों को नियंत्रित करना शुरू किया

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। भारत में जहां १० साल पुराने डीजल और १५ साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर एनसीआर में प्रतिबंध लगाने की तैयारी है। दुनिया के अन्य जनसंख्या बहुल देशों चीन, अमे. रिका, इंडोनेशिया और नाइजीरिया समेत कई अन्य देशों ने भी इस दिशा में कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इनमें से कुछ देशों ने तकनीकी परीक्षण और आर्थिक दबाव के जरिये तो कुछ ने कानूनी रोक और जुर्माने के माध्यम से पुराने वाहनों को नियंत्रित करना शुरू किया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की वाहन स्क्रैपिंग और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ट्रेंड्स रिपोर्ट के अनुसार, कई देशों में पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों को सड़क से हटाने की प्रक्रिया तेज हो रही है।

यह नीतियां न केवल वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करेंगी, बल्कि हरित ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य को भी मजबूती देंगी। चीन के शहरों में तो सख्त प्रतिबंध है लेकिन ग्रामीण इलाकों में ढील है। चीन ने अपने बड़े और प्रदूषित शहरों जैसे बीजिंग, शंघाई, चोंगं. कंग, ग्वांगझोऊ, शेन्जेन हांग्जो में १० साल से पुराने डीजल वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। वहीं, १५ साल से पुराने पेट्रोल वाहनों के लिए सख्त परीक्षण और विशेष परमिट की जरूरत होती है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में यह नीति थोड़ी लचीली है, लेकिन २०३० तक चीन का लक्ष्य है कि देशभर से पुराने डीजल वाहनों को पूरी तरह हटाया जाए। अमेरिका में यह नीति राज्य स्तरों पर लागू है। संघीय स्तर पर अमेरिका में कोई निश्चित उम्र प्रतिबंध नहीं है, लेकिन प्रगतिशील राज्यों ने पुराने वाहनों को लेकर कड़े उत्सर्जन मानक तय किए हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब के साथ पीडब्ल्यूडी, सिंचाई-बाढ़ नियंत्रण विभाग के आला अफसरों के साथ बैठक कर निर्देश देते हुए।

भाई ने खर्चा देना किया बंद, तो कर डाली हत्या

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। न्यू उस्मानपुर इलाके में बड़े भाई ने छोटे को खर्चा देना बंद कर दिया तो उसने गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी कमरे पर ताला लगाकर फरार हो गया। ६ जुलाई को सड़ी-गली हालत में इदरीश (३५) का शव बरामद हुआ। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। छानबीन के दौरान मृतक का मोबाइल गायब मिला। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी को दबोच लिया। आरोपी की पहचान इरशाद आलम (२२) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू और इदरीश का मोबाइल बरामद कर लिया है।

उत्तर-पूर्वी जिला के पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि ६ जुलाई को न्यू उस्मानपुर इलाके में कुछ लोगों ने एक कमरे से दुर्गंध आने की सूचना दी थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे का ताला बंद था। अंदर तेज दुर्गंध थी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

कार्य का नाम	जींद, डीईई, एमटीसी, एसीसी/टीएल डीएलआई, केकेडीई और पीएनपी डिपो में प्री-कूलिंग सह बैटरी चार्जिंग (पीसीबीसी) पॉइंट्स की अनिवार्य सुविधा का उन्नयन।
निविदा संख्या	30-विद्युत-2टी-चक्र-2025-26
कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में)	2,85,41,275.00 रुपये
निविदा प्रपत्र की लागत	0.00 रुपये
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/चक्र/उत्तर रेलवे, नई दिल्ली।
बयाना राशि	रु. 2,92,700/-
कार्य पूरा होने की अवधि	06 महीने
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय	31.07.2025 को 15:00 बजे तक।
और निविदा खोलने की तिथि	31.07.2025 को 15:01 बजे
वेबसाइट और सूचना पट्ट	www.ireps.gov.in और वरिष्ठ डीईई/छोटा/ डीएलआई

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2085/2025

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के मेयर राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा और सेंट्रल जोन की अध्यक्ष योगिता सिंह के साथ मिलकर प्रसिद्ध राष्ट्रवादी नेता और विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी गणमान्य व्युक्ति फिरोजशाह कोटला मैदान के समीप और दिल्ली नगर निगम मुख्यालय, सिविक सेंटर में स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर एकत्र हुए, जहाँ उन्होंने सम्मान और स्मृति के प्रतीक के रूप में प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मेयर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय इतिहास में एक प्रमुख व्यु्क्ति थे, जिनके राष्ट्रवादी विचारों और सांस्कृतिक चेतना ने राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाई। उनके आदर्श और सिद्धांत पीढ़ियों को प्रेरित करते रहे हैं, और यह अवसर उनकी विरासत और योगदान को नमन करने का अवसर है। आज का यह कार्यक्रम उनकी स्मृति के लिए एक भावभीनी श्रद्धांजलि थी, जिसमें भारतीय समाज और राजनीति पर उनके स्थायी प्रभाव को उजागर किया गया।

अपराध के खिलाफ लड़ाई में जन सहयोग हमारा मजबूत हथियार: संयुक्त पुलिस आयुक्त

नई दिल्ली। शोले का एक डायलोग है,बेटा सो जा नहीं तो गब्बर आ जाएगा। यह डायलोग दिल्ली एनसीआर के बदमाशों पर बिल्कुल ठीक बैठता है। असल में साउथ रेंज अपराध शाखा ने जिस तरह से इस साल बदमाशों की गर्दनों को पकड़ा है। वो असल में काफी तारीफे के काबिल है। छह महीने की कड़ी कार्रवाई से जघन्य अपराध, डकैती, सडक अपराध और चोरी में भारी गिरावट आई है। बीते एक जनवरी से तीस जून के बीच इस टीम ने ४३ सौ से ज्यादा बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पीडिघ्तों के ६०९ चोरी हुए मोबाइल फोन का पता लगाकर उन्हें बरामद तक किया। २३ पिस्तौल, १४९ देसी तमंचे, २४१ कारतूस, २५० चाकू, २६२ किलो से यादा गांजा, ६.६ किलो चरस, १.३ किलो स्मैक, मेथाक्वालोन और अन्य सिंथेटिक प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किये। यहीं नहीं एक करोड़ से ज्यादा नकद, सोना, हीरे और चोरी के घरेलू सामान बरामद। ४२१ से ज्यादा अवैध प्रवासियों की पहचान की गई और उन्हें निर्वासित किया गया। ३५० से ज्यादा चोरी हुए वाहनों का पता लगाया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त/दक्षिणी रेंज एस. के. जैन ने कहा कि गरुड़, वज्र, शस्त्र और निश्चय जैसे केंद्रित अभियानों के माध्यम से, हमने किसी भी रूप में अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता दिखाई है। ये कार्रवाई कानून का पालन करने वाले नागरिकों की सुरक्षा, चोरी की संपत्ति की बरामदगी और शहर में सक्रिय आपराधिक तत्वों के खिलाफ हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एएसआई को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस के सहायक उप निरीक्षक को द्वारका में सब्जी विक्रेता से दुकान चलाने की अनुमति देने के लिए रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार किया है। एएसआई सुभाष चंद्र और हेड कांस्टेबल ओमवीर लांबा ने दुक. ानदार से उसे और उसके दोस्त से बाजार में कारोबार की अनुमति देने के लिए ५०,००० रुपये की घूस मांगी थी। दोनों ने ५,००० से १०,००० रुपये मासिक रिश्वत की भी मांग की थी।

मेयर राजा इकबाल सिंह दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा व सेंट्रल जोन की अध्यक्ष योगिता सिंह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

बांग्लादेशियों का भारत में विवाह बना जी का जंजाल

नई दिल्ली। बांग्लादेशी युवकों का भारत में शादी करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए जी का जंजाल बन गया है। बांग्लादेशी पुरुषों को डिपोर्ट कर दिया गया है, मगर उनका परिवार भारत में ही रह गया है। ऐसे में परिवार के सामने संकट खड़ा हो गया है। अभी तक जितने भी बांग्लादेशी यहां पकड़े गए हैं वह सभी पॉपुलर मैसेजिंग एप आईएमओ से बांग्लादेश में बात करते मिले हैं। यह एप भारत में प्रतिबंधित है। ऐसे में भारत में रह रहे बांग्लादेशी देश की सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ कर रहे थे।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दक्षिण जिला पुलिस ने छह जून को सुलेमुद्दीन को बांग्लादेश डिपोर्ट किया था। वह भारत में अवैध रूप से रहा था। सुलेमुद्दीन ने दिल्ली में आकर भारतीय लड़की से शादी कर ली थी। उसके छह बच्चे हैं।

सुलेमुद्दीन को तो बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया है, मगर उसकी पत्नी व बच्चे लाल कुंआ में रह रहे हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सुलेम. ुद्दीन को दूसरी बार बांग्लादेश डिपोर्ट किया गया है। दिल्ली पुलिस ने सैदुल को मार्च महीने में डिपोर्ट किया। सैदुल ने भारतीय लड़की से शादी की है। उसके चार बच्चे हैं। सैदुल की पत्नी व बच्चे निजाम नगर, निजामुद्दीन में रहता है। सैदुल के परिवार के सामने परिवार को चलाने का संकट पैदा हो गया है। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस तरह के कई केस सामने आ चुके हैं।

श्री श्री खाटू श्याम सेवा समिति की वार्षिक कार्यकारिणी बैठक संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। श्री श्री खाटू श्याम सेवा समिति ने रोहिणी के सेक्टर 14 स्थित सियाल किचन में अष्टम श्री कृष्ण जन्माष्टमी नंदोत्सव 2025 की वार्षिक कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समिति द्वारा वर्ष भर में किए गए कार्य व आयोजनों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर चेयरमैन हरीश शर्मा, वाइस चेयरमैन संजय मित्तल, चेयरमैन कंट्रोल बोर्ड जय किशन बंसल, अध्यक्ष कंट्रोल बोर्ड राजेश जैन, प्रेसिडेंट अमित गोयल, वाइस प्रेसिडेंट संजय गुप्ता, महामंत्री अरविंद

गोयल, कोषाध्यक्ष सीए नितेश गोयल सहित सभी पदाधिकारी शामिल हुए थे। श्री श्री खाटू श्याम सेवा समिति के चेयरमैन हरीश शर्मा ने सभी सदस्यों को संबोधित करते हुए सदस्यों से कार्यक्रम व जन्माष्टमी नंदोत्सव 2025को और बेहतर ढंग से आयोजित करने के लिए सुझाव मांगे तथा युवा पीढ़ी को सनातन संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभी का सुझाव लिए, और इस कार्यक्रम के दौरान श्री कृष्ण जन्माष्टमी नंदोत्सव 2025 के दौरान होने वाले कार्यक्रमों का पोस्टर भी रिलीज किया गया।

24/4 add

- बिजली के खंभों, वायर, सब-स्टे... आदि से दूर रहें।
- बच्चों को बिजली के उपकरणों के आसपास न खेलने दें और ऐसे पार्क में ना खेलें जहां पानी भरा हो और पार्क की रेलिंग को छूने से भी बचे।
- अगर आपको कोई गिरा हुआ केबल, पोल, बाहर की ओर निकली हुई वायरिंग या सड़क पर खुदाई दिखे तो इसके बारे में निकटतम रेलवे कर्मचारी को बताएं।
- किसी इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम में हुकिंग करके बिजली चोरी करने की कोशिश से सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। बिजली चोरी की घटनाओं के बारे में कृपया जानकारी दें।

"RAILWAY BIJLI SAMADHAAN" (RBS) डाउनलोड करें

Scan QR code to download app

RBS APP को खोले, मोबाइल नंबर की मदद से स्वयं को रजिस्टर करें।

विद्युत सम्बन्धी अपनी शिकायत को APP के माध्यम से दर्ज़ कराएं।

- बिना योजना के खुदाई करने या ट्रेंचलेस मशीन का इस्तेमाल करने से इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई बाधित हो सकती है। सभी संबंधित विभाग जैसे नगर निगम विभाग, राज्य बिजली बोर्ड और रेलवे विभाग (इंजीनियरिंग, सिग्नल और दूरसंचार) से अनुरोध है कि ऐसी किसी भी काम की जानकारी नीचे दिए मोबाइल नंबर पर दें।

2089/25

DANGER खतरा

संपर्क करें: 011-42627151, 9717632789 9717633727

उत्तर रेलवे

www.nr.indianrailways.gov.in

हमें फॉलो करें: /RailMinIndia

फर्जी मार्कशीट घोटाले में मुख्य आरोपी की जमानत याचिका खारिज

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जिला न्यायाधीश अजय कुमार द्वितीय ने मोनाड विश्वविद्यालय फर्जी मार्कशीट और डिग्री घोटाले के मुख्य आरोपी और विश्वविद्यालय के मालिक बिजेंद्र सिंह हुड्डा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। न्यायाधीश ने इस मामले को शैक्षिक आतंकवाद करार दिया और कहा कि यह देश की शिक्षा व्यवस्था और आर्थिक अखंडता को कमजोर कर रहा है। अन्य नौ आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर फैसला अभी सुरक्षित रखा गया है।

जिला शासकीय अधिवक्ता गौरव नागर ने बताया कि एसटीएफ ने 18 मई 2025 को मोनाड विश्व. विद्यालय में छापेमारी कर इस बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया था। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि बिजेंद्र सिंह हुड्डा अपने सहयोगी

संदीप सहरावत के साथ मिलकर हरियाणा में फर्जी मार्कशीट तैयार करवाता था। 17 मई 2025 को संदीप का एक सहयोगी राजेश भारी मात्रा में फर्जी मार्कशीट लेकर विश्वविद्यालय पहुंचा था, जिसके बाद एसटीएफ ने सर्च वारंट के साथ छापा मारा और बिजेंद्र सिंह हुड्डा समेत अन्य सहयोगियों के पास से बड़ी संख्या में फर्जी मार्कशीट, डिग्रियां और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि कुल 1,372 फर्जी मार्कशीट और डिग्रियां के साथ-साथ 262 फर्जी प्रोविजनल और माइग्रेशन सर्टिफिकेट जारी किए गए थे। ये जाली दस्तावेज एलएलबी, बी फार्मा, डी फार्मा और बी टेक जैसे पाठ्यक्रमों के लिए थे। इन फर्जी मार्कशीट और डिग्रियों को 50 हज़ार रुपये से लेकर 4 लाख रुपये प्रति छात्र तक में बेचा जा रहा था। कुछ छात्रों का विश्वविद्यालय में पंजीकरण तो था, लेकिन परीक्षा विभाग में उनका कोई रिकॉर्ड नहीं मिला, जो अवैध सत्यापन को दर्शाता है। इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लोग सरकारी और निजी क्षेत्रों में नौकरियां हासिल कर रहे थे, जिससे योग्य छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ रहा था। गौरव नागर ने अदालत को यह भी बताया कि बिजेंद्र सिंह हुड्डा का लंबा आपरा. धिक इतिहास है। वह पहले बाइक बोट घोटाले में संजय भाटी का सहयोगी था और उसे कैश इंचार्ज बनाया गया था। हुड्डा के खिलाफ एनसीआर के विभिन्न जिलों में 118 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह 5 लाख रुपये का इनामी अपराधी भी रह चुका है। अदालत ने हुड्डा को एक संगठित अपराधी बताया जो इस रैकेट को एक सिंडिकेट के रूप में चला रहा था। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायाधीश ने हुड्डा को जमानत देने से इनकार कर दिया है ताकि ऐसे शैक्षिक आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों को एक कड़ा संदेश दिया जा सके।

चोरों ने ट्यूबवेल से की हज़ारों की चोरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना देहात क्षेत्र में बेखौफ चोरों का आतंक देखने को मिला है। जहां चोरों ने थाना क्षेत्र के टियाला बाईपास पर स्थित एक किसान की ट्यूबवेल को अपना निशाना बनाते हुए ट्यूबवेल से स्टार्टर और स्प्रे मशीन सहित करीब 15 हज़ार रूपये का सामान चोरी कर मौके से फरार हो गए।

पीड़ित किसान मुकेश त्यागी ने बताया कि बुधवार की रात को वे अपनी ट्यूबवेल पर ताला लगाकर घर गए थे। चोरों ने इसी का फायदा उठाया और रात के अंधेरे में ट्यूबवेल का ताला तोड़कर अंदर घुस गए। उन्होंने वहां से स्टार्टर, स्प्रे और अन्य उपकरण चुरा लिए और मौके से फरार हो गए। आरोप है कि गुरुवार सुबह जब मुकेश त्यागी अपने खेत पहुंचे तो ट्यूबवेल का ताला टूटा हुआ था और सामान चोरी था। जिसे देखकर किसान दंग रह

गए। उन्होंने तुरंत चोरी की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच में जुट गई। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि संबंधित मामले में पीड़ित किसान की तहरीर के आधार पर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है जांच कर उचित कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गढ़मुक्तेश्वर के तीर्थनगरी ब्रजघाट पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला।

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु और कांवड़िए पवित्र गंगा तट पर पहुंचे। सुबह से ही गंगा घाटों पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जो दिन चढ़ने के साथ जनसैलाब में बदल गई। ब्रजघाट का वातावरण हर-हर गंगे, जय गुरुदेव और हर-हर महादेव के जयघोषों से भक्तिमय हो उठा। गुरु पूर्णिमा जिसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, महर्षि वेदव्यास के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाई जाती है। पंडित विवेक त्रिपाठी ने गुरु के महत्व को समझाते हुए कहा, गुरु वह दीपक है जो अज्ञान के अंधेरे को दूर कर सत्य और ज्ञान का मार्ग दिखाता है। इस शुभ दिन पर श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया, हवन-पूजन किया और दान-पुण्य कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

उन्होंने संतों और गुरुओं को दक्षिणा और वस्त्र अर्पित कर उनका आशीर्वाद भी लिया। इस वर्ष ब्रजघाट पर कांवड़ियों की भारी भीड़ भी देखी गई, जो गंगा जल भरने और शिव भक्ति में लीन नजर आए। विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के साथ-साथ अपने गुरुजनों के दर्शन भी किए। घाटों पर गूंजते भक्ति भजनों और मंत्रोच्चारण ने आध्यात्मिक माहौल को और भी

गहरा कर दिया। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए थे। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए घाटों पर बैरिकेडिंग की गई थी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए गोताखोर, नाविक, पुलिस बल, होमगार्ड, पीएसी और महिला पुलिसकर्मी तैनात रहे। इसके अतिरिक्त, ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से पूरे क्षेत्र की लगातार निगरानी सुनिश्चित की गई। ब्रजघाट पर कई सामाजिक संगठनों ने भंडारों का आयोजन किया, जहाँ श्रद्धालुओं को प्रसाद और भोजन वितरित किया गया।

कांवड़ यात्रा को लेकर मंडल आयुक्त व डीआईजी ने किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। सावन महीने में होने वाली कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर और बागपत जिलों में प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मंडलायुक्त मेरठ ऋषिकेश भास्कर यशोद और डीआईजी कलानिधि नैथानी ने गुरुवार को मेरठ, हापुड़ और बुलंदशहर में कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीआईजी कलानिधि नेथानी ने बताया कि मेरठ परिक्षेत्र के चारों जिलों में कांवड़ पुलिस मोबाइल टीमें बनाई जा रही हैं। बागपत ने टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर से लैस टीमें तैयार कर ली हैं, वहीं बाकी जिलों को अगले 48 घंटों में टीमें

गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ मार्गों पर अस्थाई पुलिस चौकियां स्थापित की जा रही हैं। चौराहों पर बैरिकेडिंग, बिजली, प्रकाश और यातायात नियंत्रण की व्यवस्थाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। हर थाने और चौकी पर पुलिस बल को उनके कर्तव्यों के प्रति प्रशिक्षित किया जा रहा है। भीड़ नियंत्रण, मेडिकल सहायता, यातायात मार्गों की सुचारुता और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस निरीक्षण के दौरान मेरठ के एसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा, एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र मिश्र, हापुड़ एएसपी विनीत भटनागर, एसडीएम गढ़ अंकित वर्मा, बुलंदशहर के एसएसपी दिनेश कुमार सिंह सहित कई अन्य उच्च अधिकारी मौजूद थे। सभी जिलों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि किसी भी चूक या ढिलाई पर तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जाए। प्रशासन का लक्ष्य है कि इस वर्ष की कांवड़ यात्रा पिछले वर्षों की तरह ही सफल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित हो।

अवैध असलाह रखने पर दोषी को न्यायालय ने सुनाई सजा

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। अवैध रुप से असलहा रखने के मामले में एक आरोपी को न्यायालय द्वारा सज़ा सुनाई गई साथ ही अर्थदण्ड से भी दण्डित किया गया।

सहायक शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि आरोपी गोल्डी उर्फ ललित द्वारा अवैध रुप से असलहा रखने के सम्बन्ध में थाना बाबूगढ़ पर आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया था। इसी क्रम में गुरुवार को न्यायालय द्वारा गोल्डी उर्फ ललित पुत्र सुन्दर निवासी ग्राम उपैड़ा थाना बाबूगढ़ जनपद हापुड़ को एक वर्ष का साधारण कारावास तथा 1,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

निलंबित लेखपाल की उपचार के दौरान मौत, डीएम कार्यालय पर लेखपालों का प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। रिश्वत के आरोप में निलंबित चल रहे लेखपाल सुभाष मीणा की गुरुवार तड़के करीब 3:30 बजे गाजियाबाद के वैशाली स्थित मैक्स अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। गाजियाबाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सुभाष मीणा के ड्राइवर शाहिद ने बताया कि बुधवार सुबह वे मेरठ के सरधना स्थित बेगमाबाद गांव से धौलाना आ रहे थे। पिलखुवा में रुकने और किसी से मिलने के बाद वे तहसील के लिए रवाना हुए। तहसील पहुंचकर वे एक ऑफिस में गए और फिर गाड़ी पर लौटकर शाहिद से पानी मांगा। इसके बाद वे तहसीलदार से मिलने की बात

मृतक सुभाष का फाइल फोटो

कहकर अंदर चले गए। शाहिद को पानी पीने के दौरान कुछ संदेह हुआ और उसने इसकी जानकारी अन्य लेखपालों को दी। जब लेखपाल उन्हें देखने के लिए तहसीलदार के कार्यालय पहुंचे तो सुभाष मीणा वहां नहीं मिले। उन्हें नायब तहस. ीलदार के कार्यालय में उल्टी करते हुए पाया गया। उन्हें तत्काल गाड़ी

से रामा अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए वैशाली के मैक्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। उनके बेटे सचिन और अभिषेक को सूचना मिलते ही वे अस्पताल पहुंचे।

बुधवार रात को डीएम अभिषेक पांडेय ने अस्पताल जाकर सुभाष मीणा का हाल जाना था। गौरतलब है कि सुभाष मीणा को 3 जून को निलंबित किया गया था। शिकायतकर्ता भूपेंद्र ने सुभाष मीणा पर 500 रुपये रिश्वत लेने का आरा. ेप लगाया था। जिसके बाद डीएम ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। मृतक सुभाष मीणा के ड्राइवर शाहिद ने बताया है कि शिकायतकर्ता भूपेंद्र ने उनसे पाँच लाख रुपये की मांग की थी और शिकायत वापस लेने का प्रलोभन दिया था। शाहिद के अनुसार, सुभाष मीणा ने शिकायतकर्ता को पैसे देने से साफ इनकार कर दिया था। निलंबित लेखपाल सुभाष मीणा की उपचार के दौरान मौत हो गई है और पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। डीएम अभिषेक पांडेय ने बताया कि लेखपाल को अपना पक्ष रखने के लिए समय दिया गया था। डीएम ने बताया कि चकबंदी लेखपाल सुभाष मीणा की मौत सभी के लिए एक दुखद खबर है। स्थानीय प्रशासन लगातार पीड़ित परिवार के संपर्क में है। पीड़ित परिवार की हर संभव मदद की जाएगी।

एक नजर

धारदार हथियार से भाई ने भाई को उतारा मौत के घाट

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना धौलाना क्षेत्र के गांव शेखुपुर खिचरा में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ किराए पर रह रहे एक भाई ने मामूली विवाद को लेकर अपने सगे भाई की धारदार हथियार से हलमा कर हत्या कर डाली।

मिली जानकारी के अनुसार यह वारदात तब हुई जब सौरभ नाम के एक भाई ने अपने 35 वर्षीय सगे भाई अमित पुत्र विजय सिंह, निवासी ग्राम मोहम्मदपुर खुडलिया, थाना सिंभावली, जनपद हापुड़ की दिनदहाड़े धारदार हथियार से गर्दन काट दी। दोनों भाई शेखुपुर खिचरा में किराए पर रहकर एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पिलखुवा सीओ अनीता चौहान और थाना प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र बिष्ट पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य इकट्ठा किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ अनीता चौहान ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और हत्यारोपी भाई को हिरासत में ले लिया गया है। संबंधित मामले में सभी पहलुओं पर गहनता से जांच की जा रही है। जांच कर आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

माँ के नाम एक पेड़ कार्यक्रम के तहत किया पौधरोपण

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जुलाई चक्र के तहत, नामित नोडल अधिकारी डा. देवेंद्र कुमार शर्मा ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर धनौरा और आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र वाझीलपुर का दौरा किया। इस दौरे के दौरान डा. शर्मा ने दोनों गांवों में साफ-सफाई, नालियों में एंटी-लार्वा स्प्रे, फॉगिंग, झाड़ियों की कटाई और शुद्ध पेयजल की आपूर्ति जैसे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर धनौरा और वाझीलपुर का भी निरीक्षण किया और केंद्रों के उचित संचालन के लिए संवेदीकरण किया। जॉइंट डायरेक्टर डा. देवेंद्र कुमार शर्मा, जिला मलेरिया अधिकारी सतेंद्र कुमार और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी राधेश्याम यादव ने मां के नाम एक पेड़ कार्यक्रम के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिर वाझीलपुर में एक-एक पौधा रोपा।

भगवान परशुराम की भव्य मूर्ति स्थापना व घाट के नामकरण की उठी मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर के तीर्थ नगरी बृजघाट में भगवान परशुराम की एक भव्य और विशालकाय प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर विश्व ब्राह्मण संघ ने बड़ा आंदोलन शुरू कर दिया है। इस संबंध में पहला कदम उठाते हुए ग्राम सलारपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पंडित कुलदीप शर्मा ने की। बैठक में विशेष रूप से उपस्थित हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता पंडित सोमदत्त शर्मा ने बताया कि गढ़मुक्तेश्वर, जिसे सतयुग का काशी भी कहा जाता है, धर्म, संस्कृति और इतिहास से समृद्ध स्थल है।

उन्होंने कहा कि ऐसी पवित्र भूमि पर भगवान परशुराम जी की विशाल मूर्ति का निर्माण केवल ब्राह्मण समाज ही नहीं, बल्कि समूचे सनातन धर्म के गौरव का प्रतीक होगा। इसके साथ ही एक घाट का नाम परशुराम घाट रखने की भी मांग की गई है। पंडित सोमदत्त शर्मा ने जोर देकर कहा कि भगवान परशुराम केवल ब्राह्मण समाज के आराध्य नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय संस्कृति के प्रतीक हैं। उन्होंने अन्याय, अधर्म और अहंकार के विरुद्ध संघर्ष का आदर्श प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने ही त्रेतायुग में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए पहली बार तीर्थ गंगा गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल भरकर महादेव मंदिर नक्काकुआ पर महादेव पर गंगाजल अर्पित किया और पूरा महादेव मंदिर बागपत में पहुंचकर महादेव पर गंगाजल से अभिषेक किया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी पंडित सुनील शर्मा, दुष्यंत शर्मा, राजेंद्र शर्मा, सोनू शर्मा आदि उपस्थित रहे जिन्होंने पूर्ण समर्थन देते हुए मूर्ति स्थापना के अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की। जन चेतना हेतु ग्राम शंकराटीला, पलवाडा, सलारपूर, सलोनी, बक्सर आदि क्षेत्रों में ब्राह्मणों से जनसंपर्क भी किया गया।

पुलिस मुठभेड़ में दो गोकश गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना कपूरपुर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर गौकशों, हसीब उर्फ चूजा और मेराजुद्दीन को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है।

सीओ अनीता चौहान ने बताया कि कपूरपुर थाना पुलिस चेकिंग कर रही थी, तभी बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस की आत्मरक्षा में की गई फायरिंग में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें घायल अवस्था में पकड़ लिया गया। घायल बदमाशों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सीओ ने बताया कि पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, जिंदा और खोखा कारतूस, एक स्विफ्ट कार, और गौकशी के उपकरण बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में बदमाशों की पहचान हसीब उर्फ चूजा निवासी ग्राम मनौटा जनपद संभल व मेराजुद्दीन निवासी मोहल्ला टंकी जोया जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। सीओ अनीता चौहान ने बताया कि ये दोनों शातिर अपराधी हैं और इनके खिलाफ अन्य जनपदों में गौकशी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस का मानना है कि ये बदमाश किसी बड़ी गौकशी की घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। अब पुलिस इनके पूरे नेटवर्क और अन्य साथियों की तलाश में जुट गई है।

सांसद अरुण गोविल ने शुरू की बस सेवा, सहायक उपकरण किए वितरित

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मेरठ-हापुड़ लोकसभा सांसद अरुण गोविल ने हापुड़ में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए तीन महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। इनमें ग्रामीण बस सेवा का उद्घाटन, एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान और दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक उपकरण वितरण शि. विर शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य क्षेत्र का विकास करना, पर्यावरण का संरक्षण करना और सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देना है।

मेरठ रोड स्थित रोडवेज बस अड्डे पर सांसद अरुण गोविल ने हापुड़ परिवहन विभाग को मिली छह नई बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि ये बसें ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को

सुगम बनाएंगी, जिससे लोगों को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। सांसद अरुण गोविल ने हापुड़ ब्लॉक में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि मानव जाति के लिए पर्यावरण की रक्षा अनिवार्य है। गोविल ने इस अभियान को जनांदोलन बनाने का आहवान किया, ताकि बढ़ते तापमान और प्रदूषण से निपटा जा सके। सामाजिक अधिकारिता शि. विर के तहत एलिम्को भारत सरकार उपक्रम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 170 लाभार्थियों को कुल 29.15 लाख रुपये की लागत से 305 सहायक उपकरण वितरित किए गए। ये उपकरण 30 मई, 2025 को आयोजित परीक्षण शिविरों के आधार पर दिए गए थे। इस अवसर पर सांसद अरुण गोविल, जिला पंचायत अध्यक्षा रेखा नागर, सदर विधायक विजयपाल आढ़ती, धौलाना विधायक धर्मेश तोमर, गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया, जिला अध्यक्ष नरेश तोमर, ब्लॉक प्रमुख ममता तेवतिया और जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

तहसील प्रशासन पर लगाया जमीन हड़पने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। पूर्व पालिकाध्यक्ष के बेटे ने सरकारी भूमि में कब्रिस्तान बना होने के कारण तहसील प्रशासन पर मनमाने ढंग में अपनी भूमि के अंदर पशु अस्पताल का निर्माण प्रारंभ कराने का आरोप लगाते हुए न्यायालय की अवमानना का केस दायर करने की चेतावनी दी।

गढ़ पालिका के पूर्व चेयरमैन स्वर्गीय ओमप्रकाश प्रधान के बेटे कुलदीप ने सीएम के साथ ही मंडलायुक्त को शिकायती पत्र भेजे हैं। जिनमें उल्लेख किया गया है कि ठंडी सड़क किनारे स्थित खसरा संख्या 2676 संयुक्त भूमि वाला नंबर है। जिसमें उसकी माता विमला देवी के नाम वाला नंबर क और सरकारी नंबर घ है। परंतु घ नंबर वाली भूमि में तेली बिरादरी का कई दशक पुराना कब्रिस्तान बना होने के कारण तहसील प्रशासन द्वारा खुली मनमानी की जा रही है। पीड़िता का कहना है कि कब्रिस्तान में घिरी सरकारी भूमि की बजाए उसकी मां के नाम वाली भूमि में जबरन पशु अस्पताल का निर्माण प्रारंभ करा दिया गया है। पीड़ित का कहना है कि उसकी मां के पक्ष में सिविल न्यायालय द्वारा 2021 से यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया हुआ है, जिसमें एसडीएम, तहसीलदार और हल्का लेखपाल को पक्षकार भी बनाया हुआ है। परंतु इसके बाद भी तहसील प्रशासन द्वारा खुली मनमर्जी की जा रही है। जिसको लेकर वह जल्द ही न्यायालय की अवमानना का केस दायर करेगा। एसडीएम अंकित कुमार वर्मा का कहना है कि संबंधित मामले में फिलहाल कोई भी शिकायत नहीं आई है, परंतु अगर कोई शिकायत आती है तो अभिलेखों के आधार पर जांच पड़ताल और पैमाइश कराकर उसके आधार पर ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने वरिष्ठ कांग्रेसी पंडित मूलचंद को बुके देकर किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। गुरुवार को वरिष्ठ कांग्रेसी पंडित मूलचंद शर्मा के सूरजगंज रेलवे रोड स्थित आवास पर पहुंचकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने आशीर्वाद लिया और उन्हें फूलों का बुके देकर सम्मानित किया।

वरिष्ठ कांग्रेसी मूलचंद शर्मा ने कहा कि जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी संगठन के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में संगठन आगे बढ़ रहा हैं। आने वाले चुनाव में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी। इस मौके पर पंडित प्रवीण शर्मा, कपिल शर्मा, शालिनी शर्मा, कल्पना शर्मा, भरतलाल शर्मा, गौरव गर्ग, गोपाल भारती आदि लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर क्षेत्र के आर्यनगर स्थित यज्ञशाला संस्कृत संस्कृति प्रचार न्यास गुरुदेव स्थान पर भारतीय ज्योतिष कर्मकांड महासभा विद्वानों द्वारा गुरु पूर्णिमा का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर, भारी संख्या में उपस्थित श्रद्धालु भक्तों ने महासभा के संरक्षक डा. वासुदेव शर्मा का गुरु के रूप में पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर, संरक्षक डा. वासुदेव शर्मा ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पूर्णमासी पूर्णता का द्योतक है। अधूरा ज्ञान कष्टकारक होता है, इसीलिए ज्ञान की पूर्णता के लिए पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा मनाने का शास्त्र विधान बना। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार, ज्ञान के बिना मुक्ति संभव नहीं है, और मुक्ति का अर्थ कष्टों, सांसारिक मोह और पीड़ा से मुक्त होना है। महासभा अध्यक्ष पंडित केसी पाण्डेय काशी वाले ने कहा कि समाज की समृद्धि और शक्तिशाली भारत राष्ट्र के लिए हम सभी को गुरु-शिष्य परंपरा को पूर्ण आस्था से अपनाना चाहिए। इस अवसर पर महामंत्री अनिशा सोनी पाण्डेय, मंत्री पंडित देवी प्रसाद तिवारी, समन्वयक पंडित अजय पाण्डेय, मंत्री डा. करुण शर्मा, संरक्षक पंडित हरीश शर्मा, मीडिया प्रभारी एस्ट्रो धर्मेंद्र बंसल, सीता पाण्डेय, रानी शर्मा, पंडित दीपक शर्मा, पंडित आशुतोष आज़ाद, पूजा गुप्ता, प्रदीप कुमार अग्रवाल, पंडित अंकित शर्मा, डा. युवराज शर्मा, बबिता शर्मा, संजय सिंघल, पंडित दिनेश शर्मा, बागेश्वरी रेनू शर्मा, शैलेश शर्मा, प्रीति शर्मा, गुड्डन सहित आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फर्जी आईएसओ सर्टिफिकेट बेचने वाला गिरोह पकड़ा

ग्रेटर नोएडा में छह उच्च शिक्षित आरोपी गिरफ्तार, 68 लाख की धोखाधड़ी का मामला

शाह टाइम्स ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में फर्जी आईएसओ सर्टिफिकेट और ब्रांडिंग के नाम पर कंपनियों को ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। बिसरख पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने तीन वर्ष पूर्व सेक्टर 63 में शडिस्ट्रीब्यूटर्स चौनल भारतश नाम से कंपनी स्थापित की थी। ये कंपनी मालिकों को उत्पादों की बिक्री बढ़ाने और अधिक मुनाफे का लालच देते थे। साथ ही फर्जी आईएसओ सर्टिफिकेट भी प्रदान करते थे।

एक पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। आरोपियों ने शिकायतकर्ता से 3.28 लाख रुपए की ठगी की थी। पुलिस ने मयंक तिवारी, विकास शर्मा, प्रदीप कुमार यादव, अविनाश गिरी, प्रदीप यादव और केशव को हिरासत में लिया है।पुलिस ने आरोपियों से 9 लैपटॉप, 9 टैब, मोबाइल फोन और फर्जी आईएसओ सर्टिफिकेट जब्त किए हैं। जांच में सामने आया है कि गिरोह ने अब तक सैकड़ों लोगों को ठगा है। कुल मिलाकर 68 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई है। सभी आरोपी बीटेक, एमबीए और एमसीए जैसी उच्च शैक्षणिक योग्यता रखते हैं। ये कंपनियों को फर्जी डेटा दिखाकर विश्वास में लेते थे और फिर धोखाधड़ी करते थे।

हाईमास्ट लाइटों से रोशन होंगे रिहायशी सेक्टरों के पार्क

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के आवासीय सेक्टरों के पार्कों में जल्द ही हाईमास्ट लाइटें लगाई जाएंगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने इन लाइटों को लगवाने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। ये लाइटें बहुत जल्द लगनी शुरू हो जाएंगी। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-36, 37, पाई वन व टू, बिल्डर्स एरिया, पी-3, ओमीक्रॉन-1ए, सेक्टर-31 (स्वर्णनगरी) के निवासियों ने पार्कों में हाईमास्ट लाइटें लगवाने की मांग की थी।

> सेक्टरवासियों की मांग पर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की टीम ने सर्वे कर पार्कों में 34 स्थान चिंहित किए हैं। इन सभी स्थानों पर हाईमास्ट लाइटें जल्द लगा दी जाएंगी। इनकी टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। हाईमास्ट लाइटें लगने से इन सेक्टरों में ब्लैक स्पॉट खत्म हो जाएंगे।
>
> **प्रेरणा सिंह, एसीईओ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण**

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने इन सेक्टरों के पार्कों में ब्लैक स्पॉट चिंहित कर हाईमास्ट लाइटें लगवाने के निर्देश दिए। प्राधिकरण के ओएसडी अभिषेक पाठक ने बताया कि विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के वर्क सर्किल दो के वरिष्ठ प्रबंधक सौरभ भारद्वाज व टीम ने सर्वे कर सेक्टर-36, 37, पाई वन व टू, बिल्डर्स एरिया, पी-3, ओमीक्रॉन-1ए, सेक्टर-31 (स्वर्णनगरी) के सेक्टरों के 34 पार्कों में ब्लैक स्पॉट के रूप में चिंहित किए हैं। इनमें 16 व 12.5 मीटर ऊंचाई की 34 हाईमास्ट लाइटें लगाई जाएंगी। इनकी टेंडर प्रक्रिया फाइनल हो गई है। हाईमास्ट लाइटें एकाध माह में लगनी शुरू हो जाएंगी।

ये सभी एलईडी हाईमास्ट लाइटें होंगी। इससे रोशनी अधिक होगी। पारंपरिक फ्लड लाइटों की तुलना में इन हाईमास्ट लाइटों से बिजली खपत भी कम होगी, जिससे बिजली की भी बचत होगी। उन्होंने बताया कि जरूरत पड़ने पर 15 अतिरिक्त हाईमास्ट लाइटें लगाई जा सकती हैं।

बांग्लादेश पर टैरिफ की घोषणा से जिले के निर्यातकों में उत्साह

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बांग्लादेश के रेडीमेड गारमेंट्स के निर्यात पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले ने वैश्विक कपड़ा बाजार में हलचल मचा दी है। इस फैसले से नोएडा के रेडीमेड गारमेंट्स निर्यातकों में उत्साह का माहौल है, क्योंकि भारतीय टेक्सटाइल उद्योग को अमेरिकी बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर मिला है। अमेरिकी बाजार में बांग्लादेश की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत है, जबकि भारत की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत है। बांग्लादेश पर टैरिफ से उसके उत्पाद महंगे होंगे, जिससे भारतीय निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी का लाभ मिलेगा।

नोएडा परिधान निर्यात से जुड़े इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव बंसल का कहना है कि बांग्लादेश हमारा सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी रहा है। वह हमेशा से सस्ती श्रम लागत के कारण अधिक ऑर्डर हासिल करता था। अब 35 प्रतिशत टैरिफ के बाद अमेरिकी खरीदार भारत की ओर रुख करेंगे। अब हमें अगले छह महीनों में एक लाख करोड़ से अधिक के नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। टैरिफ के कारण बांग्लादेश के कपड़े अमेरिकी बाजार में महंगे हो जाएंगे, जबकि भारत पर केवल 26 प्रतिशत टैरिफ लागू है। इससे भारतीय उत्पादों की कीमतें आकर्षक रहेंगी।

इसी तरह से हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सीपी शर्मा का कहना है कि यह हमारे लिए लॉटरी जैसा है। हमारी फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ाने और नए कर्मचारियों की भर्ती की तैयारी शुरू हो चुकी है। जारा और मैंगो जैसे ब्रांड अब भारत से अपने ऑर्डर बढ़ा सकते हैं। हालांकि, कुछ निर्यातकों ने आगाह किया कि वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देश भी इस अवसर का लाभ उठाने की कोशिश कर सकते हैं।

नोएडा के प्रमुख निर्यातकों का कहना है कि हमें कच्चे माल की कीमतों को नियंत्रित करने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। वियतनाम की 19 प्रतिशत हिस्सेदारी हमें चुनौती दे सकती है। निर्यात पर आधारित बांग्लादेश की करीब 80 प्रतिशत अर्थव्यवस्था इस टैरिफ से गहरे संकट में आ सकती है।

मुख्य सचिव ने की एमएमएलपी स्कीम की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और नोएडा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह बृहस्पतिवार को ग्रेटर नोएडा आए। उन्होंने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क की स्कीम की समीक्षा की। यह स्कीम विगत 23 मई को लांच हुई थी और 23 जून को आवेदन की अंतिम तिथि थी। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर कप्पा टू स्थित भूखंड के लिए तीन कंपनियों, सुपर हैंडलर्स प्रा. लिमिटेड, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड और इंपेजर(म्उचम्रंत) लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड ने आवेदन किए हैं। मुख्य सचिव ने बृहस्पतिवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में इन

तीनों कंपनियों का प्रस्तुतिकरण देखा। इस पर अंतिम निर्णय मुख्य सचिव और नोएडा -ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा लिया जाएगा। बृहस्पतिवार को प्रस्तुतिकरण के दौरान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम, यीडा के सीईओ आरके सिंह, गौतमबुद्ध नगर के डीएम मनीष कुमार वर्मा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ प्रेरणा सिंह, एसीईओ सुमित यादव, यीडा के ओएसडी शैलेन्द्र कुमार भाटिया, जीएम वित्त विनोद कुमार, जीएन प्लानिंग लीनू सहगल समेत तमाम वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। करीब 174 एकड़ एरिया के भूखंड पर लॉजिस्टिक पार्क विकसित होने से 1200 करोड़ रुपये से अधिक निवेश और 5000 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही उद्योगों के लिए माल ढुलाई आसान हो जाएगी।

एक नजर

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में श्मशान तक नहीं पक्का रास्ता

ग्रेटर नोएडा(शाह टाइम्स)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के रोजा जलालपुर गांव में श्मशान घाट तक जाने का कोई पक्का रास्ता नहीं है। यहां एक महिला की मृत्यु के बाद लोगों को अर्थी लेकर जलभराव के बीच से गुजरना पड़ा। इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार बरसात के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। श्मशान घाट तक जाने के लिए लोगों को पानी से भरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। गांव में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्राधिकरण ने श्मशान घाट तक पक्का रास्ता नहीं बनवाया है। बारिश के बाद रास्तों में पानी भर जाता है। इससे अंतिम संस्कार के लिए जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति विकसित शहर की छवि के विपरीत है, जहां आधारभूत सुविधाओं की भी कमी है।

यमुना प्राधिकरण की घटिया सड़क पर अनोखा विरोध

ग्रेटर नोएडा (शाह टाइम्स)। यमुना प्राधिकरण द्वारा दनकौर में बनाई गई सड़क की खराब गुणवत्ता के विरोध में करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने अनोखा प्रदर्शन किया। संगठन के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को सड़क पर जमा पानी में धान और पेड़ रोप दिए।

यह सड़क दनकौर देहात और बिलासपुर क्षेत्र के सैकड़ों गांवों को यमुना एक्सप्रेस-वे और नोएडा-दिल्ली मार्ग से जोड़ती है। कुछ महीने पहले ही बनी यह सड़क पूरी तरह टूट गई है। अब यह तालाब में तब्दील हो गई है। संगठन के प्रदेश महासचिव मास्टर दिनेश नागर के अनुसार, टूटी सड़क और जलभराव के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इससे लोगों की जान और माल का नुकसान हो रहा है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही सड़क का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे यमुना प्राधिकरण के खिलाफ आंदोलन करेंगे। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष प्रेम प्रधान, राकेश नागर, सूबेदार दुलीचंद नागर समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

27 करोड़ से ट्रैफिक में होगा सुधार

नोएडा (शाह टाइम्स)। नोएडा प्राधिकरण नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम एनसीएपी के तहत 27 करोड़ रुपए मिला है। इसका प्रयोग नोएडा में ट्रैफिक जाम पाइंट में सुधार लाने के लिए किया जाएगा। इसके लिए प्रमुख सड़कों पर कहा कहा जाम की समस्या रहती है इसका एक सर्वे सलाहकार कंपनी से कराया जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट आने के बाद नोएडा ट्रैफिक सेल (एनटीसी) उन सभी पाइंट को तकनीकी रूप से सही करेगा। ताकि वहां जाम की समस्या नहीं रहे। बता दे नोएडा में अधिकांश जाम बॉटलनेक की वजह से लगता है। प्राधिकरण ने बताया कि इसका प्रमुख उद्देश्य सड़क पर लोगों को जाम नहीं मिले। साथ ही प्रदूषण को कम करना भी है। जाम में गाड़ियां फंसने से वातावरण में प्रदूषण का स्तर बढ़ता है। इसलिए प्रमुख सड़कों को ही चुना गया है। यहां ऐसे पाइंट जहां बॉटलनेक बन रहा हो , यूटर्न की वजह से जाम लग रहा हो , या लेफ्ट टर्न देने की आवश्यकता है। वहां तकनीकी रूप से दक्ष किसी एक कंपनी का चयन कर रि-कंस्ट्रक्शन कराया जाएगा। इसके अलावा ट्रैफिक सिग्नल को लेफ्ट टर्न फ्री कराया जाएगा। इससे नोएडा का ट्रैफिक काफी स्मूद हो जाएगा।

नानकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे डीएम, सुरक्षा व्यवस्था के दिए निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शाह टाइम्स)। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र में आगामी कांवड़ मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। गुरुवार को जिला अधिकारी मनीष वर्मा ने भाईपुर स्थित नानकेश्वर महादेव शिव मंदिर का दौरा किया। उनके साथ एसडीएम अभय कुमार सिंह और एसीपी जेवर सार्थक सैगर भी मौजूद रहे। डीएम ने मंदिर परिसर में साफ-सफाई और शिव भक्तों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने यमुना एक्सप्रेसवे से मंदिर तक जाने वाले धनपुरा मार्ग की मरम्मत के आदेश दिए। साथ ही सभी मार्गों पर पर्याप्त रोशनी और सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए। नानकेश्वर महादेव शिव मंदिर में 20 जुलाई से तीन दिवसीय मेला शुरू होगा।

एशियन पेंट्स के नकली उत्पाद रखने व बेचने वाला गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एशियन पेंट्स लिमिटेड के नकली उत्पाद रखने और बेचने के आरोप में पुलिस ने एक दुकान मालिक को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों के छापे में आरोपी के कब्जे से नकली पेंट से भरी 74 बाल्टियां बरामद की गई हैं। पुलिस ने यह कार्रवाई एशियन पेंट्स के अधिकृत प्रतिनिधि और जांच एजेंसी की टीम ने मिलकर की।

शिकायतकर्ता दिल्ली निवासी राजेश कुमार का कहना है कि वह एसजीएसआईपीआर कंसल्टेंसी एलएलपी में मुख्य जांच अधिकारी है। कंपनी की ओर से उन्हें पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिये अधिकृत किया गया है।

जानकारी मिली थी कि बिसरख क्षेत्र में बंसल ट्रेडर्स नामक दुकान पर नकली एशियन पेंट बेचा जा रहा है। सूचना पर 7 जुलाई की शाम को पुलिस टीम के साथ कंपनी की जांच टीम के सदस्य आनंद प्रसाद और अंकित शुक्ला के साथ तिगरी गांव स्थित बंसल ट्रेडर्स की दुकान पर पहुंचे। जहां दुकान का मालिक गौर सिटी निवासी सौरभ बंसल मिला। टीम ने दुकान और गोदाम की तलाशी ली। तलाशी में कुल 74 बाल्टियां नकली एशियन पेंट की पाई गईं।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाशों को लगी गोली

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में गुरुवार सुबह थाना दनकौर पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस ग्राम बल्लूखेड़ा जाने वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल आती दिखी।

पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाश भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश घायल हो गए।

घायल बदमाशों की पहचान पंकज और सत्यवीर के रूप में हुई है। पंकज (34) गाजियाबाद के विजय नगर का रहने वाला है। वर्तमान में वह कासना थाना क्षेत्र के लड़पुरा में रहता है। सत्यवीर (23) गिरधरपुर, कासना का निवासी है। बदमाशों से दो अवैध तमंचे, दो खोखा कारतूस और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। इनके पास से बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल और एक चोरी का मोबाइल फोन भी मिला है। एसीपी अरविंद कुमार का कहना है कि दोनों बदमाशों ने 26 जून की रात यंगटांग कंपनी के पास निर्माणाधीन बिजली घर से कीमती उपकरण चोरी किए थे। घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस उनके अन्य आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस की तैयारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली में पुलिस ने कांवड़ यात्रा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। एसीपी अरविंद कुमार और कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने डीजे संचालकों और शिविर आयोजकों को दिशा-निर्देश दिए। दनकौर, बिलासपुर और मंडीश्याम नगर में शिविर व भंडारे आयोजित किए जाते हैं। एसीपी ने बताया कि तेज आवाज में डीजे बजाने से लोगों को परेशानी होती है। शासन के आदेशानुसार डीजे की आवाज कम डेसिबल में रखनी होगी। पुलिस ने डीजे संचालकों को बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए विशेष सावधानी बरतने को कहा। शासन की गाइडलाइंस का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

आवासीय भूखंड योजना का ड्रॉ आज होगा

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। इंडिया एक्सपो मार्ट के हॉल नंबर-7 में शुक्रवार सुबह 10 बजे सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की निगरानी में यमुना प्राधिकरण की आवासीय भूखंड की योजना के ड्रॉ की प्रक्रिया शुरू होगी। इसमें नोएडा एयरपोर्ट के पास आवास बनाने का सपना देख रहे 54 हजार से अधिक लोगों के भाग्य का फैसला होगा। यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि सेक्टर-18 के पॉकेट 9बी में 200 वर्गमीटर के 274 आवासीय भूखंडों की योजना 21 अप्रैल को लॉन्च की गई थी। करीब एक माह तक चली आवेदन प्रक्रिया में प्राधिकरण को 54289 आवेदन प्राप्त हुए थे। तीन जुलाई तक प्राधिकरण ने प्राप्त आवेदनों का सत्यापन किया, जिनमें 64 आवेदनों में गड़बड़ी मिली थी, इनमें कई आवेदकों के कागज पूरे नहीं थे, जबकि कुछ में अन्य गड़बड़ी सामने आई थी।

आपत्तियों का निस्तारण कर चार जुलाई को सत्यापित सूची में सिर्फ 54225 आवेदक बचे। इनके भाग्य का फैसला 11 जुलाई को होगा। यह भूखंड ड्रॉ के माध्यम से आवंटित किए जाएंगे। ड्रॉ को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए निर्णायक मंडल में हाईकोर्ट के तीन सेवानिवृत्त न्यायाधीश रहेंगे। ड्रॉ को लेकर इंडिया एक्सपो मार्ट में तैयारी पूरी कर ली गई है।

करीब दो हजार से अधिक लोग मौके पर जाकर ड्रॉ की प्रक्रिया देख सकेंगे। साथ ही पूरी प्रक्रिया का प्राधिकरण की वेबसाइट समेत डीडी न्यूज यूपी, यूपी ट्यूब, फेसबुक अकाउंट समेत विधिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म और अन्य चौनलों पर लाइव प्रसारण होगा। साथ ही पूरी प्रक्रिया की फोटो और वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी।

नाम आने पर 60 दिनों में पूरा भुगतान करना होगा: ड्रॉ में चुने गए आवेदकों को 60 दिनों के भीतर भूखंड की पूरी कीमत का भुगतान करना होगा। 61वें दिन से जुर्माने का प्रावधान है। ड्रॉ से भूखंड प्राप्त करने वाले आवंटियों को सप्ताहभर में ही आवंटन पत्र डाक के जरिए दर्ज कराए गए पते पर भेज दिए जाएंगे। वहीं, जिन लोगों का भूखंड नहीं निकल पाया है, उन्हें तीन कार्यदिवस में जमा की गई 10 फीसदी रकम खाते में वापस भेजने की योजना है।

दिन निकलते ही पुलिस की पांच बदमाशों से मुठभेड़

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। थाना सेक्टर-39 पुलिस , चौकी सदरपुर के पास चेकिंग कर रही थी। एक छोटा हाथी टाटा ऐस बिना नंबर प्लेट व एक ब्रेजा कार में कुछ संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। जिन्हें चेकिंग के लिए रोकने का इशारा किया गया। लेकिन वह नहीं रुके और सेक्टर-42 की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर बदमाश स्वयं को घिरता देखकर छोटा हाथी व ब्रेजा कार को छोड़कर जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया।

पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान सुमित उर्फ बिल्ला पुत्र सुरेश राम निवासी सरिता विहार, दिल्ली के रूप में हुई है। इसके कब्जे से एक अवैध तमंचा बरामद किया गया। पुलिस टीम द्वारा कांबिंग के दौरान ब्रेजा कार छोड़कर भागे बदमाश अनूप उर्फ चिकना, प्रवीण उर्फ शूटर, कोविन्द , शहनवाज को गिरफ्तार किया। बदमाशों के कब्जे से एक ब्रेजा कार रेड कलर की बरामद की गई। एक छोटा हाथी रंग सफेद बिना नंबर प्लेट का बरामद किया गया। जिसमें दो लोहा काटने वाली आरी, एक रस्सा लोहे का हुक, चार बंडल केबिल व 2 कट्टे केबिल की रबड़ बरामद हुए है। बरामद केबिल थाना सेक्टर-39 नोएडा में मुकदमा दर्ज किया गया है।

नोएडा किंग्स के लिए 600 खिलाड़ी देंगे ट्रायल

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। यूपी टी-20 लीग के तीसरे सीजन की शुरुआत अगस्त से होगी। इसके लिए सभी टीमों ने नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर ली है। कुछ खिलाड़ी ट्रायल के आधार पर चुने जाएंगे। लखनऊ व मेरठ मेवरिक्स ने ट्रायल भी पूरे कर लिए है। शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नोएडा किंग्स टीम के लिए ट्रायल होगा। इसमें 600 खिलाड़ी पहुंच सकते हैं। नोएडा किंग्स के बल्लेबाजी कोच केएल तेजवानी ने बताया कि ओपन ट्रायल होंगे। ट्रायल के माध्यम से स्पिन व तेज गेंदबाज, बल्लेबाज व विकेट कीपर का चयन किया जाएगा। नोएडा किंग्स के लिए 18 खिलाड़ियों का चयन ऑक्शन प्रक्रिया में किया जा चुका है। सात से आठ खिलाड़ियों का चयन ट्रायल से किया जाएगा।

ये टीमें भिड़ेंगी: उन्होंने बताया कि लीग में मेरठ मेवरिक्स, कानपुर, लखनऊ फाल्कन, नोएडा किंग्स, काशी रुद्रा, गोरखपुल लायंस की टीम शामिल होंगी। एक टीम में 25 खिलाड़ी शामिल होने हैं। टीमों ने 18 खिलाड़ी नीलामी प्रक्रिया में चुने थे।

ये दे सकते हैं ट्रायल: इस दो दिवसीय ट्रायल में गौतमबुद्ध नगर, हापुड़, बुलंदशहर, मुरादाबाद, रामपुर समेत अन्य जिलों के खिलाड़ी भाग लेंगे।

समय से घर पर पहुंचाएं मतदाता पहचान पत्र : डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। जिलाधिकारी ने बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में डाक विभाग के अफसरों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी से कहा कि मतदाता पहचान पत्र और नोटिस के वितरण में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मतदाता पहचान पत्र और नोटिस समय से संबंधित के घर पहुंचना चाहिए। उन्होंने इसके लिए सभी एसडीएम को निगरानी करने के निर्देश दिए।

भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता पहचान पत्र को मतदाता तक डाक के माध्यम से पहुंचाने की व्यवस्था कर रखी है, लेकिन जिले में डाक विभाग के कर्मचारी समय से मतदाताओं के घर पर पहचान पत्र नहीं पहुंचा रहे हैं। कई कार्यालयों में मतदाता पहचान पत्र रखे हैं। लगातार शिकायत आने के बाद जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने डाक विभाग के अफसरों के साथ बैठक की। एडीएम वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने कहा कि मतदाता पहचान पत्र समय से लोगों के घर नहीं पहुंच रहे हैं। साथ ही, नोटिस भी देरी से पहुंच रहे है।

डाक विभाग को प्रशासन के साथ समन्वय के साथ काम करना होगा।

पहचान पत्र और नोटिस समय से पहुंचाने होंगे। इसकी निगरानी की जाएगी जो संबंधित एसडीएम करेंगे।

रोडरेज में स्कूटी सवार को बेरहमी से पीटा

शाह टाइम्स संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-122 शौर्य बैंक्वेट हॉल के पास रोडरेज में तीन लोगों ने मिलकर एक युवक को पीटा। इस मामले में पीड़ित के पिता ने सेक्टर-113 थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-122 निवासी अजय शर्मा ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा आदित्य शर्मा स्कूटी पर सवार होकर अपने घर जा रहा था, तभी शौर्य बैंक्वेट हॉल पास एक अन्य स्कूटी चालक ने उनके बेटे की स्कूटी में टक्कर मार दी। जब उनके बेटे ने विरोध किया तो स्कूटी सवार दो अज्ञात लोगों ने उसके साथ मारपीट की।

इस घटना में पीड़ित का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुलिस बैंक्वेट हॉल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से मारपीट करने वाले युवकों की पहचान में जुट गई है।

शाह टाइम्स

आपके लोकप्रिय अखबार दैनिक शाह टाइम्स में विज्ञापन एवं समाचारों के लिए संपर्क करें।

प्रवेश सिंह दतानियां

जिला प्रभारी गौतमबुध नगर/खोड़ा

ए-37, सेक्टर-10, नोएडा, जनपद गौतमबुध नगर

9810967541, 8920145356

Email : parveshnoida@gmail.com

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

बच्चों की सुरक्षा से नहीं होगा कोई समझौता:जिलाधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जिले के छात्रों की सुरक्षित स्कूल यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने की। इसमें विद्यालय परिवहन व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई और सुरक्षा मानकों को लेकर कई ठोस निर्णय लिए गए।

बैठक के दौरान जिलाधिक. ारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों व वाहन संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। विद्यालयी परिवहन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णयों में यह तय किया गया कि सभी विद्यालय वाहनों में जीपीएस ट्रैकर, फायर एक्सटिंग्विशर और आपातकालीन निकास द्वार अनिवार्य होंगे।

प्रत्येक विद्यालय को निर्देशित किया गया कि वे अपने वाहन चालकों का पुलिस सत्यापन, स्वास्थ्य परीक्षण एवं लाइसेंस की वैधता की जांच अनिवार्य रूप से करवाएं। किसी भी परिस्थिति में अवैध या अयोग्य चालक से वाहन न चलवाया जाए। इसके अतिरिक्त, सभी स्कूलों में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति को गठित किया जाएगा जो नियमित रूप से छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करेंगे। बैठक के अंत में एआरटीओ व यातायात विभाग को निर्देशित किया गया कि वे स्कूल वाहनों की सघन जांच अभियान चलाएं और निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों पर त्वरित कार्रवाई करें। इसके अतिरिक्त परिवहन कार्यालय में इस संबंध में विशेष कैंप लगाने के भी निर्देश दिए। इस बैठक के माध्यम से जिला प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि छात्रों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इस दिशा में किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राघवेंद्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गीता चौधरी, यातायात पुलिस क्षेत्राधिकारी विजय चौधरी अधिशासी अधिकारी बागपत के के भड़ाना आदि मौजूद रहे।

किंग कोबरा सांप को घर में देख निकली चीख, वन विभाग पर आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

छपरौली। कस्बे के बिजेंद्र के मकान में बुधवार को एक किंग कोबरा घुस आया। घर में मौजूद सविता ने जब सांप को कोने में फन फैलाए देखा तो उनकी चीख निकल गई। परिवार ने तुरंत कमरे को बंद कर दिया।

घटना के समय घर में सविता के अलावा उनकी बेटी प्रियंका, पुत्रवधू साक्षी और दो बच्चे सालवी व श्रेयांश मौजूद थे। परिजनों ने वन विभाग को सूचना दी, लेकिन छह घंटे तक कोई मदद नहीं पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से परिवार ने बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि कोबरा मकान के भीतर ही बना रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि वन विभाग समय पर पहुंचता तो स्थिति को जल्द नियंत्रित किया जा सकता था। विशेषज्ञों के अनुसार बरसात में सांप सूखे और सुरक्षित स्थानों की तलाश में घरों में घुस आते हैं। उन्होंने घर के कोनों, स्टोर रूम और बाथरूम की नियमित जांच की सलाह दी है। ग्रामीणों ने वन विभाग पर लाप. रवाही का आरोप लगाया है। उनकी मांग है कि बरसात के मौसम में हर क्षेत्र में एक सक्रिय रेस्क्यू टीम तैनात की जाए।

भूकंप से हिला घरों में रखा सामान, लोग डरकर निकले घरों से बाहर

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत/बडौत। गुरुवार सुबह करीब 9:10 बजे ज़मीन में हल्के झटके महसूस किए गए। कई घरों में सोफा, मेज और रिमोट तक हिलते दिखे। लोग डरकर बाहर निकल आए।

बड़ौत में गुरुवार सुबह करीब 9:10 बजे बागपत जनपद के कई इलाकों में अचानक ज़मीन कांपने का एहसास हुआ। हल्के झटकों ने कुछ सेकंड तक लोगों को बेचौन कर दिया। घरों में बैठे लोगों को महसूस हुआ कि उनके फर्नीचर हिल रहे हैं। कई लोगों ने देखा कि सोफा, मेज और यहां तक कि टीवी का रिमोट भी अपनी जगह से हिल रहा है। दोघट कस्बे की अरूणा ने बताया कि वह हाल में बैठी थीं तभी सोफा हिलने लगा। शुरुआत में लगा कि कोई भारी वाहन निकला है, लेकिन जब टेबल पर रखा रिमोट भी हिला, तो उन्हें भूकंप का शक हुआ। बड़ौत निवासी प्रभा ने कहा, मैं रसोई में थी, तभी दीवार से टिके बर्तन खड़कने लगे। बच्चे डर गए, तो मैं तुरंत बाहर निकल आई। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और किसी भी तरह की अफवाहों से बचें। केवल आधिकारिक स्रोतों से मिली जानकारी पर ही विश्वास करें।

स्कूल का रास्ता हुआ जलमग्न, बच्चों की शिक्षा पर मंडराया संकट

शाह टाइम्स संवाददाता

छपरौली। तूगाना गांव मे स्थित कंपोजिट विद्यालय के सामने का मुख्य रास्ता इन दिनों किसी तालाब का दृश्य पेश कर रहा है। लगातार हो रही बारिश और नाली निकासी की व्यवस्था ठप होने के कारण स्कूल के सामने भीषण जलभराव हो गया है। नतीजा यह कि मासूम बच्चों को स्कूल आने के लिए जान जोखिम में डालकर गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है।

स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि छोटे-छोटे बच्चे कभी रास्ते में फिसलकर गिर जाते हैं तो कभी जलभराव देखकर वापस घर लौट जाते हैं। अभिभावकों के अनुसार, कई बार बच्चे पानी में गिरने से चोटिल भी हो चुके हैं। स्कूल प्रशासन और अभिभावक दोनों ही चिंतित हैं कि अगर यही हालात रहे तो बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह से प्रभावित हो जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिक. ारी आंख मूंदे बैठे हैं। कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। वहीं, स्कूल में उपस्थिति भी दिन-प्रतिदिन घटती जा रही है। जलभराव के कारण कई अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से कतरा रहे है। जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त न होने से बच्चों का भविष्य अंधेरे में नजर आ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से जलनिकासी की व्यवस्था कर स्कूल के रास्ते को दुरुस्त कराया जाए, जिससे बच्चों की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रह सके। अन्यथा वे मजबूर होकर बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

एक नजर

परिजनों ने की एसपी से विकास के हत्यारों पर कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। विकास हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है जब मृतक विकास के परिजन एसपी ऑफिस पहुंचे और विकास की हत्यारों पर कार्रवाई की मांग की। पीड़ित परिवार का आरोप है कि जो लड़की विकास की अपने आपको उसकी पत्नी बता रही है उसका विकास से कोई संबंध नहीं था और साजिश के तहत विकास को घर पर बुलाया गया और उसकी हत्या कर दी गई और इस लड़की ने अपने परिवार के लोगों पर मुकदमा दर्ज कर एक और साजिश रच दी। कल वह अपने परिजनों से फैसला करेगी और विकास को न्याय नहीं मिल सकेगा। पीड़ित परिवार ने एसपी से शिकायत करते हुए आरती चौधरी और उसके परिजनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की और विकास के परिजनों की तहरीर पर मामला दर्ज करने की मांग की है।

नशा कहां से आता है और कौन बेचता है:शौकेंद्र खोखर

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। नगर के कोताना रोड पर स्थित एक रेस्टोरेंट में हिंदू युवा वाहिनी पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शौकेंद्र खोखर बदरखा ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि युवा वर्ग के खुन में नश रमता जा रहा है। युवा जोश के साथ होश खोते जा रहे हैं भविष्य को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से खोखला करने में लगे हुए हम सब समाजसेवियों को मिलकर यह कदम उठाना है।

आज के समय में किस कदर युवा वर्ग नशे की गिरफ्त में है। यह किसी से छुपा नहीं है लेकिन यह नशा कहां से आता है और कौन बेचता है शायद संबंधित विभाग इसकी जानकारी रखता होगा। यही नहीं देखना यह भी आता है कि अभिभावक भी इसके प्रति सचेत होने के बावजूद भी अपने बच्चों को इससे दूर नहीं कर पाते हैं न जाने कितने युवा इस नशे की बेहट चढ़कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं जबकि किसी भी देश के विकास को रफ्तार देने के लिए नई पीढ़ी का स्वस्थ रहना आवश्यक है। पिछले दो दशकों से देश में जितनी तेजी से नशीले पदार्थों का व्यापार फैला है, उससे न केवल देश में नशा करने वालों की संख्या बढ़ी है, बल्कि नशे ने बाल व युवा वर्ग के मन को भी प्रभावित किया है। वर्तमान में देश की युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा नशे की गिरफ्त में है। नशे के कारोबार का गांवों तक फलने-फूलने के पीछे सीमा पार बैठे तस्करों के अलावा अपने ही देश के कुछ लोगों का भी हाथ है। वे देश के भविष्य को शारी. रिक, मानसिक और आर्थिक रूप से खोखला करने में लगे हुए है। देश में सशक्त कानून होने और सीमा इलाकों में दिन-रात निगरानी होने के बावजूद नशे का कारोबार धड़ल्ले से जारी है तो यह प्रशासन की मिलीभगत और राजनीतिक शह के बगैर संभव नहीं है। आज किशोर और युवा नशे के प्रति आकर्षित हो रहे हैं, जो सचमुच चिंता का विषय है। सरकार को इस पर समय रहते गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। बृहस्पतिवार हिंदू युवा वाहिनी पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शौकेंद्र खोखर बदरखा कोताना रोड़ स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता करते हुए मिडिया से रूबरू हो रहे थे।

जिला अस्पताल में मरीजों की बढ़ती जा रही संख्या

शाह टाइम्स संवाददता

बागपत। बरसात के मौसम के साथ ही बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। जिला अस्पताल में रोजाना मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है। अधिकतर मरीज पेट संक्रमण से पीड़ित हैं। इसके अलावा बुखार और खांसी के मामले भी सामने आ रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने इस स्थिति से निपटने के लिए सभी सीएचसी और पीएचसी में अतिरिक्त डॉक्टरों की तैनाती कर दी है। साथ ही बेड की संख्या भी बढ़ाई गई है। बागपत के सीएमओ डा. तीरथ लाल के अनुसार बरसात में संक्रमण का खतरा अधिक रहता है। डॉक्टरों ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। उनका कहना है कि लोग आसपास सफाई रखें। तली हुई चीजों, बासी फल और खाने से परहेज करें। प्रोटीन युक्त भोजन, ताजे फल और तरल पदार्थों का सेवन अधिक करें। घर के आसपास पानी जमा न होने दें। किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी चिकित्सालय में उपचार कराएं।

बारिश के बाद तालाब ओवरफ्लो होने से घरों में भरा पानी

शाह टाइम्स संवाददाता

रटौल। डगरपुर गांव में तालाब ओवरफ्लो होने के कारण घरो मे पानी घुसने लगा है जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से जलभराव से निजात दिलाने की मांग की है। डगरपुर गांव मे तालाब को लेकर बड़ी समस्या बनी हुई है। बरसात शुरू होते ही तालाब ओवरफ्लो हो जाता है जिससे तालाब का गंदा पानी सड़क और घरो मे भरने लगता है जिससे लेकर ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि जलभराव के चलते मच्छर पैदा हो जाते है जिससे गांव में बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि तालाब की समस्या को लेकर वह कई बार उच्च अधिकारियों से मिल चुके है और समस्या का समाधान कराने की मांग कर चुके हैं लेकिन आज तक समस्या का समाधान नही हुआ है जिससे लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बना हुआ है। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

कंधे पर माता पिता को लेकर जा रहा कावड़ियां

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। एनसीआर क्षेत्र के दाहा, बडौत, बुढ़ाना बरनावा मार्ग से हरियाणा जाते हुए कावड़िया सावन माह में अलग-अलग अंदाज में हरिद्वार गोमुख से गंगाजल लेकर अपने माता-पीताओं को एक तरफ गंगाजल दूसरी तरफ अपने पिता एवं माता को कावड़ के साथ कंधे पर लेकर अपने-अपने मंदिरों की तरफ गांव में जा रहे हैं। एक तरफ कावड़ में 111 लीटर गंगाजल दूसरी तरफ 55 किलोग्राम वजन के साथ अपने पिता को कावड़ में लेकर शिव भक्त हरिद्वार से नंगे पांव छम छम करते हुए अपने गांव की तरफ जा रहा है। सावन माह शुरू होते ही बम बम भोले की गूंज क्षेत्र की सड़के मौसम सुहाना होते ही रिमझिम सावन के साथ केसरिया रंग में रंगने लगे हैं। अगर मन में श्रद्धा भाव है तो दुनिया में सब कुछ है। कांवड़ियों में भी इस समय भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। श्रद्धा और सेवा भाव से भरे इस कावड़िया का नाम श्रवण कुमार है। कावड़िया ने बताया कि हरिद्वार से कावड़ में गंगाजल एवं अपने पिता को बैठक दिल्ली के शिव मंदिर में अपने पिता के साथ जल अभिषेक करेंगे। हमने अपने पिता वचन दिया था जो हमने पूरा कर दिखाया है। हमारे ऊपर शिव भोले की कृपा है। जयकारा, वीर बजरंगी हर हर महादेव, ओम नम: शिवाय शिव का गुणगान करते हुए कावड़िया अपनी अपनी मंजिल को पार करने में लगे हुए हैं। हरिद्वार से दिल्ली पंजाब हरियाणा की तरफ जाने वाले कांवड़ियों का आवागमन होता दिखाई दे रहा है।

गुरु पूर्णिमा व जन्मदिवस कार्यक्रम में अजय बहोत को किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जनपद के बिलोचपुरा गांव में गुरु पूर्णिमा एवं जन्मदिवस कार्यक्रम में अ.भा. वा. नवयुवक संघ के जिला उपाध्यक्ष शिवचरण की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा जिला महामंत्री विनोद वाल्मीकि के पौत्र मयंक के जन्म दिवस के अवसर पर समाज के गणमान्य लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम में गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर अश्विनी कुमार द्वारा विस्तार से गुरु महिमा का गुणगान बताया तथा शिक्षक व शिक्षा बिना समाज का उत्थान संभव नहीं है। इस अवसर पर विना. ेद वाल्मीकि वह समाज के सम्मानित व्यक्तियों द्वारा नवयुवक संघ के जिलाध्यक्ष अजय बहोत का पगड़ी पहना कर स्वागत किया।

उन्होंने सभी का हृदय से आभार प्रकट किया तथा गुरु वाल्मीकि के पद चिन्हो पर चलने का आहवान किया। धन सिंह ने बताया कि मां से बड़ा कोई गुरु नहीं होता है। इस अवसर पर ठाकुर पदम सिंह सतीश वाल्मीकि सलेक चंद सुभाष प्रधान हिसावादा कृष्ण पाल पहलवान रामपाल महक सिंह संगीत वाल्मीकि राजीव अंकुर आदि उपस्थित रहे।

आचार्य ने दी विद्यार्थियों को धनुष बाण चलाने की दीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। नगर के छपरौली मलकपुर रोड डिवाइन ग्लोबल एकेडमी के निकट श्रीशिव गुरुकुल स्वध्याय केंद्र पर गुरु पूर्णिमा के अवसर ब्रह्मचा. रियों को अलार्म संदीप गौतम एवं आचार्य अनुज दिक्षित के द्वारा विद्यार्थियों को धनुष बाण चलाने की विद्यार्थियों को दीक्षा भी दी गई। धनुष बाण चलाने का प्रशिक्षण आचार्य विजय कुमार शास्त्री द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में गुरुकुल विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर आचार्य संदीप शास्त्री ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को अपने गुरुजनों का सम्मान करना उनके बताए मार्ग पर चलना माता-पिता की सेवा करना। यही हमारी सनातन संस्कृति का पावन ज्ञान धर्म है। हमें अपने गुरुजनों के बताएं मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने सनातन धर्म से जुड़े सभी सम्मानित जनपद बागपत के लोगों से आहवान करते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों को संस्कृतिवान बनाने के उद्देश्य से गुरुकुल विद्यालयों में अपने बच्चों को प्रवेश करना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम में वेदाचार्य श्याम वशिष्ठ डा.संदीप सांगवान डा.रेनू पवार के द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन भी विद्यालय परिसर में किया गया जिसमें सभी को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर आर्यन पंडित मनीष पंडित वरुण पंडित सार्थक पंडित हर्ष के अलावा काफी संख्या में विद्यालय के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में गुरुजनों आशीर्वाद लेकर उनके बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

सूचना

मेरे पुत्र का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपने पुत्र रूद्रा व पुत्रवूध साक्षी से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

विनोद पुत्र ईश्वर सिंह निवासी कुंदनपुरी कस्बा बडौत तहसील व थाना बडौत जनपद बागपत।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा नेताओं ने मठ-मंदिरों में जाकर साधु-संतों से लिया आशीर्वाद

शाह टाइम्स संवाददाता

सराय। भारतीय जनता पार्टी द्वारा गुरु पूर्णिमा पर भाजपा के पदा. धिकारियों व कार्यकर्ताओं ने शिक्षा, खेल, धर्म, समाज सेवा एवं अन्य क्षेत्रों में सक्रिय गुरुजनों का उनके निवास, संस्थान व मन्दिरों में जाकर सम्मान किया। साथ ही उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान भाजपा के प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी चन्द्रमोहन ने पुरा महादेव मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना के बाद मन्दिर के मुख्य पुजारी पंडित जय भगवान शर्मा का स्वागत करते हुए उन्हें भेंट स्वरूप शॉल देकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहला गुरु मां होती है। उसके बाद शिक्षा देने वाला और धर्म के मार्ग बताने वाला भी गुरु होता है।

भगवान परशुराम आकर करते है भगवान आशुतोष का जलाभिषेक:पं.अभिषेक

शाह टाइम्स संवाददाता

अनिल शर्मा, बडौत। भगवान परशुरामेश्वर पुरा महादेव मंदिर परिसर में मिडिया से रूबरू होते हुए मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित अभिषेक भारद्वाज एवं मुख्य पुजारी पंडित अक्षय भारद्वाज प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि एनसीआर क्षेत्र में भगवान परशुरामेश्वर पुरा महादेव मंदिर हिंडन नदी के तट पर विरा. जमान है। इस मंदिर में सावन माह की महाशिवरात्रि पावन पर्व पर लगभग 20 लाख का कावड़िया अपने-अपने नंगे पांव से हरिद्वार से चलकर परशुराम महादेव मंदिर पर जलाभिषेक करते है। बागपत का ऐतिहासिक परशुरामेश्वर पूरा महादेव मंदिर इन दिनों सुर्खियों मे है। वह परशुरामेश्वर पूरा महादेव मंदिर जहाँ खुद भगवान परशुराम ने भगवान शिव को प्रशनन करने के लिए एक शिवलिंग की स्थापना की थी और हरिद्वार से गंगा जल लाकर इस शिवलिंग पर चढ़ाया था। मुख्य पुजारी पंडित अभिषेक भारद्वाज एवं मुख्य पुजारी पंडित अक्षय भारद्वाज ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धांलुओं की माने तो आज भी भगवान परशुराम सुबह सुबह दिन निकलने से पहले आते है और शिव. लिंग भगवान आशुतोष का जलाभिषेक करते है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सनातन मे सात चिरनजीवी हैं। जो प्रत्येक युग मे अपनी उपस्तिथि दर्ज कराते है। उन्ही मे एक भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाने वाले भगवान परशुराम हैं। भगवान परशुराम ने बागपत के पुरा नामक स्थान पर एक शिवलिंग की स्थापना की थी और भगवान आशुतोष को प्रशन्न करने के लिए कठोर तप किया था और गंगोत्री से पवित्र गंगा जल पैदल ला कर भगवान आशुतोष के पिंडी रूपी स्वरूप पर जलभिषेक किया था। कहा जाता है कि इसके बाद ही से कांवड यात्रा का चलन शुरू हुआ था।

माता की हत्या के दोष से मुक्ति के लिए पुरा महादेव हिंडन नदी के किनारे में किया था तप 'इसके बाद शिवलिंग की स्थापना की थी।

पिता भक्त परशुराम ने अपने पिता की आज्ञा मान कर अपनी माता रेणुका का वध कर दिया था। परन्तु भगवान परशुराम अपनी माता रेणुका से भी बहुत स्नेह रखते थे। इसलिए अपनी माता की हत्या के श्राप से मुक्ति के लिए परशुराम ने इसी स्थान पर तपस्या करके अपनी माता और भाईयों के पुनरजीवंन दिलाया था।

रंग बदलता है परशुरामेश्वर पूरा महादेव मंदिर का शिव लिंग

परशुराम्श्वर महादेव मन्दिर मे स्थापित शिवलिंग चमत्कारी है और यह मौसम के अनुसार रंग बदलता रहता है। वही परशुरामेश्वर पूरा महादेव मंदिर पर श्रावण मास मे बीस लाख से अधिक कांवड़ियों का सैलाब उमड़ता है। मंदिरके मुख्य पुजारी पंडित अभिषेक भारद्वाज एवं मुख्य पुजारी पंडित अक्षय भारद्वाज ने कहा कि यहां शिव भक्त कावड़िये हरिद्वार व गंगोत्री से गंगा जल लाकर जलाभिषेक करते है और अपनी मनोकामनाएं पूरी कराते है। मान्यता है कि सावन की महा. शिवरात्रि पर तो जो भगवान आशुतोष पर जलाभिषेक करता है उसकी मनोकामनाएं पूरी होती है।

महलका गांव में करंट लगने से युवक की मौत

पांच बहनों का इकलौता भाई था मृतक, घर में छाया मातम

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। महलका गांव के कायम अली (22) पुत्र कादार हुसैन रिजवी देर रात अपने घर में इनवर्टर की लाइट को सही कर रहा था तभी अचानक से उसे करंट का तेज झटका लगा। बिजली के करंट से इतना तेज झटका लगा कि कायम अली की मौत हो गई। परिवार में कोहराम मचा है।

कायम अली अपने माता पिता की छह संतानों में इकलौता बेटा था और 5 बहनों का इकलौता भाई था। 29 फरवरी को कायम अली के पिता कादार हुसैन रिजवी की मौत कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से हो गई थी। अपने पिता की मौत के बाद परिवार में कमाने वाला एक ही सदस्य बचा था। बुधवार को कायम अली के स्वर्गीय पिता की मजलिस ए सोयम थी जिसका सारा इंतेजाम कायम अली ने किया था। कायम अली अपने मामाओं के साथ गुड़गांव में कार्य करता था।

कार्यकारिणी बैठक में गोला कुआं चौराहे का नाम...

पूर्व महापौर अय्यूब अंसारी के नाम पर रखने की मांग

लघु उद्योग पर कमर्शियल टैक्स लगाने का विरोध

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। गुरुवार को नगर निगम कार्यकारिणी बैठक बुलाई गई। जिसमें पार्षद फजल करीम ने मलिन बस्ती में रहने वाले लोगों पर नगर निगम द्वारा लगाया गया लघु उद्योग कमर्शियल टैक्स का विरोध किया। इसी के साथ गोला हुआ चौराहे का नाम पूर्व महापौर अय्यूब अंसारी के नाम रखे जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि नगर निगम मेरठ क्षेत्र की मलिन, दलित, अल्पसंख्यक बस्तियों में रहने वाले नागरिक लघु उद्योग के कार्य से जीवन यापन करते हैं। भारत सरकार व प्रदेश सरकार लघु उद्योगों बढ़ावा देने के लिए अनेकों योजना चला रही है लेकिन नगर निगम मेरठ ऐसे उद्योगों पर जबरन कमर्शियल टैक्स लगाकर उत्पीड़न कर रहा है लघु उद्योगों पर लगाए गए कमर्शियल टैक्स को खत्म किया जाए। गोला कुआं चौराहे का नाम पूर्व महापौर स्वर्गीय अयूब अंसारी के नाम पर रखा जाए।

वार्ड 71 एवं 72 के क्षेत्र गोला कुआं चौराहा स्थित मौलाना अब्दुल कलाम आजाद द्वारा के निकट स्थित नगर निगम भूमि को कब्जा मुक्त कराकर सौंदर्यकरण कराया जाए। उन्होंने कहा नगर निगम क्षेत्र में होने वाले निर्माण कार्यों का पार्षदों की संस्तुति पत्र के बिना निर्माण विभाग बिल बना रहा है तथा लेखा विभाग उसका भुगतान भी कर रहा है। जबकि ठेकेदारों द्वारा अधूरे पड़े काम को भी पूरा नहीं किया जाता। पार्षद संसुति पत्र के बिना भुगतान न किया जाए। इससे पार्षदों की छवि खराब हो रही है।

एक नजर

कालू प्रधान बने भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के नए जिला अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) द्वारा संगठनात्मक विस्तार के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए हरिराम सिंह वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष, ने कालू प्रधान को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) मेरठ जनपद का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। कालू प्रधान एक लंबे समय से किसान हितों के लिए संघर्षरत, निडर एवं जनप्रिय नेता रहे हैं। उन्होंने हमेशा गांव, किसान और मजदूर की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया है और सड़क से लेकर शासन-प्रशासन तक आवाज बुलंद की है। प्रदेश अध्यक्ष ने नियुक्ति की घोषणा करते हुए कहा कि कालू प्रधान जैसे जमीनी नेता को जिलाध्यक्ष बनाना संगठन को जनपद स्तर पर और अधिक मजबूत करेगा। उनकी कार्यशैली और किसान संघर्ष की पहचान संगठन की ताकत बनेगी। संगठन के कार्यकर्ताओं और किसानों में घोषणा के बाद उत्साह की लहर है।

डीएम की अध्यक्षता में हुई कर करेत्तर तथा राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम डॉ. वी.के. सिंह द्वारा कर करेत्तर तथा राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक की गयी। डीएम द्वारा आबकारी, स्टाम्प डयूटी, वाणिज्य कर, प्रवर्तन, खनन, मत्स्य, मंडी, नगर पालिका एवं नगर पंचायत की कर करेत्तर की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया गया कि कर वसूली के संबंध में संबंधित अधिकारी रणनीतिक रूप से कार्यवाही करते हुये वसूली में प्रगति लाया जाना सुनिश्चित करे। उन्होंने तहसीलदारो को अपनी कार्यप्रणाली सुधारने के निर्देश दिये। कहा कि 15 दिन के अंदर खतौनी का कार्य पूर्ण कर लिया जाये। जनता की शिकायतो का तत्काल निस्तारण किया जाए।

सेना भर्ती का संदेश लेकर गौतमबुद्ध नगर पहुंचा कारवां टॉकीज अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के सुदूर जिलों में युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से एक आउटरीच पहल के तहत, सेना भर्ती कार्यालय, मेरठ के तत्वावधान में भारतीय सेना का कारवां टॉकीज अभियान सरस्वती बाल विद्या मंदिर स्कूल, रबूपुरा पहुंचा और सेना में भर्ती होने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीधे भर्ती का संदेश दिया। भारतीय सेना में भर्ती पहल के तहत शुरू किया गया यह ऑडियो-विजुअल अभियान 9 जुलाई 2025 से 12 जुलाई 2025 तक गौतमबुद्ध नगर जिले के विभिन्न स्कूलों और कालेजों में चलेगा।

इस अभियान के तहत, पहले दिन (9 जुलाई) कारवां गौतमबुद्ध नगर के रबूपुरा स्थित सरस्वती बाल विद्या मंदिर स्कूल में रुका, जहां बड़ी संख्या में युवा इस आउटरीच पहल को देखने के लिए एकत्रित हुए। दूसरे दिन (10 जुलाई) सेना का कारवां टॉकीज अभियान ज्ञानदीप इंटर कालेज, रबूपुरा पहुंचा और उसके बाद अकालपुर गांव में पहुंचा जहां बड़ी संख्या में छात्रों और युवा उपस्थित लोगों ने अभियान देखा और सेना भर्ती प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। भारतीय सेना के कारवां टॉकीज अभियान में शामिल विशेष रूप से डिजाइन किया गया। वाहन एक बड़ी एलईडी डिस्प्ले स्क्रीन, सार्वजनिक घोषणा प्रणाली और भारतीय सशस्त्र बलों की शक्ति, अनुशासन और करियर के अवसरों को दर्शाने वाले आकर्षक पोस्टर और बैनर से सुसज्जित है। इस अभियान के तहत, भारतीय सेना में भर्ती होने के इच्छुक युवाओं के सीधे द्वार तक पहुंचती है। इस दौरान, सेना के प्रतिनिधियों ने भर्ती प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

गुरू पूर्णिमा पर गुरु वंदन व छात्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। कैंट स्थित गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल में भारत विकास परिषद मेरठ संस्कार शाखा की ओर गुरू पूर्णिमा के अवसर पर गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ. कर्मेन्द्र सिंह को शाखा की अध्यक्ष डॉ. अंजलि मित्तल एवं मेरठ कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं संस्थापक एस.के. अग्रवाल द्वारा शॉल, बुके एवं मोमेन्टों देकर सम्मानित किया गया।

वहीं समिति के सदस्यों ने स्कूल की हैड मिस्ट्रेस प्रभा राव, हिंदी विभाग की अध्यक्ष, डॉ. पूनम नागर सहित स्कूल के दो बच्चों करन छारी एवं अंशुमान को भी सम्मानित किया। भारत विकास परिषद के संस्थापक लोकेश गोयल एवं अमरीश गुप्ता ने गुरू पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस पुरस्कार वितरण समारोह में समिति के सदस्यों में अमरीश गुप्ता संस्थापक, जे. एल. गुप्ता, मार्गदर्शक, अंशु गोयल, प्रान्तीय चेयरमैन एवं उमेश कुमार कोषाध्यक्ष आदि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों और छात्रों की मेहनत और समर्पण को पहचानना और सम्मानित करना था। अंत में प्रधानाचार्य डॉ. कर्मेन्द्र सिंह ने सभी संस्कार शाखा के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

135 व 110 लीटर जल लेकर आ रहे नांरगपुर जटोला के कांवड़िये

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। हरिद्वार हरकी पैडी से 135 लीटर एवं 110 लीटर का जल उठाकर चले थाना किला परीक्षितगढ़ क्षेत्र के नारंगपुर जटोला के कांवड़िये 23 जून को हरकी पैड़ी से जल लेकर पैदल आ रहे हैं कावड़िये चंद्रास्वामी, शेखर निगम आदि ने बताया कि सावन मास के जलाभिषेक करने के लिए 23 जून से हरिद्वार जल लेकर वापस नांरगपुर जटौला के लिए आ रहे हैं उन्होंने बताया कि 23 जुलाई को अपना गंतव्य पूरा कर भगवान आशुतोष का जलाभिषेक करेंगे। एक कांवड़ 135 एवं 110 लीटर जल उठाकर वापस चले हैं। जगह-जगह कांवड़ियों का स्वागत कर रहे हैं।

आदर्श नगर पंचायत में अधिशासी अधिकारी ने संभाला अतिरिक्त कार्यभार

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। आदर्श नगर पंचायत में अधिशासी अधिकारी की कुर्सी खाली पड़ी हुई थी। जिसमें अतिरिक्त कार्यभार एसडीएम मवाना को दिया गया था। महीनो बाद जिलाधिकारी मेरठ ने हर्रा में तैनात अधिशासी अधिकारी हरि नारायण सिंह को अतिरिक्त कार्यभार सौपा था। जिसमें गुरुवार को आदर्श नगर पंचायत बहसूमा का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया है। उनके आने पर वरिष्ठ लिपिक मोहम्मद कामिल खा, भाजपा नेता अमित गोयल, सभासद वीरेंद्र नागर सभासद दीपक गुर्जर, सभासद पति सूरजपाल सिंह, सभासद पति सचिन कश्यप, ऋषभ गोयल, संदीप कुमार, मुन्ना लाल यादव, बिन्दर नागर, विकास लांबा ने गुलदस्ता देखकर स्वागत किया।

क्रिकेट खेलने को लेकर विवाद में हुई फायरिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। क्रिकेट खेलने को लेकर हुए विवाद में बाइक सवार युवकों ने दूसरे युवक पर फायर कर दिया। फायरिंग की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के संबंध में एक नामजद व अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। कस्बे के मौहल्ला मेजर अब्दुल हमीद निवासी आसिफ पुत्र लियाकत का मंदवाडी मार्ग पर स्थित सिंचाई विभाग खंडर पडी कोठी के पास क्रिकेट खेलने को लेकर विवाद हो गया था। इस दौरान मारपीट के बाद फैसला हो गया था घटना के बाद दोनों पक्षों में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बताया गया है कि आसिफ गुरुवार शाम को बातनौर गया था असिफ ने थाने मे दी तहरीर मे कहा है दो बाइक पर सवार होकर कुछ युवक आए उन्होंने जान से मारने की नियत से उस पर गोली चला दी हालांकि गोली किसी को नहीं लगी। पुलिस जांच में जुटी है।

पुलिस अधिकारी कांवड़ियो के साथ रखें मधुर व्यवहारः एडीजी

एडीजी व आयुक्त ने कांवड़ यात्रा से संबंधित की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। गुरुवार को पुलिस लाईन सभागार में एडीजी भानु भास्कर तथा आयुक्त मेरठ मंडल हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा कांवड़ यात्रा को सकुशल व शांतिपूर्वक संपन्न कराये जाने हेतु संबंधित समस्त अधिकारियो के साथ बैठक आहूत की गई।

एडीजी भानु भास्कर ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान हर कर्मचारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है इसलिए समस्त अधिकारी व कर्मचारी ससमय अपनी डयूटी पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात प्रबंधन महत्वपूर्ण होता है। कोई कावंड़िया गलत दिशा में न चले तथा उनके वाहनो की गति नियंत्रित हो। उन्होंने कहा कि समस्त अधिकारी कर्मचारी अपने दायित्वो का ईमानदारी से निवर्हन करें। उन्होंने कहा कि कोई भी कांवड़ शि. विर हाईटेंशन लाईन के नीचे न हो यह सुनिश्चित किया जाये तथा जेनरेटर कांवड़ शिविर से दूर लगाया जाये। कहा कि समस्त अधिकारी कर्मचारी कांवड़ियो के प्रति अच्छा व्यवहार रखे। उन्होंने कहा कि डीजे के ऊंचाई तथा उसकी आवाज मानक के अनुसार हो यह सुनिश्चित किया जाये। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाये। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों का चिन्हांकन कर लिया जाये तथा छोटी से छोटी घटना होने पर तत्काल कार्यवाही की जाये। लापरवाही पर कार्रवाई की जाएगी।

एआई-आधारित छात्र परियोजना में एपीएस को मिली 14वीं रैंक

शाह टाइम्स संवाददाता

कंकरखेड़ा। नीति आयोग द्वारा अटल इनोवेशन मिशन एआईएम, शिक्षा मंत्रालय और यूनिसेफ के बैनर तले आयोजित एटीएल मैराथन 2023-24 के लिए शीर्ष 150 परियोजनाओं की सूची जारी की गई है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल विद्यालय की एक एआई-आधारित छात्र परियोजना को 14वीं रैंक प्राप्त हुई है। **परियोजना की विशेषता...** एआई एक अत्याधुनिक समाधान है। जो वास्तविक समय में चालक की मुद्रा की निगरानी के लिए कन्वा ल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क सीएनएन का उपयोग करता है। यदि गलत मुद्रा का पता लंबे समय तक चलता है, तो यह प्रणाली पहले वाहन की गति को कम करती है और फिर दुर्घटनाओं को रो. कने के लिए इसे धीरे-धीरे रोकती है, जिससे सुरक्षित ड्राइविंग आदतों और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। **परियोजना के विकासकर्ता...** इस परियोजना का विकास ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों, दीप पंवार और अंश ने कंप्यूटर साइंस की शिक्षिका मिस युक्ति के मार्गदर्शन में किया है। उनके सहयोगात्मक प्रयास ने भविष्य के लिए तैयार एआई आधारित समाधानों को आकार देने में युवा दिमागों की क्षमता को प्रदर्शित किया है। विद्यालय के छात्रों की इस उपलब्धि पर प्रधानाचार्या डॉ. रीटा गुप्ता ने उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही विद्यालय के लिए इसे गौरव का पल बताया।

सीसीएस मार्ग पर शुरु हुआ भोलों का आगमन

शाह टाइम्स संवाददाता

जानी खुर्द। चौधरी चरण सिंह कांवड़ मार्ग पर गुरुवार को कांवड़ियों का आगमन शुरू हो चुका है। भोला झाल चौकी से लेकर निवाड़ी जानी बॉर्डर तक पुलिस व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस के सिपाही तैनात हो गए। भारी वाहनों पर भी विशेष ध्यान रखना शुरू हो गया है। कांवड़ियों को कोई परेशानी न हो इस के लिए चाक सुरक्षा चोबंद हो गई है। सभी पुलिसकर्मी अपनी अपनी ड्यूटी पर पहुंच रहे हैं। वहीं जानी थाना प्रभारी निरीक्षक महेश सिंह राठौर ने बताया की कांवड़ यात्रा पर सावधानियां बरतीं जा रही है भारी वाहनों को विशेष रूप से रुट बदल दिए जायेंगे और हर शिविर में विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सादी वर्दी में पुलिस फोर्स तैनात रहेगा। संदिग्ध व्यक्तियों व हुड़दंग करने वालो पर पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है।

अपने हक की लड़ाई लड़ने में पीछे नहीं हटेगा सफाई मजदूर संघः कैलाश चंदोला

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। स्थानीय निकाय सफाई मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कैलाश चंदोला द्वारा नगर निगम मेरठ प्रशासन से लेकर, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश तक, निम्न वर्णित मांगे की जा रही हैं, और समय-समय पर जरुरत पड़ने पर आंदोलन भी किए हैं।

इसी क्रम में उन्होंने एक ज्ञापन सौंपा है उनका कहना था कि सफाई कर्मियों की अनदेखी से सफाई मजदूर वर्ग, में भारी रोष एवं आक्रोश व्याप्त हैं, जो आक्रोश मतदान के दिन लावा बनेगा। नगर निगम मेरठ की आबादी, लगभग 30 लाख पहुंच गई है, 10 हजार की आबादी पर 28 सफाई कर्मियों के मानक के अनुसार 8400 सफाई कर्मियों की आवश्यकता है, जिस आवश्यकता की अनदेखी के कारण प्रति सफाई कर्मी को, 2 व 3 सफाई कर्मियों की क्षमता का कार्य करना पड़ रहा है। नगर निगम मेरठ बोर्ड द्वारा ठेकेदारी खत्म करने का बोर्ड प्रस्ताव, उ प्र सरकार के प्रतिनिधि, मंत्री, सांसद विधायक गणों की उपस्थिति और स्वीकृति से पारित किया गया था, जिस प्रस्ताव का सबके विकास अंत्योदय और गरीब कल्याण की प्रतिबद्धताओं का महिमा मंडन करने वाले सिस्टम सरकार द्वारा मंजूरी नहीं दी, स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रभारी मंत्री डॉ. धर्मपाल सिंह को सैकड़ों प्रतिवेदन मांग पत्र सौंपें गए, लेकिन सभी मांग पत्र को लेकर, डस्टबिन में फेंक दिया गया। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों के हको की आवाज दबाई जा रही है। नगर निगम मेरठ में सफाई कर्मियों के स्वीकृत 3367 पदों में से समय-समय पर रिक्त पदों के सापेक्ष नगर निगम द्वारा भर्ती किए गए नगर निगम द्वारा नियोजित अनुसूचित जाति के सफाई कर्मियों को ठेकेदारी में धकेलने का जिस शासनादेश को हथियार बनाया गया है, वह शासनादेश, सफाई कर्मियों पर लागू नहीं होता है। नगर निगम द्वारा 29 अप्रैल के शासनादेश का गलत मतलब निकाला गया है। जिससे सफाईकर्मी के जीवन बर्बाद हो गये। सफाई मजदूर वर्ग के हित में संघर्षरत साथियों में विनेश विद्यार्थी, कपिल भुरंडा, अर्जुन महरोल, प्रवीण महरोल, संदीप वेद, राजेन्द्र शुक्ला, अनिल पिव्हाल, रविन्द्र वैरागी, अर्जुन करोतिया, नरेश, योगेश, विकास पार्चा, जोनी आदि रहे।

मंडलायुक्त और डीआईजी ने हापुड़ व बुलन्दशहर में किया कांवड़ मार्ग का भ्रमण

भीड़ वाले क्षेत्रों में कतार बनाकर निकाले जाएं कांवड़िये: कलानिधि नैथानी

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मंडलायुक्त मेरठ हषिकेश भास्कर यशोद एवं पुलिस उप महानि. रीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने जनपद मेरठ, हापुड़ व बुलन्दशहर' में पुलिस एवं प्रशास. निक अधिकारियों के साथ मेरठ से बुलंदशहर जाने वाले नहर पटरी कांवड़ मार्ग का भ्रमण किया गया। थाना परीक्षितगढ़, किठौर, हापुड़ के थाना सिम्भावली व बुलन्दशहर के थाना स्याना क्षेत्रन्तर्गत नहर पटरी कांवड़ मार्ग व अंबकेश्वर महादेव मंदिर अहार का भ्रमण किया गया। कांवड़ मार्गो पर अस्थाई पुलिस चौकिया बनाई गई है तथा वेरीकेटिंग की व्यवस्था की गई है। भ्रमण के दौरान परिलक्षित हुई कमियों को शीघ्र दूर करने एवं व्यवस्थाओ को दुरुस्त करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी गण को दिये गये।

साथ ही कांवड़ डयूटी में लगे समस्त पुलिस बल को उनके कर्तव्यो से अवगत कराया गया। जनपद मेरठ में निरीक्षण भ्रमण के दौरान एसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा, एसपी ट्रैफिक राघवेन्द्र मिश्र, एसडीएम मवाना संतोष कुमार सिंह, सीओ सदर देहात शिवप्रताप सिंह, सीओ किठौर प्रमोद कुमार सिंह, जनपद हापुड़ में

अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर, एसडीएम गढ़मुक्तेश्वर अंकित वर्मा, सीओ गढ़मुक्तेश्वर वरुण मिश्रा व जनपद बुलन्दशहर में एसएसपी दिनेश कुमार सिंह, एसपी सिटी शंकर प्रसाद, एसपी ग्रामीण तेजवीर सिंह, सीओ स्याना प्रखर पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

मजदूर विरोधी चारों श्रम संहिताओं को वापस लो के लगे नारे

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। मजदूरों, कर्मचारियों, किसानों, छात्रों, नौजवानों और आम जनता की समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित अखिल भारतीय हड़ताल का इंडस्ट्रियल लॉ रिप्रेजेंटेटिव एसो सिएशन मेरठ ने बुधवार को कार्य का बहिष्कार किया और हड़ताल का समर्थन किया और जिलाधीश के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में मांग की गई है कि देश के मजदूर किसान नौजवान और आम जनता, आज विभिन्न समस्याओं से जूझ रही है। गरीबी, अपराध, बेरा. जगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई तेज गति से बढ़ रही हैं। सरकार की जन विरोधी नीतियों जैसे सार्वजनिक विभागों का निजीकरण, स्कूलों का

जर्जर स्थिति और समाप्ति, पर्यावरण विनाश, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण और मजदूरों को गुलाम बनाने वाली चार श्रम सं. हताओं की वजह से जनता परेशान है और लगातार कोशिशों के बाद भी उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। इंडस्ट्रियल लॉ रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन का कहना है कि सरकार द्वारा बनाई गई चार श्रम संहिताएं में मजदूरों के अधिकारों पर बहुत भयंकर हमला है। इससे मजदूरों के हितकारी सारे कानून छीन लिए गए हैं इसे वापस लिया जाए। इस दौरान मुनेश त्यागी अध्यक्ष, नवीन भारद्वाज, दिनेश यादव, तेजेंद्र सिंह सचिव और कोषाध्यक्ष निखिल दुबलिश आदि सदस्य मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर शोभा यात्रा संग निकाली साई पालकी

साईं बाबा का डोला रहा आकर्षक का केंद्र

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगानगर। दीवाना तेरा आया बाबा तेरी शिरडी में, मस्ती में रंग मस्ताने हो गए साईं तेरे नाम के दीवाने हो गये आदि भजनों के साथ कसेरूखेड़ा स्थित साईं बाबा मंदिर के प्रांगण से गुरुवार को शोभा यात्रा सहित भव्य साईं पालकी निकाली गई। गुरुवार को गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कसेरू खेड़ा के नई मंडी स्थित साईं बाबा मंदिर में सुबह साईं बाबा को मंगल स्नान कराया गया। गुरु स्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर गुरु पूर्णिमा शहनाई की धुन पर साईं बाबा की फूलो से सजी भव्य पालकी, शोभा यात्रा मंदिर प्रांगण से निकाली गई जो कसेरू

खेड़ा मैन बाजार, ऊंचा मोहल्ला, सैनिक कालोनी, मारवाड़ी मोहल्ला आदि क्षेत्रों से होते हुए वापसी मंदिर प्रांगण में आकर समाप्त हुई। साईं बाबा के डोले का पूजन सभी साईं भक्तों ने संयुक्त रूप से किया तो साईं बाबा का तिलक मंदिर के संस्थापक राजू साईं के द्वारा किया गया। फूलों से सजे डोले पर जब साईं बाबा ने नगर भ्रमण किया तो पूरा क्षेत्र साईं के रंग में रंग गया। साईं बाबा के डोले से किसी की नजर ही नहीं हट पा रही थी और सभी साईं भक्त बाबा के दर्शन कर अपने को धन्य मान रहे थे। साईं पालकी एवं साईं डोले का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। साईं पालकी में उपस्थित श्रद्धालु साईं भजनों की धुन पर नाचते गाते नजर आए। साईं पालकी, शोभा यात्रा के बाद मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे व साईं भजन कीर्तन का आयोजन भी किया गया जिसमें साईं भक्तों ने ऐसे साईं भजन गाये कि उपस्थित श्रद्धालु थिरकने पर मजबूर हो गए शाम तक चले साईं भजन कार्यक्रम में भक्त साईं की भक्ति में सरोवर होते रहे साईं भजनों से सजी दोपहरी का भक्तों ने आनंद उठाया तो वातावरण साईं भक्ति की खुशबू से महक उठा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंदिर संयोजक राजू साईं, जितेंद्र शर्मा, वरूण वशिष्ठ, महेश सैनी, सुभाष कोरी, दलीप, विनीत कोरी, अमित यादव, देवराज कर्नव, भावना, शकुन्तला, काकी, किरण, अनिता, कंचन, कशिश, छाया रहीं।

नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। थाना क्षेत्र के ग्राम चितमाना शेरपुर स्थित नेहरू स्मारक इंटर कालेज में प्रधानचार्य फरमान अली के नेतृत्व मे वृक्षारा. पण कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर नोडल अधिकारी हरीश कुमार व सह प्रभारी संदीप कुमार ने बच्चो को वृक्षारोपण के लाभ बताये वहीं बच्चो के साथ उनके परिजन भी मौजूद रहे तथा अलग-अलग किस्म के तीन सौ पौधे रोपे गये। इस मौके पर समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

भारतीय महिला टीम ने रचा इतिहास

भारत ने इंग्लैंड में सीरीज जीती

● भारतीय महिला टीम ने चौथे टी-20 मैच में इंग्लैंड को 18 गेंद शेष रहते छह विकेट से हराया, राधा यादव को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया

मैनचेस्टर, वार्ता। राधा यादव और श्री चरणी (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद स्मृति मंधाना (32) और शेफाली वर्मा (31) की शानदार पारियों की मदद से भारतीय महिला टीम ने चौथे टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को 18 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त बना ली है। राधा यादव को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। बुधवार देर रात खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड के 127 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला टीम के लिए स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 56 रन जोड़े। सातवें ओवर में शार्लेट डीन ने शेफाली वर्मा (19 गेंदो में 31 रन) को आउट इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी जेमिमाह रॉड्रिग्स ने मंधाना के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। नौवें ओवर में सोफी एक्लस्टोन ने स्मृति मंधाना (31 गेंदों में 32 रन) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। भारत का तीसरा विकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर (26) रन के रूप में गिरा। अमनजोत कौर (दो) रनआउट हुई। भारतीय टीम ने 17 ओवर में चार विकेट पर 127 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। जेमिमाह रॉड्रिग्स (22) और ऋचा घोष सात रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड की ओर से शार्लेट डीन, सोफी एक्लस्टोन और इसी वॉन्ग ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 126 रनों का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 21 रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट डेनियल वायट (पांच) के रूप में गंवा दिया। उन्हें श्री चरणी ने अरुंधति के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने लिए सोफिया डंकली (22) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। टैमी बोमॉन्ट (20) को राधा यादव ने तथा ऐलिस कैप्सी (18) को श्री चरणी ने पगबाधा आउट किया। एमी जोंस (नौ), पेज स्कोफील्ड (16) और शार्लेट डीन (चार) रन बनाकर आउट हुई। सोफी एक्लस्टोन (16) और इसी वॉन्ग 11 रन बनाकर नाबाद रही। भारत की ओर से राधा यादव और श्री चरणी ने दो-दो विकेट लिए। अमनजोत कौर और दीप्ति शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

महिला टी-20 विश्व कप 2026 के लिए तीन स्थानों पर होंगे अभ्यास मैच

दुबई, वार्ता। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बर्मिंघम में 12 जून से शुरू होने वाले महिला टी-20 विश्वकप 2026 से पहले कार्डिफ सोफिया गार्डन्स, डर्बी काउंटी ग्राउंड और लॉफबोरो विश्वविद्यालय में अभ्यास मैच खेले जायेंगे। तीनों स्थलों ने हाल के दिनों में महिला क्रिकेट के महत्व को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अगले साल इंग्लैंड और वेल्स द्वारा आयोजित होने वाले टी-20 विश्वकप के 10वें संस्करण से पहले ये अभ्यास मैचों की मेजबानी करेंगे। इस टी-20 विश्वकप में भाग लेने वाली 12 टीमों में से आठ का चयन हो चुका है और अगले साल की शुरुआत में महिला टी-20 विश्व. कप क्वालीफायर के जरिए अंतिम चार टीमों का फैसला होगा। ये 12 टीमें 2026 में इंग्लैंड और वेल्स के सात स्थानों पर 24 दिनों तक 33 मैच खेलेंगी और खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगी। आईसीसी ने टी-20 विश्वकप के कार्यक्रम और ग्रुप की घोषणा पिछले महीने की थी। इंग्लैंड 12 जून को बर्मिंघम में टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रीलंका की मेजबानी करेगा और उसके बाद पांच जुलाई को लॉर्ड्स में फाइनल होगा।

ग्रुप-1 में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत और पाकिस्तान के साथ-साथ ग्लोबल क्वालीफायर की दो टीमें शामिल हैं।

ग्रुप-2 में मेजबान इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और ग्लोबल क्वालीफायर की अन्य दो टीमें शामिल हैं। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले एजबस्टन, हैम्पशायर बाउल, हेड्डिंग्ले, ओल्ड ट्रैफर्ड, द ओवल, ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड और लॉर्ड्स में खेले जायेंगे।

ओमान करेगी टी-20 विश्वकप एशिया और पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालिफायर की मेजबानी

● 12 से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिए 9 टीमों को तीन-तीन के तीन समूहों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सुपर सिक्स चरण में पहुंचेगी

दुबई, वार्ता। ओमान अक्टूबर में होने वाले टी-20 विश्वकप एशिया और पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालीफायर की मेजबानी करेगा। ओमान होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप एशिया और पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालीफायर में नौ टीमें भाग लेंगी। 12 से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिए इन नौ टीमों को तीन-तीन के तीन समूहों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी।

2024 के उप-क्षेत्रीय क्वालीफायर कुवैत, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, जापान और समोआ, नेपाल, पापुआ न्यू गिनी और मेजबान टीम अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व. कप में तीन स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। इन टीमों में से ओमान, नेपाल, पापुआ न्यू गिनी और संयुक्त अरब अमीरात पहले पुरुष टी-20 विश्वकप में भाग ले चुके हैं। यह टूर्नामेंट 10 दिनों तक चलेगा, जिसमें ग्रुप चरण के मुकाबले आठ से 10 अक्टूबर तक होंगे। सुपर सिक्स चरण के आखिर में, शीर्ष तीन टीमें भारत और श्रीलंका में आयोजित होने वाले पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह पक्की करेंगी। ग्रुप 1 में संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया और कतर शामिल हैं, जबकि ग्रुप 2 में नेपाल और कुवैत के साथ-साथ पूर्वी एशिया-प्रशांत की उभरती हुई ताकत जापान शामिल है। मेजबान ओमान, पापुआ न्यू गिनी और समोआ के साथ ग्रुप 3 में है। इस बीच, पूर्वी एशिया-प्रशांत महिला टीम की टी-20 विश्व कप 2026 में शुरुआत की भी घोषणा कर दी गई है, जो सितंबर में होने वाले क्वालीफाइंग स्पर्धा के जरिए होगी। आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप ईएपी क्वालीफायर 9-15 सितंबर तक फिजी के सुवा में आयोजित किया जाएगा। मेजबान टीम क्वालीफायर के लिए वानुअतु, पापुआ न्यू गिनी, इंडोनेशिया, जापान, समोआ, कुक आइलैंड्स और फिलीपींस का स्वागत करेगी। फाइनल से पहले टीमों को चार-चार के दो समूहों में विभाजित किया जाएगा, जहां विजेता टीम आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप ग्लोबल क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई करेगी।

राधा यादव ऑस्ट्रेलिया दौरे पर संभालेगी भारत 'ए' टीमों की कप्तानी

बीसीसीआई की महिला चयन समिति ने 7 से 24 अगस्त तक होने वाले आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम घोषित की

नई दिल्ली, वार्ता। लेफ्ट आर्म स्पिनर राधा यादव अगस्त में ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत ए टीमों की कप्तानी संभालेंगी। भारत इस दौरे में तीन टी-20 व इतने ही 50 ओवर के मैच खेलेगा, जिसके बाद एक चार दिवसीय मैच होगा। बीसीसीआईकी महिला चयन समिति ने 7 से 24 अगस्त, 2025 तक होने वाले आगामी बहु प्रारूप ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत ए महिला टीम की घोषणा कर दी है।

भारत ए महिला टीम तीन टी-20 और इतने ही 50 ओवर के मैच खेलेगी, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एक चार दिवसीय मैच होगा। यह दौरा 7 अगस्त, 2025 को मैके में शुरू होगा, जहां तीन टी-20 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद मुकाबला नॉर्थ्स, ब्रिस्बेन में होगा, जहां तीन 50 ओवर के मैच खेले जाएंगे और उसके बाद एलन बॉर्डर फील्ड में चार दिवसीय मैच खेला जाएगा।

टी-20 टीम: राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, डी-वृंदा, सजना , उमा छेत्री (विकेटकीपर), राघवी बिस्ट, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, जोशिता वीजे, शबनम शकील, साइमा ठाकोर, तितास साधु

वनडे और बहु-दिवसीय टीम: राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, तेजल , राघवी बिस्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, नंदिनी , धारा, जोशितो, शबनम शकील, साइमा र, तितासु (श्रेयंका व प्रियाका चयनित हुई।

डोप परीक्षण में विफल होने पर जैस्मीन निलंबित

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय शॉटपुट खिलाड़ी जैस्मीन कौर को नाडा ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है, क्योंकि उनके डोप परीक्षण में प्रतिबंधित पदार्थ की मौजूदगी का पता चला है। जैस्मीन का नाम अस्थायी निल. बन के तहत आने वाले एथलीटों की नवीनतम सूची में शामिल है, क्योंकि उनका परीक्षण टरबुटालाइन के लिए सकारात्मक आया था। टरबुटालाइन को एक उत्तेजक पदार्थ के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह अक्सर आम खांसी की दवाइयों में पाया जाता है। पंजाब का प्रतिनिधित्व करने वाली 22 वर्षीय इस एथलीट ने इस साल की शुरुआत में देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में 15.97 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक जीता था।

रियल मैड्रिड को 4-0 से हराकर पीएसजी क्लब विश्वकप के फाइनल में

न्यूयॉर्क, वार्ता। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने स्पेनिश दिग्गज रियल मैड्रिड को 4-0 से रौंदकर फीफा क्लब विश्वकप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। अब उसका मुकाबला पहले सेमीफाइनल की विजेता चेल्सी एफसी से होगा। मेटलाइफ स्टेडियम में बुधवार रात खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में पीएस जी की ओर से फैबियन रुइज ने (छठे, 24वें) मिनट में गोल किये। वहीं ओस्मान डेम्बेले ने नौवें मिनट में गोल दागा। इसके आलवा स्थानापन्न गोंकालो रामोस ने 87वें मिनट में गोल करके अपनी की जीत सुनिश्चत कर दी। इस जीत के साथ ही फांसीसी चैंपियन ऐतिहासिक चौथा खिताब जीतने के बेहद करीब पहुँच गया है। मुकाबले में दो बेहतरीन गोल करने वाले रुइज को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम ने आयरलैंड को हराया

● टीम के शानदार खेल की बदौलत भारत ए ने आयरलैंड को 6-0 से हराकर दूसरी जीत दर्ज की

नीदरलैंड, वार्ता। भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने अपने दूसरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए आयरलैंड को 6-0 से हराया। भारत ने आयरलैंड को पहले मैच में 6-1 से हराया था। बुधवार को यूरोपीय दौरे पर खेले गए दूसरे मुकाबले में भारत ए के उत्तम सिंह ने शुरुआत में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। कप्तान संजय ने गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया।

इसके बाद मिडफील्डर मोहम्मद राहील मौसीन ने लगातार दो प्रभावशाली गोल दागे। अमनद. ीप लाकड़ा और वरुण कुमार की ओर से किये एक-एक गोल किये। टीम के शानदार खेल की बदौलत भारत ए ने आयरलैंड को 6-0 से हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की। मैच के बाद भारतीय ए टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा कि आयरलैंड के खिलाफ हमारे दो मैच वाकई अच्छे रहे हैं और मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुश हूँ। अब हमारा मुकाबला फांसीसी टीम से होगा और उम्मीद है कि हम उतना ही प्रभावशाली प्रदर्शन करेंगे। भारत ए पुरुष हॉकी टीम का अगला मुकाबला इसी मैदान पर शनिवार को फ्रांस से होगा।

एमसीसी संग्रहालय में सचिन तेंदुलकर के पोर्ट्रेट का अनावरण

लंदन, वार्ता। लॉर्ड्स में इंग्लैंड बनाम भारत पुरुष रोथसे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को खेल शुरू होने से पहले एमसीसी संग्रहालय में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के चित्र का अनावरण किया गया। कलाकार स्टुअर्ट पियर्सन राइट द्वारा बनाया गया यह चित्र इस साल के अंत तक एमसीसी संग्रहालय में रहेगा, जब इसे पवेलियन में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। तेंदुल. कर अब तक के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक हैं। 1989 से 2013 तक 24 साल के अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में, तेंदुलकर ने भारत के लिए टेस्ट, एकदिवसीय और टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 34,357 रन बनाए। यह कुल स्कोर दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज कुमार संगकारा (28,016) से 6,000 रन से ज्यादा है। यह चित्र कलाकार द्वारा 18 साल पहले मुंबई स्थित तेंदुलकर के घर में ली गई एक तस्वीर से लिया गया है। जैसे-जैसे काम आगे बढ़ा, पियर्सन राइट का दृष्टिकोण भी बदलता गया और अंततः घिसे हुए एल्युमीनियम पर तेल से चित्रकारी की गई। अमूर्त पृष्ठभूमि तेंदुलकर की कालातीतता को दर्शाती है, जो किसी भी युग या विशिष्ट स्थान से अप्रतिबंधित है। एमसीसी के संग्रह में किसी भारतीय खिलाड़ी का यह पांचवां चित्र है, जिनमें से चार (कपिल देव, बिशन सिंह बेदी, दिलीप वेंगसरकर और तें. दुलकर) पियर्सन राइट द्वारा चित्रित किए गए हैं।

तीसरा टेस्ट: इंग्लैंड ने चौथा विकेट भी गंवाया

बुमराह ने हैरी ब्रुक को किया बोल्ड, जो रूट फिफ्टी बनाकर खेले रहे

लंदन, वार्ता। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट लंदन के लाड्र्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी है। पहले दिन का आखिरी सेशन जारी है। इंग्लैंड ने पहली पारी में 4 विकेट पर 172 रन बना लिए हैं। जो रूट क्रीज पर हैं। रूट फिफ्टी बना चुके हैं।

हैरी ब्रुक (11 रन) को जसप्रीत बुम. राह ने बोल्ड कर दिया। बुमराह को मैच में पहला विकेट मिला है। ओली पोप (44 रन) को रवींद्र जडेजा ने तीसरे सेशन की पहली बाल पर आउट किया। दूसरा सेशन विकेट रहित रहा। लंच से पहले जैक क्राली 18 और बेन डकेट 23 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को नीतीश कुमार रेड्डी ने ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। रूट ने भारत के खिलाफ 3 हजार रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने इस पारी का 44वां रन बनाते हुए यह अचीवमेंट हासिल किया। रूट ने लाड्र्स स्टेडियम में 2 हजार रन पूरे कर चुके हैं। उन्होंने 51वें ओवर में जडेजा की बाल पर यह उपलब्धि हासिल की। लाड्र्स टेस्ट के पहले दिन ड्यूक की बाल 43 ओवर में खराब हो गई। गेज टेस्ट में फेल होने के बाद फील्ड अंपायर्स ने इसे बदल दिया। इस मैच से पहले भारतीय टीम के उप कप्तान ऋषभ पंत, इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स और भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने गेंद की क्वालिटी पर सवाल उठाया था। 55वें ओवर में इंग्लैंड ने चौथा विकेट गंवाया। यहां हैरी ब्रुक 11 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जसप्रीत बुम. राह ने ओवर की 5वीं बाल पर बोल्ड कर दिया। बुमराह को इस मैच में पहला विकेट मिला है। भारतीय टीम को तीसरा विकेट मिला गया। रवींद्र जडेजा ने पहले दिन के तीसरे सेशन की पहली बाल पर ओली पोप को पवेलियन भेज दिया। पोप को सब्सट्यूट विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने कैच किया। पोप 44 रन बनाकर आउट हुए। इसी के साथ शतकीय साझेदारी टूटी। पहले दिन का दूसरा सेशन इंग्लैंड के नाम रहा। 24 ओवर के इस सेशन में इंग्लैंड ने 70 रन बना डाले और कोई विकेट भी नहीं गंवाया। इस सेशन में जो रूट ने फिफ्टी पूरी कर ली। वे ओली पोप के साथ शतकीय साझेदारी कर चुके थे। 48वें ओवर में इंग्लैंड की टीम ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया था। रवींद्र जडेजा के ओवर की चौथी बाल पर रूट ने एक रन लेकर टीम स्कोर 150 पार पहुंचाया। 47वें ओवर में जो रूट और ओली पोप ने शतकीय साझेदारी पूरी कर ली। पोप ने आकाश दीप के ओवर की पहली बाल पर चौका लगाकर साझेदारी को 100 पार पहुंचाया। इंग्लैंड ने 44 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवाए थे। जो रूट ने भारत के 46वें ओवर में फिफ्टी पूरी कर की। उन्होंने नीतीश कुमार रेड्डी की दूसरी बाल पर चौका मारकर अर्धशतक पूरा किया। रूट ने भारतीय टीम के खिलाफ 13वां अर्धशतक बनाया है। रूट भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं।

भारत ने बनाया लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने का रिकॉर्ड

लंदन, वार्ता। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में गुरुवार को टॉस हारने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने का रिकॉर्ड बना दिया है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इस तरह भारत के नाम अब पुरुष अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने का रिकॉर्ड हो गया है। भारत अब तक लगातार 13 टॉस हार चुका है और उसने वेस्ट इंडीज के 12 टॉस हारने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

टॉस हारने का रिकॉर्ड

13: भारत (31 जनवरी 2025 से 10 जुलाई 2025)

12: वेस्टइंडीज़ (2 फ़रवरी 1999 से 21 अप्रैल 1999)

11: इंग्लैंड (17 दिसंबर 2022 से 12 मार्च 2023)

रोक से इन्कार

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक पहुंच गया है। कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस पर रोक लगाने के लिए याचिकाएं दायर की हैं। याचिकाकर्ताओं ने कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल, टीएमसी की सांसद मऊआ मोइत्रा, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज कुमार झा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासिचव डी राजा, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सामंत, झामुमो के सांसद सरफराज अहमद और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के दीपांकर भट्टाचार्य ने याचिकाएं दायर कर दावा किया है कि चुनाव आयोग का यह कदम संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 325 और 326 के साथ-साथ जनप्रनिधित्व अधिनियम 1950 और मतदाता पंजीकरण 1960 के नियम 21 ए के प्रावधानों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यदि इस आदेश को रद्द नहीं किया गया, तो मनमाने ढंग से उचित प्रक्रिया अपनाए बिना लाखों मतदाताओं को अपने प्रतिनिधियों को चुनने से वंचित किया जा सकता है। इससे देश में स्वतंत्र चुनाव बाधित होगा और लोकतंत्र कमजोर हो सकता है। गुरुवार को न्यायमूर्ति सुधांशू धूलिया और न्यायमूर्ति बागची की अंशकालीन कार्यदिवस की पीठ ने इस पर सुनवाई की। पीठ ने विशेष गहन पुनरीक्षण पर अंतरिम रोक लगाने से इन्कार किया। साथ ही चुनाव आयोग से मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, पहचान पत्र को अनुमति देने पर विचार करने को कहा और इस मामले की सुनवाई के लिए 28 जुलाई तय की है। उससे एक सप्ताह पहले 21 जुलाई तक चुनाव आयोग से हलफनामा दायर करने को कहा। साथ ही माना कि मामले की सुनवाई जरूरी है और इसे उपयुक्त पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए। अदालत ने बार-बार चुनाव आयोग से पूछा कि वह पहचान साबित करने के रूप में एक साधन के रूप में आधार को कैसे अस्वीकार कर सकता है। साथ ही पुनरीक्षण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए समय सीमा पर सवाल उठाए और कहा कि यह सीमा बहुत कम है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 24 जून को बिहार में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के आदेश दिए थे। तमाम विपक्षी दल चुनाव आयोग के इस फैसले को एक षड्यंत्र के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने नौ जुलाई को बिहार बंद रखकर जमकर प्रदर्शन भी किया था। असल में सारा बखेड़ा इस बात को लेकर भी है कि मतदाताओं को नए सिरे से अपनी पहचान बतानी होगी और अपनी पहचान बताने के लिए दस्तावेज भी देने होंगे। दिलचस्प बात यह है कि इस पहचान में आधार कार्ड, राशन कार्ड जैसे बेसिक दस्तावेजों को पहचान से अलग रखा गया है। इससे यह आशंका पैदा हो रही है कि गरीब, दलित वर्ग के लोगों को एक तरह से षड्यंत्र के तहत चुनाव प्रक्रिया से अलग रखने की कोशिश की जा रही है। यह आशंका गलत भी नहीं है और यह प्रक्रिया एक महीने में पूरी होनी है इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। बिहार में इसी वर्ष के अंत में चुनाव होने हैं। यह ठीक है कि फिल्हाल इस आदेश पर अदालत ने रोक नहीं लगाई लेकिन सुनवाई जारी है। देखना है इस पर क्या फैसला आता है।

लोकतंत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए

इमरजेंसी को सिर्फ भारतीय इतिहास के काले अध्याय के रूप में याद नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इससे सबक लेना जरूरी है, नसबंदी अभियान को मनमाना और क्रूर फैसला था, अनुशासन और व्यवस्था के लिए उठाए गए कदम कई बार ऐसी क्रूरता में बदल जाते हैं, जिन्हें किसी तरह उचित नहीं कहा जा सकता, संजय गांधी का जबरन नसबंदी अभियान चलाने का फैसला क्रूरता का उदाहरण बन गया, गरीब ग्रामीण इलाकों में टारगेट पूरा करने के लिए हिंसा और दबाव का सहारा लिया गया, नई दिल्ली जैसे शहरों में बेरहमी से झुग्गियां तोड़ी गईं। हजारों लोग बेघर हो गए। उनकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया, लोकतंत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए, यह एक बहुमूल्य विरासत है, जिसे लगातार संरक्षित करना जरूरी है।

-शशि थरूर, कांग्रेस सांसद

विकास की रफ्तार पर बोझ है बढ़ती जनसंख्या

विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं।

बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए, लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी।

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है, लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिए से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दंपतियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है।

जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा।

1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी वन चाइल्ड पॉलिसी को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी, लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा।

जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिए जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है। इसी प्रकार अनपढ़ महिलाओं के औसतन 3.1 बच्चे होते हैं जबकि शिक्षित महिलाओं में यह संख्या औसतन 1.7 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि जनसंख्या विस्फोट का सीधा संबंध सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों से जुड़ा है। शिक्षा के अभाव में ही देश की बड़ी आबादी को छोटे परिवार के लाभ को लेकर जागरूक नहीं किया जा सका है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपना मेकअप लगाने के बाद इसे मेकअप सेटिंग स्प्रे से सेट करना न भूलें। एक सेटिंग स्प्रे अंतिम टच-अप के रूप में काम करता है और आपके मेकअप को बनाए रखने में मदद करता है। यह त्वचा को चमकदार बनाता है और आपकी त्वचा का मेकअप ज्यादा लंबे समय तक चलता है। इसलिए एक बेहतरीन सेटिंग स्प्रे से अपने लुक को पूरा करें।

बारिश के मौसम में वाटरप्रूफ मेक-अप

शहनाज हुसैन

महिलाओं को मेकअप करने का काफी शौक होता है, लेकिन बारिश के मौसम में अगर बाहर निकलते हुए भीग जाएं तो मेकअप को संभालना काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है क्योंकि मानसून में नमी और पसीने के कारण मेकअप पिघल या फैल जाता है और स्किन काफी चिपचिपी सी दिखने लगती है। ऐसे में मेकअप लगाना काफी तनावपूर्ण हो सकता है।

इसलिए बारिश के मौसम में घर से बाहर निकलने से पहले मेकअप के लिए जरूरी टिप्स आप जरूर जान लीजिए ताकि आपका मेकअप खराब न हो।

1. **हाइड्रेटिंग प्राइमर का इस्तेमाल करें**

मानसून में मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ने से आपकी त्वचा ज्यादा तैलीय हो जाती है। इसलिए त्वचा को मॉइस्चराइज करने और मेकअप को मैल्ट होने से बचाने के लिए मेकअप करने से पहले हाइड्रेटिंग प्राइमर लगाएं।

2. **त्वचा की उचित देखभाल**

बदलते मौसम में डेली स्किन केयर रूटीन को फॉलो करना जरूरी है। आप फेस क्लीनिंग के बाद मॉइश्चराइजर लगाएं और सनस्क्रीन लगाना न भूलें लिक्विड या क्रीम फाउंडेशन के बजाय ऑयल फ्री मॉइश्चराइजर का हल्का कोट लगाया जा सकता है, टच अप के लिए हल्का कॉम्पैक्ट पाउडर लगा सकती हैं।

कुछ लोग गर्मी में स्किन को कभी भी मॉइस्चर नहीं करते हैं, इससे चेहरे पर पसीना आता है और आपका मेकअप फैलने लगता है। आपको ऐसा मॉइश्चराइजर चुनना चाहिए, जो ऑयल फ्री और नॉन कॉमेडोजेनिक हो इनके इस्तेमाल से पोर्स बंद नहीं होते हैं और स्किन भी हाइड्रेटेड बनी रहती है। यदि आप घर पर हैं तो मेकअप अप्लाई करने से पहले फेस को जरूर मॉइस्चर करें। स्किन केयर रूटीन को स्किप करने की गलती नहीं करें।

3. बारिश के मौसम में कम से कम मेकअप करें और इसे अच्छे से ब्लेन्ड करें। नेचुरल तरीकों से ग्लो बढ़ाने की कोशिश करें। मानसून में हैवी मेकअप पसीने और नमी की वजह से जल्दी फैल सकता है, ऐसे में लाइट और वॉटरप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल करें ताकि स्किन को सांस लेने का मौका मिल सके और पिंपल्स न निकलें।

4. **वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट चुने**

बारिश और नमी के कारण मेकअप जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए वाटरप्रूफ फाउंडेशन, काजल और मस्कारा का उपयोग करें। ये प्रोडक्ट मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखते हैं। क्रीम आधारित सौन्दर्य उत्पादों की जगह पाउडर आधारित सौन्दर्य उत्पादों का उपयोग करें। लूज पाउडर के बजाय कॉम्पैक्ट पाउडर लंबे समय तक चलता है और एक स्मूथ फिनिश देता है। मेकअप को टच देने के लिए कॉम्पैक्ट पाउडर कैरी करें।

5. मानसून के दौरान हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आपका ब्लश सौम्य और परिधान को सूट करते हुए होना चाहिए। पाउडर आईशैडो खरीदें क्योंकि यह क्रीम आई शैडो के मुकाबले ज्यादा देर तक टिके रहते हैं। हल्का रंग का थोड़ा सा आई शैडो लगाएं।

6. **अच्छी गुणबत्ता के उत्पाद उपयोग करें**

मानसून सीजन के दौरान अच्छी गुणबत्ता के मस्काराए, फाउंडेशन, लिपस्टिक, आई लाइनर और हाइलाइटर जैसे सौन्दर्य उत्पादों का उपयोग करें।

(लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ हैं और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय हैं)

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का उपयोग चिंताजनक

ललित गर्ग

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है।

इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुंच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे

आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनेशनल थर्ड पार्टी ट्रांजेक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूजर्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूजर्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के जरिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है, लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीदारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिन्हित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है।

एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। यह माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब्जर्वेशन्स इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। गजवा-ए-हिंद जैसे डिजिटल प्रोपेगेंडा प्लेटफॉर्म्स पाकिस्तानी जमीन से संचालित होकर भारत में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं।

भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित किया जाता है। उत्तर पूर्व में उग्रवादी संगठनों को डिजिटल भुगतान और चौनलों के माध्यम से सहायता मिलती रही है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें। क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी टूल्स विकसित करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अमेरिकी टैरिफ नीति: भारत के लिए सौगात

रिपोर्ट में दावा: भारत को निवेश हब बनने का मौका

नई दिल्ली। अमेरिका की नई टैरिफ नीति भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका भारत पर तय टैरिफ से कम टैरिफ लागू कर सकता है। वहीं दूसरी तरफ इंडो-पैसिफिक के कई देशों को भारी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। इससे भारत में विदेशी निवेश के अवसर बढ़ सकते हैं और देश की मैन्युफेक्चरिंग क्षमता को मजबूती मिल सकती है।

अरिहंत कैपिटल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत कई अन्य एशियाई देशों की तुलना में अमेरिका के नए टैरिफ सिस्टम में बेहतर स्थिति में है। इससे भारत के पास निवेश को आकर्षित करने और मैन्युफेक्चरिंग बह बनने के लिए बड़ा मौका है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कंबोडिया और वियतनाम जैसे देशों को जहां अधिक टैरिफ झेलना पड़ रहा है।

भारत द्विपक्षीय समझौतों और ग्लोबल ट्रेड फ्लो में बदलाव का लाभ उठा सकता है। ट्रम्प ने 8 जुलाई को जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग को औपचारिक लेटर भेजकर टैरिफ की जानकारी दी थी। बाद में मलेशिया और कजाकिस्तान को भी इसी तरह के लेटर भेजे गए। हालांकि भारत को अभी तक ऐसा कोई लेटर नहीं मिला है। रिपोर्ट में इसे भारत के लिए अच्छा संकेत बताया गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अमेरिका भारत को स्ट्रैटजिक पार्टनर होने के नाते रियायत दे सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की इस नई टैरिफ नीति के चलते भारत की स्थिति बाकी देशों की तुलना में मजबूत है।

इसका फायदा उठाकर भारत ग्लोबल सप्लाई चेन का अहम हिस्सा बन सकता है। भारत की 'चाइना+1' रणनीति, पीएलआई योजनाएं और ट्रेड डील्स की वजह से भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटो और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने का मौका देगा। कता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 14 देशों पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की। इनमें कई देशों पर 25 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाए गए हैं।

- कई अन्य एशियाई देशों की तुलना में अमेरिका के नए टैरिफ सिस्टम में बेहतर स्थिति में
- कई देशों पर 22 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाए गए

ब्राजील के राष्ट्रपति ने 50 प्रतिशत टैरिफ पर ट्रम्प का किया विरोध

ब्रासीलिया। ब्राज़ील के सामानों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का विरोध करते हुए राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा ने कहा है कि ब्राज़ील एक संप्रभु राष्ट्र है जिसके पास स्वतंत्र संस्थाएं हैं और वह 'किसी भी प्रकार की नसीहत नहीं स्वीकार करेगा'। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर ट्रम्प की टिप्पणी का जवाब देते हुए लूला ने ज़ोर देकर कहा कि ब्राज़ील एक संप्रभु राज्य है और अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं या न्यायिक प्रक्रियाओं में बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। लूला ने 'एक्स' पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुधवार को सोशल मीडिया पर दिए गए सार्वजनिक बयान को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित बातों पर प्रकाश डालना ज़रूरी है कि ब्राज़ील एक संप्रभु राष्ट्र है जिसके स्वतंत्र संस्थान हैं और वह किसी भी प्रकार की नसीहत स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिका और ब्राज़ील के बीच व्यापार असंतुलन को सिरे से खारिज करते हुए उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि टैरिफ वृद्धि का मसला ब्राज़ील के आर्थिक पारस्परिक कानून के अनुसार निपटाया जाएगा।

नई दिल्ली। विजय चौक पर बारिश से बचने के लिए छाता लगाकर जाते यात्री।

ट्रम्प पर हमले के मामले में सीक्रेट सर्विस के 6 एजेंट सस्पेंड

- लापरवाही का आरोप, पिछले साल कान को छूकर निकली थी गोली

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर पिछले साल हुए जानलेवा हमले के दौरान सुरक्षा में चूक के आरोप में सीक्रेट सर्विस के 6 एजेंट्स को सस्पेंड कर दिया गया है। यह जानकारी एबीसी न्यूज ने अधिकारियों के हवाले से दी है। यह कार्रवाई ट्रम्प के हमले का एक साल पूरा होने से 4 दिन पहले हुई है। पेनसिल्वेनिया के बटलर में 13 जुलाई 2024 ट्रम्प पर गोली चलाई गई थी। यह गोली ट्रम्प के कान को लगती हुई निकल गई थी और वह घायल हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरी कॉम्पेराटोर की मौत हो गई थी। जवाबी कार्रवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रूक्स (20 वर्ष) को गोली मार दी थी। सस्पेंड किए गए एजेंट्स को अपील का अधिकार दिया गया है।

खामेनेई के सलाहकार की ट्रम्प को ड्रोन हमले की धमकी

- कहा: धूप सेंकते समय माइक्रो-ड्रोन नाभि पर गिर सकता है, ट्रम्प बोले: धूप सेकना पंसद नहीं

वॉशिंगटन/तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार मोहम्मद-जवाद लारीजानी ने 8 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर ड्रोन हमले की चेतावनी दी।

लारीजानी ने एक टी.वी चर्चा के दौरान हंसते हुए कहा: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में धूप सेंकते समय एक माइक्रो-ड्रोन निशाना बना सकता है। उन्होंने कहा ट्रम्प अब मार-ए-लागो में धूप नहीं सेंक सकते, क्योंकि जब वे लेटे होंगे, तो कोई माइक्रो-ड्रोन उन्हें निशाना बनाकर सीधे उनकी नाभि पर हमला कर सकता है। वहीं, ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में इस बारे में पूछे जाने पर कहा-मुझे धूप सेकना पंसद नही, शायद आखिरी बार मैंने 7 साल की उम्र में धूप में बैठा था। ट्रम्प बोले वो इस बयान को बड़े खतरे के तौर पर नहीं देखते। खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार मोहम्मद- जवाद लारीजानी ने ट्रम्प पर ड्रोन हमले की चेतावनी दी।

लारीजानी के इस बयान को लेकर स्थानीय मीडिया ने एक रिपोर्ट में 'ब्लड पैक्ट' नामक एक ऑनलाइन क्राउड फंडिंग अभियान से जुड़े होने का दावा किया। ये अभियान खामेनेई का अपमान करने वालों के खिलाफ बदला लेने के लिए फंड जुटा रहा है। जिसके बारे में दावा किया गया है कि 8 जुलाई तक इसने 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि जुटा ली है। अमेरिका ने 22 जून को ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया था।

लाल सागर में मालवाहक जहाज पर हूती विद्रोहियों का हमला

यरुशलम/सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में 'इटरनिटी सी' जहाज पर हमला कर उसे डुबोने का दावा किया। यूरोपीय संघ नौसैनिक बल ने बताया कि डूबे 'इटरनिटी सी' जहाज के क्रू मेंबर्स के छह सदस्यों को बचाया गया और अन्य 15 अभी भी लापता हैं। यह जानकारी अल जजीरा ने गुरुवार को यूरोपीय संघ के नौसैनिक बल के हवाले से दी। पिछले कुछ दिनों में यह इस तरह का दूसरा बड़ा हमला है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को हुए इस हमले में यूनान के स्वामित्व वाला जहाज इटरनिटी सी के डूबने से कम से कम चार नाविकों की मौत हो गई तथा 15 अन्य लापता हो गए। हूती ने एक बयान में कहा कि इटरनिटी सी जहाज पर हमला एक मानवरहित नाव और मिसाइलों का उपयोग कर किया गया था।

कनाडा में कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग

अज्ञात हमलावरों ने कई राउंड गोलियां चलाईं

- तीन दिन पहले हुआ था उद्घाटन

ओटावा। कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग हुई। तीन दिन पहले ही कैफे का उद्घाटन हुआ था। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने कैफे पर कई राउंड गोलियां चलाईं। हालांकि अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। कपिल शर्मा का यह कैफे कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सर्रे में स्थित है।

इसका नाम 'कप्स कैफे' है। इस कैफे के जरिए कपिल शर्मा ने रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में कदम रखा है। उनकी पत्नी गिन्नी चतरथ भी इससे जुड़ी हैं। रिपोर्ट्स का दावा है कि खालिस्तानी आतंकवादी और नेशनल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी (एनआईए) की लिस्ट में भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में शामिल हरजीत सिंह लाडी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। गोलीबारी के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीमें मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि हरजीत सिंह लाडी ने एक कॉमेडी शो के दौरान निहंग सिखों के खिलाफ टिप्पणी को लेकर कपिल शर्मा के कैफे पर गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। सोशल मीडिया पर हरजीत सिंह लाडी और तूफान सिंह नाम के एक अन्य व्यक्ति ने वीडियो के जरिए कपिल शर्मा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की चेतावनी दी और कहा कि माफी नहीं मांगी तो मामला और बिगड़ सकता है।

अमेरिका से नए शुल्क मसले पर वार्ता करेगा मेक्सिको

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा है कि मेक्सिको का एक प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात कर नए व्यापार शुल्कों पर बातचीत कर बेहतर समाधान का प्रयास करेगा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए आयात शुल्क पर उन्होंने यह प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शीनबाम ने बुधवार को अपनी दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को वाशिंगटन डीसी जाएगा। शीनबाम ने कहा कि इस सप्ताह हमारी एक टीम इस वैश्विक समझौते पर काम करने के लिए अमेरिका की यात्रा पर जा रही है। हमने इस मामले में राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ जी7 में चर्चा की थी। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई वित्त मंत्री मार्सेलो एबरार्ड करेंगे और इसमें वित्त और विदेश मामलों के सचिवालयों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इस वार्ता का एजेंडा मुक्त व्यापार पर मौजूदा अमेरिका- मेक्सिको- कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) से कही व्यापक होगा जिसमें सुरक्षा, आव्रजन और व्यापार के तीन प्रमुख मुद्दों पर व्यापक रणनीतिक सहयोग पर बात की जाएगी।

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए आयात शुल्क पर शीनबाम ने यह प्रतिक्रिया व्यक्त की

ऑस्ट्रेलिया ने AI की मदद से नया सिंथेटिक प्रोटीन बनाया

- एआई ने प्रोटीन इंजीनियरिंग को दशकों से घटाकर सेकंडों में ला दिया है

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से एक सिंथेटिक प्रोटीन बनाया है जो ई. कोलाई जैसे एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी बैक्टीरिया को मारने में सक्षम है।

मेलबर्न स्थित मोनाश विश्वविद्यालय ने आज कहा कि यह पहली बार है जब किसी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एआई का इस्तेमाल कर जैविक प्रोटीन बनाया है। इस उपलब्धि से ऑस्ट्रेलियाई टीम अधिक किफायती दवा बनाने और बीमारियों के निदान के लिए अनेक प्रकार के प्रोटीन तेज़ी से विकसित करने वाले अमेरिका और चीन जैसे देशों की कतार में आ गई है। मोनाश विश्वविद्यालय के एक बयान के मुताबिक टीम ने उन्नत एआई-संचालित उपकरणों का उपयोग करके एआई प्रोटीन डिज़ाइन प्लेटफ़ॉर्म विकसित किया है। इसमें हाल ही में विकसित सॉफ्टवेयर भी शामिल है जो दवा और चिकित्सकीय प्रयोगों के लिए प्रोटीन बनाने में सक्षम है। इस शोध दल के प्रमुख मोनाश विश्वविद्यालय में पीएचडी छात्र डैनियल फॉक्स ने कहा इन उपकरणों का इस्तेमाल कर हम प्रोटीन को एक विशिष्ट लक्ष्य या अणु अथवा रसायन के रूप में बांधने के लिए डिज़ाइन कर सकते हैं। इसकी मदद से बेहतर गतिविधि और स्थिर गुणों वाले एंजाइम डिज़ाइन कर सकते हैं।

शोध के सह-प्रमुख लेखक राइस ग्रिटर के अनुसार यह खोज अमेरिकी जैव रसायन और नोबेल पुरस्कार विजेता डेविड बेकर के अग्रणी कार्य पर आधारित है। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित इस अध्ययन में बताया गया है कि एआई ने प्रोटीन इंजीनियरिंग को दशकों से घटाकर सेकंडों में ला दिया है जिससे संक्रमण, कैंसर, सर्पदंश और अन्य बीमारियों के इलाज में तेज़ी आई है।

हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध का मामला चलेगा

- प्रदर्शन कर रहे 1400 लोगों की हत्या का आरोप बांग्लादेश के पूर्व पुलिस प्रमुख ने जुर्म कबूला

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर गुरुवार को बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल (आईटीसी) ने मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में आरोप तय किए। हसीना के अलावा देश के पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व आईजीपी चौधरी अब्दुल्लाह अल मामून को सह-आरोपी बनाया गया है। मुकदमे की सुनवाई 3 अगस्त से शुरू होगी।

मामून ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है, और मामले में सरकारी गवाह बनने के लिए याचिका दायर की है। मामून फिलहाल जेल में हैं, ए मुकदमा बाकी दो आरोपियों की गैर मौजूदगी में चलेगा। आईटीसी में हसीना के खिलाफ अब तक 5 मामले दर्ज किए हैं। इसमें 1400 लोगों की हत्या, भीड़ को उकसाना और सरकारी ताकतों का गलत इस्तेमाल शामिल हैं। अगस्त, 2024 में तख्तापलट के बाद से हसीना भारत में रह रहीं हैं। क्रिमिनल ट्रिब्यूनल ने 6 जनवरी, 2025 को 11 और लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। देश के पूर्व आईजीपी चौधरी अब्दुल्लाह अल मामून ने कोर्ट में सरकारी गवाह बनने के लिए याचिका दायर की है। बांग्लादेश में 5 जून, 2024 को बांग्लादेश हाईकोर्ट ने जॉब में 30 प्रतिशत कोटा सिस्टम लागू किया था, इस आरक्षण के खिलाफ ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। हालांकि, हसीना सरकार ने यह आरक्षण बाद में खत्म कर दिया था।

रूसी सेना को मिली सुखोई जहाजों की एक और खेप

मॉस्को। यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझी रूसी फौज को जंगी जहाज सुखोई -34 की एक और खेप मिल गई है। इन जहाजों को बनाने का काम यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) के पास है। यूएसी की मूल कंपनी रोस्टेक ने गुरुवार को बताया कि रक्षा मंत्रालय को लड़ाकू बमवर्षक सुखोई -34 की पांचवीं खेप सौंप दी गई है। रोस्टेक ने एक पायलट के हवाले से कहा कि सुखोई-34 की ताकत यह है कि यह कई तरह के कामों को बखूबी अंजाम दे सकता है। खासतौर पर इसके हथियारों की रेंज और लड़ाकू अभियानों को अंजाम देने के तरीका विशिष्ट है।